केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बोले- जमीनी स्तर की योजनाओं से मिलती हैं बड़ी उपलब्धियां- 12

अमेरिकी शुल्क के बावजूद भारत का निर्यात स्थिर भारतीय बाजारों में विविधता से मिली मजबूती- 12

बांग्लादेश सरकार का दावा- उस्मान हादी के दो संदिग्ध हत्यारे भारत भागे - 13

नया साल भारतीय महिला हॉकी के लिए नई उम्मीद लेकर आएगा : ड्रैग फ्लिकर दीपिका - 14

आज का मौसम

20.0° अधिकतम तापमान

09.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.56

सूर्यास्त 05.26

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

कानपुर

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

पौष शुक्ल पक्ष नवमी 10:12 उपरांत दशमी विक्रम संवत 2082

सोमवार, 29 दिसंबर 2025, वर्ष 4, अंक 129, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये

10 हजार रन बनाने वाली दूसरी भारतीय खिलाड़ी बनीं मंधाना

तिरुवनंतपुर, एजेंसी

- भारतीय उपकप्तान ने 281 पारियों में हासिल की यह उपलब्धि

उपकप्तान स्मृति मंधाना रविवार को यहां श्रीलंका के खिलाफ चौथे टी20 मैच के दौरान महिला अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 10 हजार रन पूरे करने वाली भारत की दूसरी व दुनिया की कुल चौथी बल्लेबाज बनीं।

स्मृति ने यहां ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में निमाशा मीपागे की गेंद पर जैसे ही 27वां रन बनाया स्टेडियम तालियों से गूंज पड़ा। भारत की मिताली राज, इंग्लैंड की चार्लोट एडवर्ड्स और न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स उनके पहले यह उपलब्धि हासिल कर चुकी हैं। स्मृति ने हालांकि सबसे कम पारियों में 10 हजार रन पूरा करने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। उन्होंने 281 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की। मिताली इस सूची में 291 पारियों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। चार्लोट और सूजी ने क्रमशः 308 और 314 पारियों में इस आंकड़े को छुआ था। (विस्तृत खेल पेज पर)

40 जिलों में छाया घना कोहरा, जारी रहेगा सर्दी का सितम

- यूपी के कई जिलों में घने कोहरे से जनजीवन अस्त-व्यस्त
- पूर्वांचल के अलावा तराई बेल्ट के जिलों में कोल्ड-डे की स्थिति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में कड़ाके की ठंड और घने कोहरे का कहर बढ़ता जा रहा है। रविवार को 40 जिलों में घना कोहरा छाया रहा। वहीं मौसम विभाग के मुताबिक आगामी दिनों में सर्दी का सितम जारी रहेगा।

आने वाले तीन दिनों 29 से 31 दिसंबर को और कड़ाके की सर्दी का सामना करना पड़ सकता है। दिन में उत्तरी पश्चिमी हवाओं के चलने से कोल्ड-डे की स्थिति बनी रहेगी।

न्यूनतम तापमान 5 डिग्री से. पहुंचा: यूपी के कई जिलों में न्यूनतम तापमान लुढ़ककर 5 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया है। इनमें बाराबंकी, कानपुर समेत कई जिले हैं। वहीं, इटावा सबसे ठंडा जिला रहा। यहां पर न्यूनतम तापमान 5.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया था, जो की सामान्य से एक डिग्री सेल्सियस कम है। वहीं, अधिकतम तापमान झांसी जिले में 24 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया जो की सामान्य से 2 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। लखनऊ का अधिकतम तापमान 19 व न्यूनतम 10 डिग्री से. रहने की संभावना है। बाराबंकी में 7, सोनभद्र में 7, फतेहपुर में 7, आगरा में 7 डिग्री से. न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया।

110 से ज्यादा ट्रेनें लेट: खराब मौसम के चलते 110 से ज्यादा ट्रेनें लेट हैं तो कई डाइवर्ट-रीशेड्यूल्ड की गईं हैं। डायवर्ट टेनों में 16032 अंडमान एक्सप्रेस, 11078 झेलम एक्सप्रेस, 12751 जम्मू तवी हमसफर एक्सप्रेस हैं। कई घंटे लेट चल रहीं ट्रेनों में 12417 प्रयागराज एक्सप्रेस, 12427 रीवा-आनंद विहार एक्सप्रेस, 12309 न्यू दिल्ली तेजस राजधानी एक्सप्रेस, 15658 ब्रह्मपुत्र मेल,14117 कालिंदी एक्सप्रेस के साथ अन्य ट्रेनें शामिल रहीं।

ट्रेनें घंटों लेट, 20 से ज्यादा फ्लाइटें हुईं कैंसिल

घने कोहरे के कारण तेजस समेत कई ट्रेनें घंटों लेट चल रही हैं। विमान सेवा पर भी मौसम का असर पड़ा है। बस सेवाओं भी प्रभावित हो रहीं हैं। लखनऊ, वाराणसी, प्रयागराज, अयोध्या से आने व जाने वाली लगभग 20 से अधिक उड़ाने घंटो लेट रहीं। कुछ उड़ानों को निरस्त भी कर दिया गया। ऐसे में स्पाइसजेट, एयर इंडिया और इंडिगो के साथ-साथ लखनऊ, दिल्ली एयरपोर्ट ने भी ट्रैवल एडवाइजरी जारी की है। दिल्ली, अमृतसर, जम्मू, अयोध्या, गोरखपुर, वाराणसी, चंडीगढ़, दरभंगा, पटना, हिंडन, रांची, गुवाहाटी, बागडोगरा की उड़ानें प्रभावित हैं।

स्कूलों में 15 दिनों के शीतकालीन अवकाश की तैयारी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों (कक्षा 1 से 8 तक) में पढ़ने वाले लाखों छात्र-छात्राओं और शिक्षकों को राहत मिल सकती है। सनसनाती सर्दी और शीतलहर को देखते हुए बेसिक शिक्षा विभाग ने 15 दिनों के शीतकालीन अवकाश की तैयारी शुरू कर ली है। ऐसे में परिषदीय स्कूल 31 दिसंबर 2025 से 14 जनवरी 2026 तक बंद रहेंगे। छुट्टियों से पहले शिक्षकों के लिए सख्त निर्देश भी जारी किए हैं। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) की ओर से कहा गया है कि स्कूल बंद होने से पहले शिक्षक अपने सभी लंबित विभागीय कार्यों को हर हाल में निपटा लें।

ब्रीफ न्यूज

दवा संयंत्र में विस्फोट मामले में सिगाची इंडस्ट्रीज का सीईओ गिरफ्तार

हैदराबाद। तेलंगाना के संगारेड्डी जिले में सिगाची इंडस्ट्रीज के दवा संयंत्र में इस साल जून में हुए विस्फोट के सिलसिले में कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी को गिरफ्तार किया गया है। इस घटना में 54 लोगों की मौत हो गयी थी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि दुर्घटना के मामले में आरोपी नंबर दो के रूप में नामजद सिगाची इंडस्ट्रीज के प्रबंध निदेशक और सीईओ अमित राज सिन्हा को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि छह लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है, जो सभी दवा कंपनी से जुड़े हैं। 30 जून को संगारेड्डी जिले में सिगाची के विनिर्माण संयंत्र में विस्फोट हुआ था।

संपत्ति दिलाने के नाम पर 12 करोड़ की ठगी पांच लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने गुरुग्राम के डीएलएफ कैमेलियास में ऐसी संपत्ति बेचने के नाम पर 12 करोड़ रुपये की ठगी करने के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है, जो अस्तित्व में ही नहीं है। इन गिरफ्तारियों से एक संगठित प्रॉपर्टी धोखाधड़ी गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है जो पीड़ितों को ठगने के लिए फर्जी बैंक नीलामी दस्तावेजों का इस्तेमाल कर रहा था। गिरोह बैंकों द्वारा नीलाम की गई प्रीमियम संपत्तियों पर तुरंत कब्जा दिलाने का झूठा दावा करके कई राज्यों में 200 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी कर चुका है।

युवा शक्ति के कारण दुनिया भारत की ओर बड़ी उम्मीदों से देख रही है : मोदी

मन की बात में प्रधानमंत्री बोले- हमारे विज्ञान और तकनीक ने सभी को प्रभावित किया

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि विज्ञान, नवाचार और प्रौद्योगिकी के विस्तार के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों ने दुनिया भर के देशों को बहुत प्रभावित किया है और युवा शक्ति के कारण पूरी दुनिया देश की ओर बड़ी उम्मीदों से देख रही है। मोदी ने अपने मासिक मन की बात संबोधन में कहा, आज दुनिया भारत को बहुत आशा के साथ देख रही है। भारत से उम्मीद की सबसे बड़ी वजह है, हमारी युवा शक्ति।

मोदी ने कहा, भारत के युवाओं में हमेशा कुछ नया करने का जुनून है और वो उतने ही जागरूक भी हैं। मेरे युवा साथी कई बार मुझसे यह पूछते हैं कि राष्ट्र निर्माण में वो अपना योगदान और कैसे बढ़ाएं, वो कैसे अपने विचार साझा कर सकते हैं। कई साथी पूछते हैं कि मेरे सामने वो अपने विचार को कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं, उन्होंने कहा कि हमारे युवा साथियों की इस जिज्ञासा का समाधान है विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग। उन्होंने कहा कि पिछले साल इसका पहला संस्करण आयोजित हुआ था और अब कुछ दिन बाद उसका दूसरा संस्करण आयोजित होने वाला है। अगले महीने की 12 तारीख को स्वामी विवेकानंद जी की जयंती के अवसर पर 'राष्ट्रीय युवा दिवस' मनाया जाएगा। इसी दिन 'यंग लीडर्स डायलॉग' का भी आयोजन होगा और मैं भी इसमें जरूर शामिल होऊंगा। इसमें हमारे युवा नवोन्मेष, फिटनेस, स्टार्टअप और कृषि जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार साझा करेंगे। मैं इस कार्यक्रम को लेकर बहुत ही उत्सुक हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि ऐसे बहुत से मंच विकसित हो रहे हैं, जहां युवा अपनी योग्यता और रुचि के अनुसार अपनी प्रतिभा दिखा सकते हैं। ऐसा ही एक मंच है स्मार्ट इंडिया हैकथॉन, जहां आईडिया, एक्शन' में बदलते हैं। स्मार्ट इंडिया हैकथॉन 2025 का समापन इसी महीने हुआ है। इस हैकथॉन के दौरान 80 से अधिक सरकारी विभागों की 270 से ज्यादा समस्याओं पर छात्रों ने काम किया।

देश के लिए 2025 गौरवपूर्ण उपलब्धियों का वर्ष रहा

नई दिल्ली। मोदी ने कहा कि 2025 भारत के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धियों का वर्ष रहा है। इस साल ऑपरेशन सिंदूर हर भारतीय के लिए गर्व का प्रतीक बन गया। दुनिया ने साफ देखा आज का भारत अपनी सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करता। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान देश के कोने-कोने से मां भारती के प्रति प्रेम और समर्पण की तस्वीरें सामने आई। 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूरे हुए। मैंने आपसे आग्रह किया था कि 'हैशटैग वंदे मातरम् 150' के साथ अपने संदेश और सुझाव भेजें। हमारी पुरुष क्रिकेट टीम ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीती और महिला क्रिकेट टीम ने पहली बार विश्व कप अपने नाम किया।

संस्कृति और भाषाओं के वैश्विक प्रसार की सराहना की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री ने फिजी में नई पीढ़ी को तमिल भाषा से जोड़ने के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने दुबई में रहने वाले कन्नड़ परिवारों द्वारा अपने बच्चों को कन्नड़ भाषा सिखाने के लिए 'कन्नड़ पाठशाला' शुरू करने के प्रयासों की भी सराहना की। उन्होंने कहा, अब मैं आपसे भारत से हजारों किलोमीटर दूर, एक ऐसे प्रयास की बात करना चाहता हूं, जो दिल को छू लेने वाला है। फिजी में भारतीय भाषा और संस्कृति के प्रसार के लिए एक सराहनीय पहल हो रही है। वहां की नई पीढ़ी को तमिल भाषा से जोड़ने के लिए कई स्तरों पर लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। पिछले महीने फिजी के राकी-राकी इलाके के एक स्कूल में पहली बार तमिल दिवस मनाया गया।

एंटीबायोटिक के अंधाधुंध इस्तेमाल के खिलाफ चेताया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री ने एंटीबायोटिक प्रतिरोध के मुद्दे को उठाते हुए लोगों से आग्रह किया कि वे डॉक्टर से परामर्श किए बिना ऐसी दवाएं न लें। कहा कि आईसीएमआर ने हाल ही में एक रिपोर्ट जारी की है, जिसमें कहा गया है कि निमोनिया और यूटीआई जैसी कई बीमारियों के खिलाफ एंटीबायोटिक अप्रभावी साबित हो रही हैं। यह सभी के लिए चिंता का विषय है। इसका एक बड़ा कारण लोगों द्वारा बिना सोचे-समझे एंटीबायोटिक दवाओं का सेवन है। कहा, आजकल लोग ये मानने लगे हैं कि बस एक गोली ले लो, हर तकलीफ दूर हो जाएगी। यही वजह है कि बीमारियां और संक्रमण इन एंटीबायोटिक दवाओं पर भारी पड़ रहे हैं।

धर्मान्तरण रैकेट को एआई के हथियार से करें नेस्तनाबूद : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- बोले, धार्मिक उन्माद व जातीय विद्वेष फैलाने वालों के खिलाफ पुलिस करे सख्त कार्रवाई

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी ने 'पुलिस मंथन वरिष्ठ पुलिस अधिकारी सम्मेलन-2025', के दूसरे दिन रविवार को समापन अवसर पर प्रदेश में कानून व्यवस्था को मजबूत करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पाकिस्तान, बांग्लादेश एवं नेपाल से लगी अंतरराष्ट्रीय सीमाओं से हो रही आतंकवादी गतिविधियों और नशीले पदार्थों की तस्करी के नए आयामों का गहन विश्लेषण करते हुए सीमा निगरानी को अधिक सुदृढ़ करने पर बल दिया।

उन्होंने विदेशी फंडिंग से संचालित गो-तस्करी और धर्मांतरण के लिए चलाए जा रहे संगठित गिरोह पर सख्त कार्रवाई करने को कहा। खासकर धर्मान्तरण रैकेट की रोकथाम के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, वित्तीय ट्रेल, तकनीकी विश्लेषण एवं आधुनिक संसाधनों के प्रभावी उपयोग को और मजबूत करने के निर्देश दिए। योगी ने वरिष्ठ अधिकारियों को सोशल मीडिया और साइबर क्राइम पर सख्त निगरानी रखने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया के दुरुपयोग, डीपफेक, साइबर अपराध एवं आतंकी नेटवर्क जैसी चुनौतियों पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए पुलिस एवं इंटेलिजेंस तंत्र को निर्देशित किया कि सोशल मीडिया पर कानून-व्यवस्था, जातीय एवं धार्मिक सौहार्द को प्रभावित करने वाले किसी भी आपत्तिजनक कंटेंट पर तत्काल संज्ञान लेकर त्वरित और कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जाति या धर्म के नाम पर समाज को विभाजित करने, पुलिस पर दबाव बनाने अथवा अराजकता फैलाने वाले तत्वों के प्रति किसी भी प्रकार की ढिलाई न बरती जाए। योगी ने धार्मिक कन्वर्जन को गंभीर चुनौती बताते हुए कहा कि बलरामपुर जैसी घटनाएं संकेत हैं कि ऐसे प्रयास संगठित रूप से किए जा रहे हैं।

आपने काल का ध्यान रखा तो महाकाल भी सहयोग करेगा

योगी ने सख्त लहजे में कहा कि अक्सर होता है कि कोई व्यक्ति काल का शिकार क्यों होता है? क्योंकि वह काल का ध्यान नहीं देता है। लेकिन यहां पर मुझे लगता है कि आपने काल का ध्यान रखा है तो महाकाल भी आपका सहयोग करेगा।

पुलिस अधिकारी सम्मानित

योगी ने पदक अलंकरण समारोह में अधिकारियों व कार्मिकों को सम्मानित किया और सभी 11 सत्र की चर्चा की। इस दौरान पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्णा, प्रमुख सचिव (गृह) संजय प्रसाद, निदेशक एसपीजी आलोक शर्मा, पुलिस महानिदेशक (कारागार) पीसी मीणा आदि मौजूद रहे।

कर्नाटक के कारवार तट पर पनडुब्बी आईएनएस वाघशीर में सवार होतीं राष्ट्रपति मुर्मू। ● एजेंसी

पनडुब्बी में सवार हो समुद्र की गहराइयों तक पहुंचीं महामहिम

नई दिल्ली, एजेंसी

- आईएनएस वाघशीर पर हुईं सवार, यात्रा करने वाली देश की दूसरी राष्ट्रपति
- 2006 में तत्कालीन राष्ट्रपति कलाम ने आईएनएस सिंधु रक्षक में की थी यात्रा

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू रविवार को भारतीय नौसेना की अग्रिम पंक्ति की पनडुब्बी आईएनएस वाघशीर पर सवार होकर समुद्री यात्रा की। मुर्मू पनडुब्बी पर सवार होकर यात्रा करने वाली देश की दूसरी राष्ट्रपति हैं। इससे पहले फरवरी 2006 में तत्कालीन राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम ने भारतीय नौसेना की पनडुब्बी आईएनएस सिंधु रक्षक से समुद्री यात्रा की थी।

अधिकारियों ने बताया कर्नाटक के कारवार नौसैनिक अड्डे से कलवरी श्रेणी की पनडुब्बी पर राष्ट्रपति के सवार होने के दौरान नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी भी उनके साथ मौजूद थे। मुर्मू ने नौसेना की वर्दी पहनकर पनडुब्बी में प्रवेश करने से पहले नौसेना कर्मियों को हाथ हिलाकर अभिवादन किया। उन्होंने आईएनएस वाघशीर के चालक दल से बातचीत की और उनकी समर्पण भावना की सराहना की, साथ ही देशी पनडुब्बी को भारतीय नौसेना की पेशेवर उत्कृष्टता और युद्ध तैयारियों का चमकता उदाहरण बताया।

आईएनएस वाघशीर की खासियत

यह एक स्कॉर्पीन-क्लास पनडुब्बी है, जो अत्याधुनिक हथियारों और प्रणालियों से सुसज्जित है, जिससे यह समुद्र में गुप्त संचालन करने में सक्षम है। वाघशीर की लंबाई 68 मीटर और वजन लगभग 1,550 टन है। यह पनडुब्बी गुप्त संचालन के लिए डिजाइन की गई है। इसमें उन्नत सोनार सिस्टम भी लगाया गया है, जो इसकी निगरानी क्षमताओं को बढ़ाता है।

कोडीन सिरप की तस्करी के मामले में पांच लोग गिरफ्तार

वाराणसी। वाराणसी पुलिस ने फर्जी दवा कंपनियां बनाकर अवैध रूप से कोडीन युक्त कफ सिरप की आपूर्ति करने के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। इस मामले में कोडीन युक्त कफ सिरप की तस्करी के आरोप में रोहनिया और सारनाथ थानों में दो अलग-अलग मामले दर्ज कर फरार सरगना के खिलाफ 50 हजार का इनाम घोषित करने के साथ उसके खिलाफ लुकआउट नोटिस भी जारी किया गया है।

- फर्जी कंपनियां बनाकर कर रहे थे तस्करी, करोड़ों रुपये के लेनदेन की पुष्टि

अपर पुलिस उपायुक्त नीतू कात्यायन ने बताया कि रोहनिया में दर्ज मामले में स्वप्निल केसरी, दिनेश यादव और आशीष यादव को गिरफ्तार किया गया। सारनाथ में दर्ज मामले में विष्णु पांडेय और लोकेश अग्रवाल को गिरफ्तार किया गया। इन सभी पर फर्जी कंपनियां खोलकर धांधली करने का आरोप है। आरोप है कि उन्होंने इन कंपनियों के लिए जीएसटी नंबर लिए और ड्रग एजेंसी से लाइसेंस भी हासिल किए।

उन्नाव कांड : सीबीआई की याचिका पर सुनवाई आज

नई दिल्ली, एजेंसी

- कुलदीप सेंगर की सजा के निलंबन के खिलाफ जांच एजेंसी पहुंची थी सुप्रीम कोर्ट

शीर्ष कोर्ट सीबीआई की उस याचिका पर सोमवार को सुनवाई करेगा जिसमें भाजपा से निष्कासित कुलदीप सिंह सेंगर की उन्नाव दुष्कर्म मामले में आजीवन कारावास की सजा को निलंबित करने के दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी गई है।

सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति माहेश्वरी एवं ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की तीन सदस्यीय अवकाशकालीन पीठ इस मामले की सुनवाई करेगी। कोर्ट अधिवक्ता अंजले पटेल और पूजा शिल्पकार द्वारा दायर एक अलग याचिका पर भी सुनवाई करेगा जिसमें हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी गई है। सीबीआई ने अपनी याचिका में एलके आडवाणी मामले में शीर्ष कोर्ट के लोकसेवक फैसले का हवाला दिया है। एजेंसी ने कहा कि हाईकोर्ट ने यह कहकर गलती की कि अपराध के समय विधायक रहा सेंगर लोकसेवक नहीं था। यह ध्यान नहीं रखा कि संवैधानिक पद पर आसीन विधायक पर जनता का भरोसा होता है।

अरावली विवाद मामले में शीर्ष कोर्ट करेगी सुनवाई

नई दिल्ली। अरावली पहाड़ियों की परिभाषा को लेकर उठे विवाद के बीच उच्चतम न्यायालय ने इस मुद्दे पर स्वत: संज्ञान लिया है और वह सोमवार को मामले की सुनवाई करेगा। सीजेआई की अध्यक्षता वाली अवकाशकालीन पीठ इस मामले की सुनवाई करेगी। कोर्ट ने 20 नवंबर को अरावली पहाड़ियों और पर्वतमालाओं की एक समान परिभाषा को स्वीकार करते हुए, दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात में फैले अरावली क्षेत्रों में विशेषज्ञों की रिपोर्ट आने तक नए पट्टों के आवंटन पर रोक लगा दी थी।

बदलाव यूपी देश के अग्रणी निवेश गंतव्यों में शामिल, 12वें से दूसरे स्थान तक का तय किया सफर

ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में प्रदेश ने लगाई बड़ी छलांग

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- आवेदन निस्तारण दर 97 प्रतिशत से अधिक, 20 लाख से ज्यादा डिजिटल स्वीकृतियां

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश ने वर्ष 2025 में व्यापार में सुगमता के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां दर्ज की हैं। प्रशासनिक और डिजिटल सुधारों ने प्रदेश को निवेश के लिए भरोसेमंद राज्य के रूप में स्थापित किया। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के तहत वर्ष 2017-18 में जहां यूपी 12वें स्थान पर था, वहीं वर्ष 2019 में प्रदेश ने देश में दूसरा स्थान प्राप्त किया। वर्ष 2022 और 2024 में उत्तर प्रदेश को 'टॉप अचीवर' की श्रेणी में स्थान मिला।

साथ ही वर्ष 2022, 2023 और 2024 की लॉजिस्टिक्स रैंकिंग में भी राज्य को 'अचीवर्स' के रूप में मान्यता मिली। वर्ष 2021 के गुड गवर्नेंस इंडेक्स में वाणिज्य एवं उद्योग श्रेणी में प्रदेश शीर्ष पर रहा। दरअसल, योगी सरकार ने मिनिमम गवर्नमेंट, मैक्सिमम गवर्नेंस, के सिद्धांत पर चलते हुए व्यापार और निवेश प्रक्रियाओं को सरल बनाने पर विशेष जोर दिया। समग्र सुधारों, डिजिटल पहलों और निवेशक-अनुकूल नीतियों के चलते उत्तर प्रदेश ने ईज ऑफ डूइंग बिज़नेस में तेज प्रगति की। डिजिटल सिस्टम, पारदर्शी प्रक्रियाएं और बड़े पैमाने पर सुधारों ने प्रदेश को देश के सबसे निवेशक-अनुकूल राज्यों में शामिल कर दिया है। बिजनेस रिफार्म एक्शन प्लान-2024 के अंतर्गत उत्तर प्रदेश को उद्यम स्थापना, श्रम नियमों के सरलीकरण और भूमि प्रशासन जैसे तीन प्रमुख क्षेत्रों में 'टॉप अचीवर' घोषित किया गया। रिफार्म एक्शन प्लान के तहत 2024 के बाद सरकार ने 24 क्षेत्रों में 426 अहम सुधार किए। इनमें उद्यम स्थापना, निवेश सुविधा, भूमि सुधार, श्रम पंजीकरण, पर्यावरण अनुमति, सिंगल विंडो सिस्टम और निर्माण अनुमति जैसी प्रक्रियाएं शामिल हैं।

निवेश मित्र बना कारोबार का भरोसेमंद प्लेटफॉर्म

सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है डिजिटल सिंगल विंडो पोर्टल निवेश मित्र। इस पोर्टल के माध्यम से 45 विभागों की 525 से अधिक सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध कराई जा रही हैं। अब तक 20 लाख से अधिक स्वीकृतियां डिजिटल रूप से जारी की जा चुकी हैं और 97 प्रतिशत से अधिक आवेदनों का निस्तारण हो चुका है। पोर्टल के अनुसार 96 प्रतिशत से अधिक उपयोगकर्ता निवेश मित्र की सेवाओं से संतुष्ट हैं।

सरकार कर रही अगले संस्करण की तैयारी

सरकार निवेश मित्र के अगले संस्करण 'निवेश मित्र 3.0' की तैयारी कर रही है। यह पोर्टल राष्ट्रीय सिंगल विंडो सिस्टम के साथ एकीकृत होगा और एकीकृत शिकायत निस्तारण प्रणाली, निवेश सारथी, आनलाइन इंटीग्रेटेड मैनेजमेंट सिस्टम, इंडिया इंडस्ट्रियल लैंड बैंक और मुख्यमंत्री दर्पण जैसी प्रणालियों से जुड़ेगा। इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित स्मार्ट डैशबोर्ड, रियल-टाइम डेटा एनालिसि जैसी सुविधा होगी।

स्वास्थ्य सेवाओं में आया बड़ा बदलाव, आधुनिक जांच सुविधाएं बढ़ीं और जवाबदेही भी

पद्माकर पाण्डेय, लखनऊ

अमृत विचार : वर्ष 2025 उत्तर प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग के लिए बड़े सुधार, सख्त अनुशासन और आधुनिक सुविधाओं का साल रहा। प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं में बुनियादी ढांचे से लेकर जवाबदेही तक व्यापक परिवर्तन देखने को मिले। जनमानस को गुणवत्ता युक्त इलाज मुहैय्या कराने के लिए प्रदेश भर में आईसीयू, वेंटिलेटर, सीटी स्कैन, डायलिसिस, पैथोलॉजी और आधुनिक जांच सुविधाओं का तेजी से विस्तार हुआ। जिला अस्पतालों से लेकर सीएचसी और पीएचसी तक स्वास्थ्य इकाइयों को अपग्रेड किया गया।

हब एंड स्पोक मॉडल, स्टेमी और ब्रेन स्ट्रोक कार्यक्रम बने जीवन रक्षक : इमरजेंसी मेडिकल केयर के क्षेत्र में वर्ष 2025 उत्तर प्रदेश के लिए मील का पत्थर साबित हुआ। स्वास्थ्य विभाग द्वारा हब एंड स्पोक मॉडल पर शुरू किए गए हार्ट अटैक (स्टेमी) कार्यक्रम और ब्रेन स्ट्रोक कार्यक्रम प्रदेश की बड़ी उपलब्धियों में शामिल रहे। इन कार्यक्रमों के प्रारंभिक चरण में ही सैकड़ों मरीजों की जान बचाई गई, जबकि समय पर इलाज मिलने से अनेक मरीज स्थायी दिव्यांगता से भी सुरक्षित रहे। हार्ट अटैक और ब्रेन स्ट्रोक जैसे मामलों में गोल्डन ऑवर के भीतर उपचार सुनिश्चित कर मरीजों को जिला अस्पताल से उच्च चिकित्सा संस्थानों तक त्वरित रेफरल की व्यवस्था की गई। विशेषज्ञों के अनुसार, हब अस्पतालों को सुपर स्पेशियलिटी सुविधाओं से जोड़ा गया, जबकि स्पोक अस्पतालों में प्रारंभिक इलाज, जांच और स्थिरीकरण की व्यवस्था की गई, जिससे इमरजेंसी रिस्पॉन्स सिस्टम अधिक प्रभावी हुआ।

स्वास्थ्य विभाग की वार्षिकी-2025

प्रमुख उपलब्धियां

- प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में 3133 से अधिक आईसीयू बेड उपलब्ध
- प्रदेश के सभी जिलों में, जिला अस्पताल व मंडलीय अस्पताल में नि :शुल्क सीटी स्कैन जांच
- प्रदेश के 54 सरकारी अस्पतालों में बेरा जांच से मूक-बधिर दिव्यांगों को राहत
- विभिन्न जिलों की 185 सीएचसी में डेंटल चेयर की स्थापना
- 20 जिलों में सीसा विषाक्तता जांच परियोजना लागू
- 102/108 एंबुलेंस का रिस्पॉन्स टाइम घटकर देश में नंबर वन
- 2554 नई एंबुलेंस, विश्व का सबसे बड़ा सरकारी एंबुलेंस क्रय

निजी अस्पतालों में रियायती ओपीडी सुविधा

आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएम-जय) के क्रियान्वयन में 2025 में यूपी देश का पहला राज्य बन गया है, जहां आयुष्मान लाभार्थियों को निजी अस्पतालों में रियायती दरों पर ओपीडी परामर्श की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। गरीब एवं वंचित परिवारों को अस्पताल में भर्ती हुए बिना ही प्रारंभिक परामर्श और समय पर इलाज का लाभ मिल रहा है, जिससे गंभीर बीमारियों की पहचान पहले चरण में ही संभव हो पा रही है।

लापरवाही, अनुशासनहीनता व भ्रष्टाचार पर सख्ती

- बिना सूचना गैरहाजिर रहने वाले 50 से अधिकार डॉक्टर बर्खास्त या निलंबित
- रिश्वत, प्राइवेट प्रैक्टिस और लापरवाही पर जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत त्वरित कार्रवाई हुई
- मरीजों से दुर्व्यवहार और अवैध वसूली पर त्वरित कार्रवाई

नई व्यवस्थाएं

- ऑनलाइन पेशेंट फीडबैक सिस्टम
- पोस्टमार्टम अधिकतम 4 घंटे में पूरा करने की गाइडलाइन
- सभी अस्पतालों में फायर सेफ्टी मॉकड्रिल अनिवार्य
- 355 विशेषज्ञ डॉक्टरों की तैनाती (एनएचएम)
- नर्सों को नया सम्मानजनक पदनाम - नर्सिंग अधिकारी

अनुशासन और पारदर्शिता

- ड्यूटी से गैरहाजिर चिकित्सा शिक्षकों की बर्खास्तगी
- प्राइवेट प्रैक्टिस, भ्रष्टाचार और टेंडर अनियमितताओं पर कड़ी कार्रवाई
- गलत मरीज को ऑपरेशन टेबल पर लिटाने जैसे मामलों में तत्काल निलंबन

आयुष्मान योजनाओं में फर्जीवाड़े पर त्वरित कार्रवाई

आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना एवं मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत वर्ष 2025 में वित्तीय अनुशासन की भी सख्त मिसाल पेश की गई। जांच में सामने आया कि 39 अस्पतालों को 9 .94 करोड़ रुपये का गलत भुगतान ट्रांसफर हो गया था। लेकिन तत्काल कार्रवाई होने पर अस्पतालों से राशि की रिकवरी की गयी। इस मामले के बाद डेटा सिक्योरिटी प्रोटोकॉल को और मजबूत किया गया। भुगतान प्रणाली में अतिरिक्त जांच व निगरानी तंत्र लागू किया गया।

- 5 .21 करोड़ आयुष्मान कार्ड, 57 लाख से अधिक मरीजों का मुफ्त इलाज
- 22,000 आयुष्मान आरोग्य मंदिर, यूपी देश में अग्रणी
- योग दिवस पर 8 .27 लाख लोगों ने किया योग, यूपी नंबर वन

चिकित्सा शिक्षा में यूपी बना नया मॉडल

अमृत विचार, लखनऊ : चिकित्सा शिक्षा विभाग ने वर्ष 2025 में मेडिकल कॉलेजों की संख्या, सुपर स्पेशियलिटी सुविधाओं और शैक्षणिक अनुशासन में अभूतपूर्व प्रगति दर्ज की गई। एक ही वर्ष में सबसे अधिक मेडिकल कॉलेज खोलकर यूपी ने राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। प्रदेश में अब 81 मेडिकल कॉलेज संचालित हो रहे हैं। प्रदेश में 12800 एमबीबीएस और 4297 पीजी सीटों पर प्रवेश मिल रहे हैं। हालांकि शिक्षकों की कमी से निर्धारित मानक न पूरे होने की वजह से सरकारी मेडिकल कॉलेजों ने जुर्माना भी भरा, मगर गेस्ट शिक्षकों को नियुक्त कर न केवल मानक पूरे किए, बल्कि 5450 एमबीबीएस और 2,137 पीजी अभ्यर्थियों को शिक्षा भी प्रदान कर रहे हैं।

चिकित्सा शिक्षा विभाग की वार्षिकी- 2025

प्रमुख उपलब्धियां

- 65 मेडिकल कॉलेज पूर्ण क्षमता से संचालित
- एक वर्ष में 13 नए राजकीय व 3 पीपीपी मेडिकल कॉलेज
- 27 नए पैरामेडिकल कॉलेज
- मेडिकल कॉलेजों में आईसीयू, वेंटिलेटर, जांच और आधुनिक मशीनें
- केजीएमयू में बोन मैरो ट्रांसप्लांट यूनिट
- लोहिया संस्थान में गामा नाइफ मशीन (48 करोड़)
- रोबोटिक सर्जरी की शुरुआत
- मेडिकल कॉलेजों में 130 करोड़ से अधिक के आधुनिक उपकरण खरीदे गए
- मेडिकल कॉलेजों में मैनपावर और प्रशिक्षण में वृद्धि

सरकारी अस्पतालों में तैयार होंगे विशेषज्ञ चिकित्सक

सरकारी अस्पतालों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी दूर करने की दिशा में वर्ष 2025 में ऐतिहासिक पहल की नींव रखी गई। राज्य सरकार ने डीएनबी (डिप्लोमेट ऑफ नेशनल बोर्ड) पाठ्यक्रम के माध्यम से सरकारी अस्पतालों को प्रशिक्षण केंद्र के रूप में विकसित करने की प्रक्रिया शुरू की है। इसके तहत राज्य सरकार ने 10 वर्ष व 13 वर्ष का अनुभव रखने वाले डिप्लोमाधारी चिकित्सकों का विवरण सरकारी अस्पतालों के प्रशासन से मांगा है। अनुभवी चिकित्सकों की उपलब्धता के आधार पर नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन (एनबीई) द्वारा डीएनबी सीटों को स्वीकृति दी जाएगी। इस पहल से न केवल सरकारी अस्पतालों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की संख्या बढ़ेगी, बल्कि ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में भी उच्च स्तरीय इलाज उपलब्ध हो सकेगा। वर्तमान में प्रदेश के 39 सरकारी अस्पतालों में विभिन्न विषयों की 132 डीएनबी सीटें हैं, जिन पर अभ्यर्थी चिकित्सकों को प्रवेश मिल रहा है।

न्यूज ब्रीफ

बौद्ध सर्किट पहुंचे 61 लाख से अधिक पर्यटक

अमृत विचार, लखनऊ : यूपी का बौद्ध सर्किट अब प्रदेश ही नहीं, बल्कि वैश्विक बौद्ध पर्यटन का प्रमुख केंद्र बनकर उभर रहा है। पर्यटन विभाग की नीतियों और अंतरराष्ट्रीय प्रचार का असर वर्ष 2025 में स्पष्ट रूप से दिखाई दिया है। जनवरी से सितंबर 2025 के बीच भगवान बुद्ध से जुड़े प्रदेश के छह प्रमुख स्थलों पर 61 .15 लाख से अधिक पर्यटकों ने भ्रमण किया, जिनमें 2 .71 लाख विदेशी पर्यटक शामिल हैं। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने रविवार को जारी बयान में बताया कि वर्ष 2025 के अंत तक पर्यटकों की संख्या 64 लाख के पार जाने का अनुमान है। पर्यटन मंत्री बताया कि कौशांबी में जनवरी से सितंबर 2025 के दौरान 23 .19 लाख पर्यटक पहुंचे, जिनमें 2,884 विदेशी सैलानी शामिल रहे। इसी प्रकार महापरिनिर्वाण स्थली कुशीनगर में सर्वाधिक 18 .60 लाख पर्यटक पहुंचे, जिनमें 1 .88 लाख विदेशी थे। सारनाथ में 17 .75 लाख, कपिलवस्तु में 51,795, श्रावस्ती में 79,245 और संकिसा में 29,577 पर्यटकों का आगमन दर्ज किया गया।

फसल बीमा कराने की अंतिम तिथि 31

अमत विचार, लखनऊ : प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर तय की गई है। यह योजना किसानों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान कर रही है। रबी फसलों (गेहूं, जौ, चना, मटर, सरसो, मसूर, आलू आदि) के लिए बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर निर्धारित है। इसके लिए किसान pmfby .gov .in पर आवेदन कर सकते हैं या 14447 पर कॉल भी कर सकते हैं। बीमा योजना के माध्यम से दावों का डीबीटी के माध्यम से समय पर भुगतान भी किया जाता है। रबी फसलों के लिए किसानों को बीमा का सिर्फ डेढ़ प्रतिशत प्रीमियम देना होता है। शेष धनराशि का केंद्र-राज्य सरकार द्वारा भुगतान किया जाता है। रबी सीजन 2025-26 के लिए अब तक 15 .01 लाख से अधिक किसानों द्वारा 53 .23 लाख आवेदनों का बीमा किया जा चुका है।

थाना, सर्किल, पुलिस लाइन में हो बेहतर समन्वय, पुलिस का रहे दोस्ताना व्यवहार

यूपी के पुलिस अधिकारियों को अभिभावक की तरह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिए कई सुझाव

पुलिस हेडक्वार्टर में आयोजित सम्मेलन में संभल जिले के एसपी कृष्ण कुमार को सम्मानित करते मुख्यमंत्री योगी।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश के पुलिस जवानों को एक अभिभावक की तरह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कई सुझाव दिए। योगी ने थाना, सर्किल, पुलिस लाइन में भी बेहतर समन्वय पर जोर दिया। कहा कि घटना घटित होती है तो थाना इंचार्ज को जवाबदेह बनाते हैं। सर्किल की भूमिका और समन्वय में कितना योगदान दे रहा है, हमने कभी उस पर ध्यान नहीं दिया। उन्होंने सुझाव दिया कि अगर तीनों में बेहतर समन्वय बना लें तो सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने में यह बड़ा योगदान दे सकता है।

यह भी कहा कि पुलिस बल का दोस्ताना व्यवहार व संवेदना आमजन की समस्या का समाधान करती है और उनके मन में पुलिस के प्रति बेहतर धारणा भी बनाती है। बोले, हमने प्रयास किया कि राजनीतिक हस्तक्षेप न्यूनतम रहे। आपको कार्य करने की स्वतंत्रता दी गई है, ताकि आप परफॉर्म कर सकें। मुख्यमंत्री ने पुलिस कर्मियों के दायित्व पर भी चर्चा की। अब औसतन पुलिस अधिकारी न्यूनतम दो वर्ष तक जनपद-रेंज में सेवा देते हैं, पिछले आंकड़ों बताते हैं कि पहले एक महीने, तीन-चार महीने या कुछ ही दिन में स्थानांतरण हो जाता था। जब तक वह सामाजिक और भौगोलिक स्थिति को समझते, उससे पहले ही बाहर का रास्ता दिखा दिया जाता था। इससे अव्यवस्था पैदा होती थी, लेकिन अब स्थिरता दी गई।

मुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों से कहा कि मैं अलग-अलग तबके से बात करता हूं। अच्छे पुलिस अधिकारी का स्थानांतरण होता है तो आमजन सिफारिश करते हैं कि अच्छा अधिकारी था, लेकिन जब गलत व्यक्ति को हटाया जाता है तो पब्लिक हमें धन्यवाद देती है कि इस बला को टाल दिया। हम दोनों स्थितियों को फेस करते हैं और आमजन से कहते हैं कि अच्छे अधिकारी को दूसरी जगह भी काम करना चाहिए। अन्य जगहों पर भी अच्छाई का लाभ मिले। प्रयास करना चाहिए कि अपने आचरण और व्यवहार से उसे और सुदृढ़ करें।

मुख्यमंत्री उत्कृष्ट सेवा पुलिस पदक से सम्मानित

वर्ष 2022
- प्रभाकर चौधरी – डीआईजी- अलीगढ़ परिक्षेत्र
- विनय चंद्रा- अपर पुलिस अधीक्षक- अभिसूचना मुख्यालय
- रविंद्र प्रताप सिंह- निरीक्षक- मुरादाबाद
- दिनेश कुमार डांडियाल- निरीक्षक- अधिसूचना विभाग
- मनु चौधरी-निरीक्षक यूपीपीसीएल गाजियाबाद

वर्ष 2023
- शैलेश कुमार पांडेय-डीआईजी- आगरा परिक्षेत्र
- विशाल विक्रम सिंह- अपर पुलिस अधीक्षक- एसटीएफ
- विशाल संगारी- निरीक्षक- सीतापुर
- मनोज चिकारा- मुख्य आरक्षी- गौतमबुद्धनगर
- सुश्री शैलेष कुंतल- महिला आरक्षी

वर्ष 2024
- अनुराग आर्य-एसएसपी- बरेली
- विमल कुमार सिंह- पुलिस उपाधीक्षक- एसटीएफ
- अरुण कुमार- मुख्य आरक्षी- एसटीएफ

वर्ष 2025
- कृष्ण कुमार-पुलिस अधीक्षक संभल
- प्रेम शुक्ला-पुलिस उपाधीक्षक एसटीएफ
- प्रियांशी प्रजापति- महिला आरक्षी कमिश्नरेट आगरा

दी हिदायत, जनप्रतिनिधियों का फोन रिसीव करें

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को पुलिस हेडक्वार्टर में आयोजित सम्मेलन के समापन समारोह में पुलिस मंथन के अभिनव प्रयास के लिए डीजीपी व उनकी टीम को बधाई दी। इस कड़ी में उन्होंने संवाद पर जोर देते हुए कहा कि थानाध्यक्ष, हल्का दरोगा, सर्किल इंचार्ज, जिले के कप्तान, रेंज व जोन के अधिकारियों को भी अलग-अलग तबके के साथ संवाद स्थापित करना चाहिए। त्योहारों पर पीस कमेटी की बैठक बुलाते हैं, लेकिन अन्य अवसरों पर भूल जाते हैं। सीएम ने अधिकारियों से कहा कि कोई भी जनप्रतिनिधि गलत कार्य के लिए नहीं बोलता है। उन्हें वास्तविक स्थिति से अवगत कराएं, उनका फोन रिसीव करें।

जनता दर्शन से पता चलती जमीनी हकीकत : योगी

सीएम ने थाना प्रबंधन के सत्र का जिक्र करते हुए कहा कि यह हमारी नींव है। आमजन के प्रति हमारा व्यवहार केवल संवेदनशीलता को ही प्रदर्शित नहीं करता, बल्कि ह्यूमन इंटेलिजेंस का भी माध्यम बनता है। मेरे पास जो भी सूचना आती है, अधिकांश की हकीकत ह्यूमन इंटेलिजेंस से ही पता चलती है। जनता दर्शन में मैं इसलिए ही नियमित रूप से जाता हूं। फरियादी सिर्फ शिकायत नहीं करता, बल्कि उसके प्रार्थना पत्र और पीड़ा को देख जमीनी हकीकत का पता चलता है।

विभिन्न सत्रों में इन विषयों का किया गया प्रस्तुतिकरण

पुलिस मंथन कार्यक्रम के तहत सत्र 8 में आपदा प्रबंधन, सिविल डिफेंस एवं होम गार्ड्स, सत्र 9 में विशाल जनसमूह (भीड़) प्रबंधन, सत्र 10 में खुफिया तंत्र एवं उभरती चुनौतियां जैसे सोशल मीडिया/एनजीओ तथा नेपाल सीमा, सत्र 11 में आतंकवाद-रोधी, मादक पदार्थ, गो-तस्करी एवं अन्य संगठित अपराध आदि विषयों पर प्रस्तुतिकरण किया गया।

नियम विरुद्ध 37 करोड़ का भुगतान

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- अक्टूबर में 73 जिलों की 2006 ग्राम पंचायतों में मिली गड़बड़ी
- निदेशालय ने एडीओ और सचिवों पर दिए कार्रवाई के निर्देश

अमृत विचार : अक्टूबर में 73 जिलों की 2006 ग्राम पंचायतों पर करीब 37 करोड़ रुपये का भुगतान पुरानी व्यवस्था के तहत बाहर से कर दिया गया। निदेशक पंचायती राज अमित कुमार सिंह ने समीक्षा की तो गड़बड़ी पकड़ी गई। संबंधित जिला पंचायत राज अधिकारी को सचिव और एडीओ पंचायत के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

नई व्यवस्था के तहत ग्राम पंचायतों पर हुए कार्यों का भुगतान पंचायत भवन के कंप्यूटर पर गेटवे पोर्टल से करना है। यह पोर्टल बाहर किसी कंप्यूटर व लैपटॉप पर इंस्टाल नहीं होता है। इसके बाद भी 1 से 31 अक्टूबर तक 37 करोड़ रुपये का भुगतान पंचायत भवन की बजाय बाहर से बिना गेटवे पोर्टल से किया गया। निदेशालय पर समीक्षा हुई तो 73 जिलों की 2006 ग्राम पंचायतों पर बाहर से भुगतान करना पाया। जबकि दो वर्ष पहले बाहरी भुगतान की व्यवस्था खत्म की गई थी। सबसे अधिक भुगतान सहारनपुर ने 2.45 करोड़ रुपये किया है। जबकि बाराबंकी ने 2.17 करोड़, मथुरा 1.73 करोड़, कुशीनगर 1.73 करोड़, कानपुर नगर 1.43 करोड़, सीतापुर 1.39 करोड़, हरदोई 1.33 करोड़ व प्रयागराज में 1.21 करोड़ का नियम विरुद्ध भुगतान किया गया है।

जिंदा मरीज को मृत घोषित करने वाले तीन निलंबित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- जूनियर रेजिडेंट, स्टाफ नर्स और वार्ड आया पर गिरी गाज
- उप मुख्यमंत्री ने तीन सदस्यीय जांच कमेटी गठित की
- कमेटी को तीन दिन में पूरी करनी होगी जांच

अमृत विचार : कानपुर के गणेश शंकर विद्यार्थी मेमोरियल मेडिकल कॉलेज (जीएसवीएम) में जिंदा मरीज को मृत घोषित करने के मामले जूनियर डॉक्टर, स्टाफ नर्स और वार्ड आया को निलंबित कर दिया गया है। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के निर्देशानुसार हुई कार्रवाई अंतर्गत तीन सदस्यीय कमेटी गठित की गई है। कमेटी को तीन दिन में जांच पूरी करनी होगी।

जीएसवीएम में मेडिसिन विभाग के वार्ड नंबर-12 के बेड संख्या-43 पर मृत के स्थान पर जीवित मरीज का पुलिस इन्फॉर्मेशन (पीआई) भेजे जाने का प्रकरण सामने आया है। उप मुख्यमंत्री ने प्रकरण को गंभीरता से लिया और उन्होंने कॉलेज के प्रधानाचार्य को कार्रवाई के निर्देश दिए। प्रकरण की गंभीरता के मद्देनजर ड्यूटी पर तैनात जूनियर रेजिडेंट डॉ. हिमांशु मौर्या, नर्सिंग स्टाफ सनी सोनकर और वार्ड आया रहनुमा को निलंबित कर दिया गया है।

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने बताया कि प्रकरण की जांच के लिए तीन सदस्यीय जांच कमेटी गठित की गई है। कमेटी का अध्यक्ष जीएसवीएम की उप प्रधानाचार्य डॉ. ऋचा गिरि को नामित किया गया है। तीन दिन के भीतर कमेटी को जांच कर रिपोर्ट सौंपनी होगी। उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाएं संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है। इसे किसी भी दशा में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जिम्मेदारों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। भविष्य में घटनाओं पर अंकुश लगाने के भी निर्देश दिए गए हैं।

चिकित्सा | इंटरनेशनल जर्नल ऑफ माइक्रोबैक्टीरियोलॉजी में प्रकाशित हालिया अध्ययन में खुलासा

स्मीयर माइक्रोस्कोपी से छूट जाते हैं कई टीबी केस

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- संक्रमण की पहचान में ट्रूनैट की बेहतर संवेदनशीलता

अमृत विचार : ट्यूबरक्लोसिस (टीबी) के लिए सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाले डायग्नोस्टिक टेस्ट- स्मीयर माइक्रोस्कोपी की सीमित संवेदनशीलता के कारण बड़ी संख्या में टीबी के मामले बिना पता चले रह जाते हैं। इस बात का खुलासा ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एम्स), गोरखपुर द्वारा किए गए और इंटरनेशनल जर्नल ऑफ माइकोबैक्टीरियोलॉजी में प्रकाशित अध्ययन में हुआ है।

अध्ययन के अनुसार, 4,249 पल्मोनरी और एक्स्ट्रा-पल्मोनरी नमूनों के विश्लेषण से पता चला कि स्मीयर माइक्रोस्कोपी ने केवल 4.3 प्रतिशत मामलों में टीबी का पता लगाया। इसकी तुलना में, ट्रूनैट माइकोबैक्टीरियम टीबी-रिफैम्पिसिन (आरआईएफ) टेस्ट ने 13.7 प्रतिशत नमूनों में इन्फेक्शन की पहचान की, जो इसकी बेहतर संवेदनशीलता को दर्शाता है। चेस्ट रोग विशेषज्ञ डॉ. आशुतोष दुबे ने बताया कि स्मीयर माइक्रोस्कोपी सस्ती और आसानी से उपलब्ध है, लेकिन इसकी संवेदनशीलता सीमित है। ट्रूनैट, जो भारत में बना एक चिप-आधारित रियल-टाइम पीसीआर टेस्ट है और डब्लूएचओ द्वारा समर्थित है, टीबी का तेजी से पता लगा सकता है और रिफैम्पिसिन रेजिस्टेंस की पहचान कर सकता है, जो इस स्टडी में कन्फर्म मामलों में से 5.6 प्रतिशत में पाया गया था। उन्होंने कहा कि सही इलाज शुरू करने और आगे संक्रमण को रोकने के लिए दवा प्रतिरोध का शुरुआती पता लगाना बहुत जरूरी है। पारंपरिक माइक्रोस्कोपी को मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक्स के साथ मिलाने से टीबी नियंत्रण प्रयासों को काफी मजबूत किया जा सकता है।

टीबी कार्यक्रम खुद बीमार, जांच ठप

अमृत विचार : वर्ष 2025 तक टीबी उन्मूलन का दावा करने वाले स्वास्थ्य विभाग में टीबी संदिग्ध और पंजीकृत मरीजों की जांच तक नहीं हो पा रही है। करीब एक माह पहले सीबी-नॉट कार्ट्रिज खत्म हो जाने से राजधानी समेत अन्य जिलों की सभी मशीनें बंद पड़ी हैं। इसी तरह ट्रूनैट चिप उपलब्ध न होने के कारण ट्रूनैट मशीनें भी पूरी तरह ठप हैं। इतना ही नहीं, जांच केंद्रों पर लैब रजिस्टर, कल्चर रजिस्टर और डीएसटी (ड्रग सेंसिटिविटी टेस्ट) रजिस्टर जैसे मूलभूत अभिलेख तक उपलब्ध नहीं हैं।

> पारंपरिक माइक्रोस्कोपी को मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक्स के साथ मिलाने से टीबी नियंत्रण प्रयासों को काफी मजबूत किया जा सकता है, खासकर ग्रामीण और वंचित क्षेत्रों में। अगर भारत को टीबी खत्म करने का अपना लक्ष्य पूरा करना है तो ट्रूनेट जैसे टेस्ट को बढ़ाना जरूरी है।
>
> -डॉ .आशुतोष दुबे, वरिष्ठ चेस्ट रोग विशेषज्ञ, डॉ .श्यामा प्रसाद मुखर्जी (सिविल) अस्पताल, लखनऊ

स्थापना दिवस पर कांग्रेसियों ने ली शपथ

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में पत्रकारों से संवाद करते कांग्रेस महासचिव और प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय, साथ में प्रदेश अध्यक्ष अजय राय व अन्य। अमृत विचार

अमृत विचार: कांग्रेस पार्टी की स्थापना के 140 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव अविनाश पांडेय और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने महात्मा गांधी, पं.जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इसके बाद प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने पार्टी का झंडा फहराया और कांग्रेसजनों को स्थापना दिवस की शपथ दिलाई।

स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में आर्ट पिक्चर गैलरी की प्रदर्शनी लगाई गई, जिसमें स्वतंत्रता संग्राम से लेकर आजादी के बाद तक कांग्रेस अधिवेशनों, उनके निर्णयों, उद्देश्यों और बलिदान देने वाले महापुरुषों के चित्र प्रदर्शित किए गए।

इस अवसर पर अविनाश पांडेय ने किसान, मजदूर, युवा, महिला, दलित, पिछड़े और अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा में कांग्रेस की भूमिका को रेखांकित किया। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि प्रदेश से यह संदेश पूरे देश को जाएगा कि कांग्रेस कार्यकर्ता अब पूरी ताकत से खड़े हैं और वर्ष 2027 में कांग्रेस की सरकार बनेगी। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सचिव प्रदीप नरवाल, लेखक डॉ. अशोक पाण्डेय और चिंतक एचएल दुसाध ने भी अपने विचार रखे।

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.
•ICU •NICU DIALYSIS
• MODULAR OT
दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में
सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य
117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

जिला कमेटी को मिले अधिकार शिक्षकों की कर सकेंगे तैनाती

एकल शिक्षक या अध्यापक विहीन परिषदीय स्कूलों में दूर होगी दिक्कत

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

- डीएम की अध्यक्षता वाली समिति में सीडीओ, बीएसए व डायट प्राचार्य शामिल

अमृत विचार। जनपद में अब एक भी परिषदीय स्कूल शिक्षक विहीन या एकल अध्यापक का नहीं रहेगा। शासन ने यह कमी दूर करने के लिए जिले में अधिकार दे दिया है। डीएम की अध्यक्षता वाली चार अधिकारियों की कमेटी इस पर निर्णय लेगी।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संदीप कुमार ने बताया कि शासन ने यह अधिकार दे दिया है कि जो प्राथमिक, जूनियर या कंपोजिट स्कूल एक शिक्षक या शिक्षकविहीन संचालित हैं वहां अध्यापकों की तैनाती कर दी जाए। साथ ही जहां छात्र संख्या अधिक है और अध्यापक कम हैं वहां भी दिक्कतें दूर की जाएंगी। बीएसए ने बताया कि अध्यापकों की कमी के चलते परिषदीय स्कूल बंद नहीं होंगे। इसके लिए डीएम की अध्यक्षता में सीडीओ, डायट प्राचार्य व बीएसए की कमेटी बनाई गई है। यह अधिकारी अब छात्र हित में निर्णय ले सकेंगे। बताया गया है कि पूर्व में जो तीन समायोजन हुए हैं उसके बाद कई विद्यालयों में अध्यापकों की कमी हो गई। इसी दौरान शासन से आदेश आया कि कोई भी स्कूल एकल शिक्षक या शिक्षकविहीन नहीं रहेगा। इस वजह से समायोजन निरस्त कर अध्यापकों को वापस उसी स्कूल में भेजा जा रहा है। बीएसए ने बताया कि नए साल में शिक्षकों की कमी दूर हो सकेगी।

स्कूलों में खेलकूद के लिए तीन विकल्प

- **कन्नौज।** बीएसए संदीप कुमार ने बताया कि जिले में पीएमश्री योजना के 18 स्कूल संचालित हैं। इसमें खेलकूद किट के लिए 50-50 हजार रुपये का बजट भेजा गया है। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि सभी 18 विद्यालयों में छोटी खेलकिट नहीं होंगी। इनकी बजाय बॉस्केट वॉल, फुटबाल व बैडमिंटन की सुविधा दी जाएगी। साथ ही इसके लिए मानक के तहत सुविधा वाला मैदान तैयार किया जाएगा। बेसिक शिक्षा अधिकारी का तर्क है कि गांव के बच्चों में खेल स्पर्धा के प्रति निखार आएगा। तीनों खेल स्थानीय स्तर से राष्ट्रीय स्तर तक होते हैं।

'स्पोर्ट्स स्पेक्ट्रा 2025 शुरू, बच्चों ने दिखाया दम

छिबरामऊ। वीरेंद्र पब्लिक स्कूल में तीन दिवसीय वार्षिक खेलकूद समारोह 'स्पोर्ट्स स्पेक्ट्रा-2025' का भव्य शुभारंभ उत्साह और खेल भावना के साथ हुआ।

समारोह की शुरुआत मां सरस्वती पूजन से हुई, इसके बाद रिबन काटकर औपचारिक शुभारंभ किया गया। प्रधानाचार्य मोहम्मद आसिम मंसूर ने संबोधन में कहा कि खेल शिक्षा का अभिन्न अंग हैं। तीन दिनों में एथलेटिक्स, दौड़, कबड्डी, खो-खो, लंबी कूद आदि प्रतियोगिताएं होंगी।प्रथम दिवस में कक्षा 3 से 12 तक रिले रेस, टग ऑफ वॉर, स्टिक रेस तथा नन्हे बच्चों के लिए टर्टल रेस व हर्डल रेस आयोजित हुईं। कक्षा 9-12 रिले रेस (बालक): प्रथम श्रीओम यादव, द्वितीय आदित्य चौहान, तृतीय देव कुमार शर्मा। बालिका वर्ग: प्रथम कोमल पांडेय, द्वितीय अवंतिका त्रिपाठी, तृतीय सताक्षी दुबे विजयी रहीं। विजेताओं को पदक व प्रमाणपत्र दिए गए।

श्रद्धांजलि: बहुमुखी व्यक्तित्व के मालिक थे स्मरजित अग्निहोत्री

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

अमृत विचार। पत्रकारिता जगत को बरसों बरस आलोकित करने वाले पूर्व प्रधानाचार्य, वरिष्ठ नागरिक समिति के जिलाध्यक्ष और कान्यकुब्ज पत्रकार संघ के संरक्षक रहे स्मरजित अग्निहोत्री को पुण्यतिथि पर श्रद्धापूर्वक याद किया गया।

गत वर्ष 28 दिसंबर को अग्निहोत्री का सड़क दुर्घटना में दुखद निधन हो गया था। रविवार को एसबीएस इंटर कालेज में पुण्यतिथि स्मृति दिवस के रूप में मनाई गई। पत्रकारों के साथ ही शिक्षकों एवं वरिष्ठजनों ने दिवंगत आत्मा को याद कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर शिष्यों एवं पत्रकारों ने उनकी कार्य शैली को याद कर भावुक होते हुए निर्णय लिया कि सर्व समाज के लिए जीवन पर्यंत समर्पित रहने वाले महान व्यक्तित्व पर स्मारिका प्रकाशित की जाए। सभा की शुरुआत अग्निहोत्री के चित्र पर प्रधानाचार्य सुरेंद्र लाल व पूर्व प्रधानाचार्य एमसी पाल द्वारा माल्यार्पण के साथ हुई। दिनेश दुबे के संचालन मां हुई सभा में वरिष्ठ पत्रकार प्रकाश शर्मा, शकील अहमद सिद्दीकी, पुत्र ऋत्विक अग्निहोत्री एवं पुत्री पूजा के अलावा वरिष्ठ पत्रकार बृजेश चतुर्वेदी, इरा अवस्थी, अनुराग मिश्रा, सेवा निवृत्त प्राध्यापक श्याम बाबू राठौर, रोटरी क्लब के पूर्व अध्यक्ष उमाकांत शुक्ला, शिक्षक शिव सिंह कुशवाहा, लायंस क्लब के पूर्व अध्यक्ष राजेश शुक्ला ने पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद विचार रखे। इस अवसर पर पत्रकार कुशल मिश्र, प्रज्ञेष शर्मा, पूर्व प्रधानाचार्य आदेश नारायण सक्सेना, विष्णु शुक्ला सहित तमाम गणमान्य नागरिक भी मौजूद रहे।

स्मरजित अग्निहोत्री के चित्र पर माल्यार्पण करते एसबीएस इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य सुरेंद्र लाल व पूर्व प्रधानाचार्य एमसी पाल।

- प्रथम पुण्यतिथि पर याद किए गए वरिष्ठ पत्रकार व पूर्व प्रधानाचार्य
- एसबीएस इंटर कालेज में श्रद्धांजलि सभा में दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि

न्यूज ब्रीफ

शिविर में 411 मरीजों के नेत्र की हुई जांच

तिर्वा। श्रीमती रामदुलारी गहोई सरस्वती शिशु मंदिर, तिर्वा में रविवार को नि:शुल्क नेत्र शिविर का आयोजन हुआ। इसका शुभारंभ मुन्नालाल वर्मा ने दीप प्रज्वलित कर किया। शंकरा नेत्र चिकित्सालय कानपुर की टीम डॉ. पीनल, अनुष्का, रीता, संघप्रिय वर्मा, गौरव एवं सहयोगी दल ने कुल 411 मरीजों की नेत्र जांच की और 244 मरीजों को ऑपरेशन हेतु चयनित कर कानपुर भेजा। कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख व्यक्तियों में रमेश चंद्र गुप्ता, राजेंद्र गुप्ता, कुंवर शैलेंद्र प्रताप सिंह, ओमप्रकाश यादव, आसू गुप्ता, धर्मवीर यादव, अनिल श्रीवास्तव, शैलेश मनवसिया, सलामत उल्लाह तथा कार्यक्रम के मुख्य आयोजक अंशुल गुप्ता रहे।

तीन शातिर चोर माल समेत गिरफ्तार

छिबरामऊ। कोतवाली पुलिस ने तीन शातिर चोरों के माल समेत गिरफ्तार करने में सफलता पाई है। तीनों ने शहर में दिसंबर में ही दो अलग-अलग चोरी की घटनाएं कबूल की हैं। बता दें कि पहली घटना में 20 दिसंबर को ग्राम अदमापुर निवासी गौरव कुमार के निर्माणाधीन मकान से अज्ञात चोरों ने विद्युत मोटर के केबिल, तार, मशीनरी के नट-बोल्ट, ग्राइंडर आदि चोरी कर ली थी। दूसरी घटना 23 दिसंबर को मोहल्ला इब्राहिमगंज में हुई। यहां के निवासी विकास कुमार गुप्ता की दुकान से ताला तोड़कर सिलेंडर, दो बैटरी और 4560 रुपये चोरी की गई। दोनों मामलों में मामला पंजीकृत हुआ था। रविवार को मुखबिर की सूचना पर उपनिरीक्षक रावेंद्र सिंह, हेड कांस्टेबल सुखवीर सिंह आदि की टीम ने सराय गुजरमल रोड से तीनों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर घटना का खुलासा किया है। कोतवाल विष्णुकांत तिवारी ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से चोरी का एक गैस सिलेंडर, दो बैटरी, तांबे के तार, नट-बोल्ट तथा लगभग 2300 रुपये नकद बरामद किए गए है। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान शंकर उर्फ सोन चिरैया पुत्र रवि, शिव उर्फ खनुआ पुत्र पिंकू तथा वतन उर्फ अंश पुत्र लल्ला बाबू सभी निवासी ग्राम ककरैया थाना छिबरामऊ के रूप में हुई है।

हिन्दुओं पर अत्याचार के विरोध में पुतला फूंका

कन्नौज। बांग्लादेश में हो रहे हिन्दुओं पर अत्याचार का आरोप लगाकर हिन्दू युवा महासंगठन ने नारेबाजी की। साथ ही बांग्लादेश का पुतला बनाकर फूंका। रविवार को महासंगठन के जिलाध्यक्ष कुलदीप दुबे व नगर अध्यक्ष अभय ठाकुर के नेतृत्व में पदाधिकारी व कार्यकर्ता शहर के मकरंदनगर तिराहा पर एकत्र हुए। यहां बांग्लादेश का पुतला बनाया। नारेबाजी करते हुए पुतले को आग के हवाले कर दिया। इस मौके पर उपाध्यक्ष शरद मिश्र, पवन दुबे, अनुराग ठाकुर आदि मौजूद रहे।

शिविर में मरीजों के आंख की जांच करते चिकित्सक। अमृत विचार

नि:शुल्क शिविर में 173 का नेत्र परीक्षण, 75 का होगा ऑपरेशन

संवाददाता गुरसहायगंज

अमृत विचार। शंकरा आई हॉस्पिटल कानपुर के द्वारा नगर में नि:शुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर लगाया गया। इसमें 173 नेत्र रोगियों की आंखों की जांच की गई। इसमें 75 मरीजों को आपरेशन के लिए बस से कानपुर स्थित हॉस्पिटल भेजा गया। रविवार को राष्ट्रीय अंधता नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत मदन मोहन मालवीय इंटर कॉलेज में नि:शुल्क नेत्र शिविर लगाया गया। इसमें नगर सहित आसपास क्षेत्रों से आए मरीजों को डॉक्टरों की टीम ने देखा। इस दौरान डॉ. अथर आलम, डॉ. स्वामी, डॉ. अभय, डॉ. सुमित, डॉ. शरद पांडे, डॉ. गौरव जीएस, मो. नासिर सिद्दीकी, डॉ. फरहत शमशाद, आदि मौजूद रहे।

'मन की बात' का सामूहिक श्रवण

छिबरामऊ। जिला पंचायत अध्यक्ष प्रिया शाक्य ने ग्राम लक्षीराम नगला स्थित अपने कैम्प कार्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम के 129वें संस्करण का उत्साहपूर्वक सामूहिक श्रवण कराया।

इस अवसर पर पीएम मोदी ने देशवासियों से संवाद करते हुए कहा कि जनभागीदारी ही राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने सामाजिक एकता, स्वच्छता अभियान, पर्यावरण संरक्षण, आत्मनिर्भर भारत तथा युवाओं की सक्रिय भूमिका जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार व्यक्त किए और नागरिकों से इनका सक्रिय सहयोग करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीणों ने पीएम के संदेशों को गौर से सुना तथा उन्हें अपने दैनिक जीवन में उतारने का संकल्प लिया।

देश के लिए अटल जी का योगदान अविस्मरणीय : रजनी

संवाददाता तिर्वा

अमृत विचार। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेई की जन्मशताब्दी के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में जिले की प्रभारी मंत्री ने अटल के देश के लिए किए योगदान को अविस्मरणीय बताया। इस मौके पर विधायक तिर्वा ने स्टेडियम का नामकरण पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के नाम पर करने का प्रस्ताव रखा।

रविवार को इंदरगढ़ में एक गेस्ट हाउस में पूर्व प्रधानमंत्री की जन्म स्मृति में विधान सभा स्तरीय सम्मेलन आयोजित किया गया। इसमें प्रदेश सरकार में मंत्री व जिले की प्रभारी रजनी तिवारी ने कहा कि देश अटल जी के योगदान को कभी भुला नहीं सकता है। वे राष्ट्र के लिए समर्पित, शानदार विदेश नीति के पुरोधा थे। उनके कुशल नेतृत्व में भाजपा ने पहली बार केंद्र में सरकार बना कर परचम लहराया था। विधायक कैलाश राजपूत ने अपने संबोधन में कहा कि अटल जी हमारे प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने जिले में बने स्टेडियम का नाम बाबू कल्याण सिंह के नाम पर रखने का प्रस्ताव रखा।

सम्मेलन में पूर्व सांसद सुब्रत पाठक ने एस आई आर को लेकर जागरूक किया। जिलाध्यक्ष वीर सिंह भदौरिया, ब्लॉक प्रमुख अजय वर्मा, शैलेंद्र द्विवेदी, चेयरमैन प्रतिनिधि सौरभ गुप्ता, मिथलेश बाथम सहित अन्य लोगों ने भी प्रभारी मंत्री का फूलमाला तथा बुके देकर स्वागत किया। कार्यक्रम की संचालन जिला उपाध्यक्ष श्यामू राजपूत ने किया।

स्मृति सम्मेलन में मौजूद महिलाएं तथा संबोधित करतीं प्रभारी मंत्री रजनी तिवारी। अमृत विचार

- अटल स्मृति सम्मेलन में बोलीं, विधायक ने स्टेडियम का नाम बाबू कल्याण सिंह पर करने का रखा प्रस्ताव

मनरेगा से गांधी का नाम हटाकर सरकार कर रही बापू का अपमान

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

अमृत विचार। कांग्रेस पार्टी के स्थापना दिवस पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों ने वरिष्ठजनों का सम्मान किया। कहा, मौजूदा केंद्र सरकार महात्मा गांधी का नाम मनरेगा से हटाकर बापू का अपमान कर रही है।

स्थापना दिवस की वजह से रविवार को शहर निवासी साहित्यकार व कवि डॉ. जीवन शुक्ल को कांग्रेस के पूर्व सचिव विजय मिश्र, पूर्व जिलाध्यक्ष दिनेश पालीवाल ने माल्यार्पण कर शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। पूर्व सचिव ने कहा कि कांग्रेस की स्थापना सत्ता के लिए नहीं बल्कि संघर्ष से लोगों की मदद करने के लिए हुई है। पार्टी का एक गौरवशाली इतिहास रहा है। कांग्रेस के कई क्रांतिकारियों ने देश को आजादी दिलाने के लिए अपने प्राण तक न्योछावर कर दिए। पार्टी ने सदैव समाज के शोषित, वंचित व श्रमिकों के लिए कार्य किया और करेगी। केंद्र एवं प्रदेश में सरकार रहते हुए जमीनी स्तर पर बहुत सारी योजनाओं को चलाया जिससे हर वर्ग के लोगों को लाभ दिलाने का कार्य किया। पूर्व जिलाध्यक्ष ने कहा कि पार्टी के नेताओं में त्याग, समर्पण की भावना होती थी। वर्तमान की राजनीति में इसका अभाव देखने को मिलता है। इस अवसर पर कन्नौज बार एसोशिएशन के पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र बाबू द्विवेदी, रमाशंकर राठौर, प्रभात बाथम, नीलेश शाक्य, विनय कुमार, दिलीप कुमार उपस्थित रहे। दूसरी ओर पूर्व जिलाध्यक्ष ऊषा दुबे का भी माल्यार्पण एवं शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।

शहर के मकरंदनगर में पूर्व जिलाध्यक्ष ऊषा दुबे का सम्मान करने के बाद मौजूद पूर्व सचिव विजय मिश्र, पूर्व जिलाध्यक्ष दिनेश पालीवाल व अन्य लोग। अमृत विचार

जाको राखे साईयां मार सके न कोय..

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। जाको राखे साईयां मार सके न कोय, ये कहावत उस वक्त सच साबित हुई जब एक यात्री ट्रेन से उतरते समय प्लेटफार्म के बजाए नीचे ट्रैक में चला गया । यात्रियों ने शोर मचाया और किसी ने चेन पुलिंग कर दी। वहां ड्यूटी पर तैनात आरपीएफ ने यात्री को सुरक्षित बाहर निकाल लिया जिससे उसकी जान बच गई।

कानपुर सेंट्रल स्टेशन आरपीएफ पोस्ट के प्रभारी एसएन पाटीदार ने बताया कि गाड़ी संख्या 12107 मुंबई सुपरफास्ट एक्सप्रेस के साधारण कोच से कानपुर सेंट्रल स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 6 पर उतरते समय यात्री प्लेटफार्म पर पैर रखने की कोशिश की लेकिन ट्रैक पर नीचे चला गया। घटना होते ही किसी यात्री ने ट्रेन में चेनपुलिंग कर दी। तुरंत मौके पर पहुंचे आरपीएफ कांस्टेबिल रामाधार ने घटना की जानकारी पोस्ट को दी तो घटना की जानकारी स्टेशन अधीक्षक को दी गई। मौके पर पहुंचे रेलवे से टैग मधुराज हॉस्पिटल के डॉ. रितेश ने मरीज को अटेंड किया और उसे हैलट के लिए रेफर किया। यात्री ने अपना नाम मोहम्मद आसिफ निवासी कुसुमखेर जिला कन्नौज बताया। जानकारी पर परिजन हैलट हॉस्पिटल पहुंचे।

हैलट अस्पताल में घायल यात्री के साथ परिवार का सदस्य। अमृत विचार

रेलवे स्टेशन पर पैदल गश्त करते जिलाधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री, एसपी विनोद कुमार, अपर जिलाधिकारी देवेंद्र सिंह व अन्य। अमृत विचार

शांति से मने नववर्ष, गश्त को निकले आलाधिकारी

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

अमृत विचार। नववर्ष 2026 के आगमन में बस दो दिन ही शेष हैं। इस क्रम में जिले में होने वाले स्वागत कार्यक्रमों के दौरान कहीं कोई अराजकता न हो इसको लेकर जिला व पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड पर आ गया है।

आगामी नव वर्ष को शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से रविवार को जिलाधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री एवं पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार ने थाना कोतवाली कन्नौज क्षेत्रांतर्गत सघन पैदल गश्त की। इस दौरान कन्नौज रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और शहर के प्रमुख बाजारों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। अधिकारियों को निर्देशित किया कि भीड़भाड़ वाले स्थानों पर निरंतर गश्त की जाए और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जाए।

एंबुलेंस सेवा आपातकालीन एवं प्रसूति सेवाओं की रीढ़

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

अमृत विचार। 108/102 एंबुलेंस सेवा के अंतर्गत एंबुलेंस पायलटों के लिए जिले में चल रही रिफ्रेशर ट्रेनिंग का मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. स्वदेश गुप्ता ने औचक निरीक्षण किया। इस दौरान कहा कि एंबुलेंस सेवा आपातकालीन एवं प्रसूति सेवाओं की रीढ़ है। इस सेवा से जुड़े पायलटों की दक्षता सीधे तौर पर मरीजों की जान से जुड़ी होती है।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्रशिक्षण सत्रों की व्यवस्थाओं, प्रशिक्षण की गुणवत्ता, उपस्थिति रजिस्टर तथा पायलटों के तकनीकी एवं व्यवहारिक ज्ञान की विस्तार से समीक्षा की। गोल्डन आवर के महत्व पर जोर देते हुए यह भी कहा कि दुर्घटना, गंभीर बीमारी या प्रसव के मामलों में समय पर पहुंचना और सुरक्षित परिवहन सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। पायलटों को आपातकालीन स्थिति में त्वरित रिस्पॉन्स टाइम, सुरक्षित व संतुलित ड्राइविंग, रूट प्लानिंग, टीमवर्क तथा ईएमटी के साथ बेहतर समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए। एंबुलेंस में उपलब्ध जीवन रक्षक उपकरणों के सही उपयोग एवं रखरखाव पर भी विशेष ध्यान देने को कहा।

कानपुर जोनल वर्कशॉप मैनेजर मासूम नकवी ने एंबुलेंस के रखरखाव, सफाई और सुरक्षित ड्राइविंग के लिए सुझाव दिए, और खराब मौसम में जैसे बारिश, कोहरा में सड़क पर दृश्यता कम हो जाने पर सुरक्षित ड्राइविंग में जोर दिया। इस अवसर पर जिला प्रोग्राम मैनेजर विकास पटेल, जिला प्रभारी रुपेश तिवारी, 108/102 एंबुलेंस पायलट उपस्थित रहे।

खेल के मैदान से भयंकर सर्दी में भी खिलाड़ियों में दिखा जबरदस्त उत्साह , जूनियर महिला 57 किलोग्राम भार वर्ग में संजना विजेता एवं गरिमा उपविजेता

जूनियर जैवेलिन थ्रो में प्रशांत, सीनियर शॉटपुट में गुड़िया प्रथम

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

अमृत विचार। शहर के बोर्डिंग ग्राउंड पर युवा कल्याण विभाग की ओर से चल रहे विधायक खेल स्पर्धा का दूसरे दिन समापन हो गया। भयंकर सर्दी के बाद भी खिलाड़ियों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। रविवार को सीनियर महिला वॉलीबॉल में युवा फिजिकल अकादमी विजेता रही, रामपुर मुडेरी की टीम उपविजेता रही। जूनियर जैवेलिन थ्रो प्रतियोगिता में प्रशांत ने प्रथम, ध्रुव सक्सेना ने द्वितीय तथा प्रफुल्ल पांडे ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

सब जूनियर एवं जूनियर महिला टीम वॉलीबॉल प्रतियोगिता में कन्नौज पब्लिक स्कूल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि युवा फिजिकल अकादमी उपविजेता रही। सीनियर शॉट पुट में गुड़िया प्रथम, एलीना द्वितीय तथा अंशी तृतीय स्थान पर रहीं। सीनियर वर्ग कुश्ती में नारायण दीक्षित ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। 65 किलोग्राम भार वर्ग में श्याम विजेता रहे और विनय ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। जूडो प्रतियोगिता रोमांचक रही, जिसमें महिला एवं पुरुष वर्ग के तहत सब जूनियर, जूनियर एवं सीनियर वर्गों के इवेंट हुए। सब जूनियर 35 किलोग्राम भार वर्ग में विक्रांत दुबे प्रथम रहे। 50 किलोग्राम भार वर्ग में श्याम प्रथम तथा रजत द्वितीय स्थान पर रहे। जूनियर महिला 57 किलोग्राम भार वर्ग में संजना विजेता एवं गरिमा उपविजेता रहीं। सब जूनियर 40 किलोग्राम भार वर्ग में समृद्धि विजेता तथा अनामिका उपविजेता रहीं। सीनियर वर्ग में सोनम विजेता रहीं। विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को प्रमाण पत्र, मेडल एवं ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। निर्णायक मंडल में व्यायाम शिक्षक चंद्रभान यादव, ओमशंकर त्रिवेदी, रजनीश कन्नौजिया, शिवम सिंह एवं हेमंत कटियार रहे। क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी आकाश सिंह व कार्यक्रम प्रभारी सौरभ यादव ने सभी का आभार व्यक्त किया। सुरक्षा व्यवस्था में पीआरडी जवान अखिलेश, रामसिंह व अजीत रहे। चिकित्सा टीम में पुन्नू शामिल रहे।

शहर के बोर्डिंग ग्राउंड पर प्रमाण पत्र व मेडल पाकर खुशी जताते खिलाड़ी। अमृत विचार

जूडो प्रतियोगिता में शामिल प्रतिभागी। अमृत विचार

अमृत विचार
कानपुर, सोमवार, 29 दिसंबर 2025
कन्नौज-फर्रुखाबाद

न्यूज ब्रीफ

गायब छात्रा 11 दिन बाद खुद थाने पहुंची

फर्रुखाबाद। सहेली के साथ ग्वालियर गई छात्रा योजना राजपूत रविवार को थाना कमालगंज पहुंची। कमालगंज थाने के ग्राम बहादुरपुर निवासी राहुल पुत्र रामनरेश ने 18 दिसंबर को अपनी बहन योजना राजपूत की गुमशुदगी की दर्ज कराई थी। राहुल ने पुलिस को अवगत कराया था कि बहन योजना राजपूत उम्र करीब 21 वर्ष जो 17 दिसंबर को सुबह करीब 11 बजे रामकृष्ण महाविद्यालय रानूखेड़ा की बोलकर घर से गयी थी। तब से बहन योजना राजपूत का पता नहीं चला। काफी खोजबीन की लेकिन ढूंढने में असफल रहा। गुमशुदगी की जांच उपनिरीक्षक भूपेन्द्र सिंह द्वारा की जा रही थी। इस सम्बन्ध में पुलिस अधीक्षक के प्रवक्ता ने मीडिया को अवगत कराया है कि थाना कमालगंज पर दर्ज गुमशुदगी से सम्बन्धित, गुमशुदा छात्रा आज स्वयं थाना कमालगंज आई। पूछताछ के दौरान उसने बताया कि वह 17 दिसम्बर को अपने कॉलेज गई थी, जहां से वह अपनी सहेली के साथ अपनी इच्छा से ग्वालियर चली गई थी। उसने आज थाने पहुंच कर स्वेच्छा से अपना बयान दर्ज कराया।

आग तापते समय महिला झुलसी

फर्रुखाबाद। कम्पिल थाना क्षेत्र के दीनपुर नगरिया गांव में रविवार को एक महिला गंभीर रूप से झुलस गई। 22 वर्षीय मुस्कान, जो नरदीप की पत्नी हैं, को परिजनों ने एंबुलेंस की मदद से कायमगंज स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया।

महिला के पति नरदीप ने बताया कि उनके दो छोटे बच्चे हैं। घटना के समय एक बच्चा उसकी बहन के पास था, जबकि दूसरा बच्चा अपनी मां मुस्कान के साथ आग ताप रहा था। अचानक बच्चा आग के करीब जाने लगा। बच्चे को आग से बचाने के प्रयास में मुस्कान खुद आग की चपेट में आ गईं और गंभीर रूप से झुलस गईं।

नेत्र शिविर में 90 रोगियों का परीक्षण

फर्रुखाबाद। जय भोले बाबा कमेटी एवं वैष्णव धर्म महिला स्वयं सहायता समूह के संयुक्त तत्वावधान में कानपुर के रामा चिकित्सालय के सहयोग से नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन तलैया फजल इमाम स्थित दुर्गा प्रसाद बद्री प्रसाद उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में किया गया। शिविर में कानपुर से आए चिकित्सकों व सहयोगियों ने कुल 90 मरीजों का परीक्षण किया। इस दौरान 11 मरीजों को ऑपरेशन के लिए रिकमेंड किया गया जिन्हें कानपुर ले जाकर उनके नेत्रों का ऑपरेशन नि:शुल्क किया जाएगा। रामा हॉस्पिटल कानपुर से आए डॉक्टर रामगोपाल शर्मा, डॉक्टर प्रबल गुप्ता व सहयोगी नन्हे शर्मा ने मरीजों का परीक्षण किया। सुबह 11:00 बजे से दोपहर बाद 2:00 बजे तक मरीजों का परीक्षण किया गया। इसके बाद जिन मरीजों को ऑपरेशन के लिए चयनित किया गया उन्हें कानपुर ले जाया गया जहां उनका ऑपरेशन हुआ। फिर मोतियाबिंद लैंस प्रत्यारोपण बच्चों का मोतियाबिंद व भैंगापन परीक्षण किया गया।

नेकी की दीवार का हुआ आयोजन

फर्रुखाबाद। साहस इंडिया ग्रुप द्वारा कृष्णा पैलेस, डीडी सिनेमा में नेकी की दीवार का आयोजन किया गया जिसका शुभारंभ मुख्य अतिथि जिलाधिकारी आशुतोष द्विवेदी, अपर जिलाधिकारी, मेजर एसडी सिंह यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर रंगनाथ मिश्रा, ब्रह्माकुमारी से शोभा दीदी तथा एनएकेपी डिग्री कॉलेज की प्रधानाचार्य शशि किरण सिंह के द्वारा भारत माता के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलन कर किया गया जिसमें सरस्वती बालिका विद्या मंदिर सेनापति की बालिकाओं ने वंदे मातरम गीत का गायन किया।

आरोग्य स्वास्थ्य मेलों में देखे 1983 मरीज

कन्नौज। जनपद के समस्त 33 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं 03 नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर रविवार को मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेले का सफल आयोजन किया गया। इनमें कुल 1983 मरीज देखकर जांच आदि के साथ दवाएं दी गईं। नोडल अधिकारी मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेला डा. जितेन्द्र कुमार, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी सहित समस्त अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारियों ने प्राथमिक एवं नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार की सुविधा प्रदान की गई। कई लोग मौजूद रहे।

ट्रांसफार्मर से तेल-कॉपर हुआ चोरी समधन में दिन भर गुल रही बिजली

समधन नगर में चबूतरे से उतारकर घटना को दिया अंजाम, लग रहे परेशान

संवाददाता गुरसहायगंज

अमृत विचार। चोरों ने एक ट्रांसफार्मर से तेल और कॉपर क्वायल चोरी कर ली। इससे दो मोहल्लो में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। इसके बाद रविवार को दिन भर बिजली गुल रही जिससे लोगों को दिक्कत का सामना करना पड़ा।

शनिवार को देर रात चोरों ने समधन ठाकुरद्वारा के पास गुरसहायगंज-फर्रुखाबाद मुख्य सड़क किनारे रखा 250 केवीए का ट्रांसफार्मर चबूतरे से उतार लिया। इसके बाद तेल और कॉपर पार कर दिया। इससे मोहल्ला सौरखी तरफ व लोहिया नगर में पहुंचने वाली बिजली आपूर्ति ठप हो गई। रविवार सुबह जब लोगों ने ट्रांसफार्मर को नीचे पड़ा देखा तो इसकी सूचना विभाग को दी गई। जानकारी पर लाइनमैन सनोज कुमार और सोनू कुमार मौके पर पहुंचे। उन्होंने

चोरी के बाद नीचे पड़ा ट्रांसफार्मर का खाली बॉक्स देखते स्थानीय लोग।

घटना की जानकारी विभाग के उच्च अधिकारियों को दी। ट्रांसफार्मर से चोरी होने से समधन नगर में पूरे दिन बिजली आपूर्ति बाधित रही जिससे लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। देर शाम तार जोड़कर आपूर्ति बहाल की जा सकी।

आसपास क्षेत्र में किसानों के ट्यूबवेलों पर लगे बिजली ट्रांसफार्मर चोरी होने का भी खतरा बन गया है। तमाम किसानों का कहना है कि जब गांव में ट्रांसफार्मर की चोरी होने लगी है तो हम लोग ट्यूबवेलों के ट्रांसफार्मर कैसे सुरक्षित रख पायेंगे।

बकाये में दो गांवों की काट दी बिजली

- **कन्नौज।** बकायेदारी के चलते अमोलर विद्युत उपकेंद्र से जुड़े दो गांवों मझैया और ककराह की बिजली आपूर्ति काट दी गईबताया गया कि मझैया में 100 और ककराह गांव में 40 लोगों पर लाखों रुपये का बिजली बिल बकाया है। मौजूदा समय में चल रही बिजली बिल राहत योजना के तहत कैंप लगाने के दौरान सभी को नोटिस जारी किया गया था। इसके बाद भी बकाया बिल जमा नहीं किया गया। इस पर विभागीय अधिकारियों की टीम ने दोनों गांवों के ट्रांसफार्मरों और खंभों से जाने वाली लाइनों की बिजली काट दी। एसडीओ अगस्त्य मौर्या ने कहा कि नोटिस देने के बाद भी बकायेदार उपभोक्ता बिल जमा नहीं कर रहे थे, जिसके कारण बिजली काटनी पड़ी है। इस मौके पर कई लोग मौजूद रहे।

किसान आयोग के गठन की उठी मांग, समस्याओं पर बनी रणनीति

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

अमृत विचार। किसानों की आवाज को मजबूती से उठाने और उनकी समस्याओं का स्थायी समाधान निकालने के लिए किसान आयोग का गठन आवश्यक है। आयोग का मुख्य उद्देश्य किसानों की समस्याओं को सरकार तक पहुंचाना, नीतिगत सुझाव देना और ज़मीनी स्तर पर किसानों को न्याय दिलाना होगा।

रविवार को तहसील सदर क्षेत्र के गांव मिरगावां के निकट गढ़िया कछपुरा स्थित उच्च प्राथमिक स्कूल में बैठक में कृषकों से जुड़े ज्वलंत मुद्दों पर ठोस रणनीति तैयार की गई। छत्रपति शिवाजी सेना के संस्थापक सदस्य बाबा राधेश्याम पटेल ने कहा कि आयोग के जरिए फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) सुनिश्चित किया जाए। किसानों को समय पर खाद, बीज और बिजली मिले। सिंचाई सुविधाओं का विस्तार, किसानों के कर्ज और बीमा से जुड़े मुद्दों का समाधान हो सके। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदा में मुआवजे

यूपीएस गढ़िया कछपुरा में बैठक करते छत्रपति शिवाजी सेना के पदाधिकारी व किसान।

- **बोले पदाधिकारी, समय पर खाद, बीज और बिजली दी जाए**
- **कहा, ये किसानों के हक व सम्मान की लड़ाई की शुरुआत है**

की पारदर्शी व्यवस्था बने। युवाओं को कृषि से जोड़ने के लिए नई योजनाएं शुरू की जाएं। बैठक में निर्णय लिया गया कि जल्द ही गांव-गांव जाकर किसानों से सीधा संवाद किया जाएगा, ताकि उनकी वास्तविक समस्याओं को समझकर आयोग के एजेंडे में शामिल करने का सुझाव दिया जाए। संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि यह केवल एक बैठक नहीं, बल्कि किसानों के हक और सम्मान की लड़ाई की शुरुआत है। सदस्यों ने एकजुट होकर किसान आयोग को मजबूत बनाने और किसानों के अधिकारों के लिए निरंतर संघर्ष करने का संकल्प लिया। इस मौके पर पूर्व जिलाध्यक्ष सत्यम पटेल, राम बाबू ब्लॉक उपाध्यक्ष जलालाबाद, प्रांजुल कटियार जिला उपाध्यक्ष, सौरभ कनौजिया नगर संयोजक गुरसहायगंज, पुष्पेंद्र कटियार विधि मंच जिला अध्यक्ष, डोरी लाल, साहिल कटियार, रितिक कटियार, श्रवण कुमार, घनश्याम, प्रधान राजकुमार चंदू, प्रीतम, ब्रजकुमार, महिपाल आदि लोग मौजूद रहे।

बिना पंजीकरण वाले होटल होंगे सील

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

अमृत विचार। बिना पंजीकरण कराए चलने वाले गेस्ट हाउ, होटल या मैरिज लॉन को सील करने की कार्रवाई की जाएगी। यह निर्देश अपर जिलाधिकारी देवेंद्र सिंह ने इकाइयों के निरीक्षण के दौरान दिए।

अपर जिलाधिकारी ने सराय अधिनियम 1867 के अंतर्गत बगैर पंजीकरण कराए तहसील छिबरामऊ में संचालित कई होटल/गेस्ट हाउस/मैरिज हॉल का आकस्मिक जांच की। जिन इकाइयों को नोटिस निर्गत किया गया था तथा उनकी शिकायत भी प्राप्त हो रही कि अब तक सराय एक्ट में पंजीकरण नहीं कराया गया है। ऐसी इकाइयों के विरुद्ध सराय एक्ट के तहत कठोर कार्रवाई के निर्देश जिला पर्यटन अधिकारी को दिए। साथ ही पूर्व में कई नोटिस जारी होने के बावजूद भी जिन इकाइयों के पंजीकरण की पत्रावली अब-तक उपलब्ध नहीं कराई गई है के विरुद्ध अर्थ दंड अथवा सील करने की कार्रवाई को भी कहा। बताया कि नवनिर्मित एवं हाल ही में संचालित इकाइयों को एक सप्ताह का समय दिया गया है। उसके पश्चात पूरे जनपद में संचालित इकाइयों की भी जांच कर सराय एक्ट के अन्तर्गत विधिक कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। हिदायत दी कि होटल/गेस्ट हाउस आदि में फायर के उपकरण लगे होने तथा खाद्य सुरक्षा विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी होने एवं अन्य आवश्यक अभिलेखों के उपलब्धता के ही दशा में पंजीकरण किया जाए। इस दौरान जिला पर्यटन अधिकारी डॉ.एम. मकबूल उपस्थित रहे।

कांग्रेस के 140 वें स्थापना दिवस पर मनरेगा नाम परिवर्तन का विरोध

संवाददाता,छिबरामऊ

अमृत विचार। पुराना सौरिख बस स्टॉप स्थित कांग्रेस कार्यालय में कांग्रेस का 140वां स्थापना दिवस एक दूसरे को मिठाई खिलाकर धूमधाम से मनाया गया।

इस अवसर पर अखिल भारतीय जन आंदोलन फ्रंट (कांग्रेस) के प्रदेश महासचिव विनोद कुमार दुबे ने कहा कि कांग्रेस भारत की आजादी और लोकतंत्र की रक्षा करने वाली पार्टी है, जो हमेशा गरीबों और किसानों के हितों की पहरेदार बनी रहेगी। उन्होंने मनरेगा का नाम बदलने पर भाजपा सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा, भाजपा इसे 'रोजगार सृजन योजना' कहकर कमजोर करना चाहती है, ताकि कॉरपोरेट्स को फायदा हो और गरीब भूखे मरें। हम इस कदम

स्थापना दिवस पर एक दूसरे को मिठाई खिलाते कांग्रेसी नेता। अमृत विचार

- **पुराना सौरिख बस स्टॉप स्थित कांग्रेस कार्यालय में आयोजन**
- **कांग्रेस को लोकतंत्र की रक्षा करने वाली पार्टी बताया**

का पुरजोर विरोध करेंगे और जन आंदोलन खड़ा करेंगे। इस दौरान अजय कुमार दुबे, आसाराम यादव, राजीव अग्निहोत्री, प्रिया श्रीवास्तव, अर्चना राठौर, देवकीनंदन दुबे मुन्ना, संजीव दीक्षित, भैया लाल दुबे, राजेश कुमार, सुरेश तोमर एवं मुकेश पांडेय आदि मौजूद रहे।

नो हेलमेट नो पेट्रोल अभियान में 53 वाहनों के चालान काटे

संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी एवं पुलिस अधीक्षक आरती सिंह के निर्देशन में एआरटीओ प्रवर्तन सुभाष राजपूत, क्षेत्राधिकारी यातायात अभय वर्मा तथा यातायात प्रभारी सत्येंद्र कुमार द्वारा नगर के पेट्रोल पंप पर बिना हेलमेट पेट्रोल लेने आने वाले वाहनों की सघन चेकिंग की गई। अभियान के दौरान 53 वाहनों के चालान काटे गए।

रामशरण अग्रवाल फिलिंग स्टेशन पर चेकिंग कार्यवाही की गई तथा टीम ने यह भी पाया इस पंप पर नो हेलमेट नो पेट्रोल का बोर्ड नहीं लगा था। इसके बाद टीम द्वारा कोशली इंडियन ऑयल पंप पर औचक निरीक्षण किया गया वहां भी दो पहिया वाहन बिना हेलमेट लगाए पेट्रोल लेते पाए गए। कार्यवाही में पुलिस तथा परिवहन विभाग द्वारा पेट्रोल पंप पर 53 वाहनों के चालान किए गए हैं तथा इन पर एक लाख 45 हजार का जुर्माना लगाया गया है। टीम द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग 730 सी पर वाहनों में लगे हुए रिफ्लेक्टिव टेप की जांच की गई तथा 35 वाहनों में रिफ्लेक्टिव टेप लगवाए गए।

टीम द्वारा बकाया टैक्स में संचालित एक ओवरलोड ट्रक भी पकड़ा गया जिससे 30 हजार जुर्माना तथा 10 हजार टैक्स वसूल किया गया। एक अन्य ट्रक पर रिफ्लेक्टिव ना लगे होने पर 15 हजार का जुर्माना वसूल किया गया। टीम द्वारा एक दो पहिया वाहन सवार को मदिरा पीकर वाहन में बिना हेल्मेट पेट्रोल लेते हुए भी पकड़ा गया है।

कड़ाके की सर्दी में जिलाधिकारी ने जरूरतमंदों को बांटे कंबल

संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। कड़ाके की सर्दी के बीच जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी ने जरूरतमंदों को कंबल वितरित किए। उन्होंने शनिवार देर रात शहर का दौरा किया और मंडी समिति, रेलवे स्टेशन सहित अन्य सार्वजनिक स्थानों पर निराश्रितों को कंबल बांटे।

डीएम ने कृषि उत्पादन मंडी समिति सातनपुर और फर्रुखाबाद रेलवे स्टेशन का निरीक्षण भी किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि रैन बसेरों, सार्वजनिक स्थलों और ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखी जाए। उन्होंने अधिकारियों को यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि अत्यधिक शीतलहर और घने कोहरे के मद्देनजर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूरी की जाएं।

रेलवे स्टेशन पर जरूरतमंद को कंबल ओढ़ाते जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी।

डीएम ने स्पष्ट निर्देश दिए कि कोई भी गरीब या निराश्रित व्यक्ति खुले में सोने को मजबूर न हो।

नहीं निकली धूप, कोहरे का साम्राज्य:फर्रुखाबाद। जिले में इन दिनों सर्दी का सितम जारी है, जिससे जनजीवन प्रभावित हुआ है। बीते दो दिनों से सूर्य के दर्शन नहीं हुए हैं और न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। सड़कों पर सुबह के समय चहलकदमी कम दिख रही है और यात्री भी घरों से निकलने से बच रहे हैं।जिले में पिछले लगभग 15 दिनों से सर्दी का प्रकोप जारी है। शनिवार रात से घना कोहरा छाने लगा था। रविवार सुबह 6 बजे दृश्यता लगभग 15 मीटर थी, जो हवा चलने के बाद कम होकर 7.30 बजे तक 50 मीटर से अधिक हो गई।

पुलिस ने गुमशुदा बालक को बरामद कर परिजनों को सौंपा

फर्रुखाबाद। अमृतपुर पुलिस द्वारा संचालित 'ऑपरेशन मुस्कान' अभियान के तहत थाना अमृतपुर पुलिस ने एक गुमशुदा 12 वर्षीय बालक को सकुशल बरामद कर उसके परिजनों को सौंप दिया।

यह घटना रविवार को सामने आई, जब डायल 112 के माध्यम से सूचना मिली कि एक 12 वर्षीय बालक अपनी नानी के घर जाते समय रास्ता भटक कर गुम हो गया है। पुलिस को यह बालक कस्बा राजपुर में अकेला घूमते हुए मिला। सूचना मिलते ही थाना अमृतपुर पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची। टीम ने बालक से पूछताछ की और उसके परिजनों की जानकारी प्राप्त कर उनसे संपर्क किया। पहचान सुनिश्चित होने के बाद, बालक को पूरी तरह सुरक्षित उसकी नानी के सुपुर्द कर दिया गया। पुलिस की इस सजगता की सराहना की गई।

पिकअप की टक्कर से घायल वृद्ध ने तोड़ा दम

संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। पिकअप की टक्कर में गंभीर रूप से घायल हुए साइकिल सवार पंचम लाल राजपूत (65) की शनिवार देर रात्रि एक निजी अस्पताल में मौत हो गई। यह दुर्घटना शुक्रवार को अर्रा पहाड़पुर मंडी के पास हुई थी।

दुर्घटना में ई-रिक्शा चालक श्यामवीर (निवासी गाडरियन नगला) और साइकिल सवार पंचम लाल राजपूत (निवासी भिड़ौर, थाना मऊदरवाजा) गंभीर रूप से घायल हो गए थे। स्थानीय लोगों ने एंबुलेंस बुलाकर दोनों घायलों को लोहिया अस्पताल पहुंचाया। वहां से पंचम लाल राजपूत को बेहतर इलाज के लिए एक निजी चिकित्सालय में भर्ती कराया गया था। मृतक पंचम लाल राजपूत 65 वर्ष के थे। उनके परिवार में पत्नी धनदेवी और छह बच्चे हैं, जिनमें पिंकी, प्रदीप, प्रीतम, पवन, हरिचंद्र और राजरानी शामिल हैं। बताया गया कि शुक्रवार को घना कोहरा होने के कारण यह हादसा हुआ। सब्जी मंडी से निकल रहे एक ई-रिक्शा को बचाने के प्रयास में दूसरा ई-रिक्शा सामने आ गया, जिससे पिकअप वाहन और ई-रिक्शा में आमने-सामने की टक्कर हो गई। इसी दौरान साइकिल सवार भी इसकी चपेट में आकर घायल हो गया था। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी अजब सिंह कांस्टेबल सुभाष पांडेय और कांस्टेबल सौरभ चौधरी के साथ मौके पर पहुंचे। काशीराम कॉलोनी चौकी इंचार्ज राघवेंद्र सिंह ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। थाना प्रभारी अजब सिंह ने बताया कि इस मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

हिंदुओं को संगठित करने में जुटा संघ घर-घर जनसंपर्क

फर्रुखाबाद। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ जिले में हिन्दुओं को एकजुट व संगठित करने के अभियान में जुटा है।

मुख्य शिक्षक मुकेश रस्तोगी ने कहा कि संघ विदेशों में भी राष्ट्रीय विचारधारा का प्रचार कर रहा है। शाखा में स्वयं सेवक केवल खेलकूद या एक्सरसाइज के लिए नहीं आते हैं, वे स्वयं को राष्ट्र प्रेम देश भक्ति सेवा भाव और संस्कारों के अलावा हिंदुत्व के प्रेम और हिंदू कैसे संगठित हो इस पर भी चर्चा भी करते हैं। विजय अवस्थी ने कहा कि विचारधारा को और अपने देश की संस्कृति को विदेशों में भी पहुंचने का काम संघ के माध्यम से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि समय की मांग है कि हिन्दू संगठित हो, एकजुट हो और अपनी संस्कृति से जुड़े। इसके लिए स्वयं संस्कारी होना होगा और अपने बच्चों को भी संस्कारी बनाना होगा।

तैयारियां तेज | 3 जनवरी से शुरू होने वाले मेला श्री रामनगरिया में अब तक दस हजार से अधिक कल्पवासी पहुंचे, भगवा रंग में रहेगा सांस्कृतिक पंडाल

आबाद होने लगी 'राम की नगरी', प्रवेश के लिए नौ गेट लगे

संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। पांचाल घाट पर 3 जनवरी से शुरू होने वाले एक माह के 'मिनी कुंभ' राम की नगरी आबाद होने लगी है। अब तक करीब 10 हजार से अधिक संत और श्रद्धालु कल्पवास के लिए घाट पर पहुंच चुके हैं। यह मेला 3 फरवरी तक चलेगा।

मेले की आधिकारिक शुरुआत से पहले ही श्रद्धालुओं और संतों का आगमन शुरू हो गया है। विभिन्न संप्रदायों के संतों ने अपने-अपने क्षेत्र स्थापित कर लिए हैं, जबकि गंगा किनारे श्रद्धालुओं के तंबू भी लग गए हैं। ये श्रद्धालु एक माह तक इन तंबुओं में रहकर कल्पवास

मेला श्रीरामनगरिया में आध्यात्मिक आनंद लेने के लिए पहुंचे संत। अमृत विचार

करेंगे।

प्रशासन द्वारा कल्पवासियों के लिए सुविधाओं का तेजी से निर्माण कराया जा रहा है। लगभग 1000 शौचालय बनाने का लक्ष्य रखा गया है, जिनमें से करीब 650 बनकर तैयार हो चुके हैं। संतों के अखाड़ों और श्रद्धालुओं के लिए नलों की व्यवस्था भी की जा रही है। सांस्कृतिक पंडाल का लगभग 60 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। पंडाल के पास विकास प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी, जिसमें करीब 40 स्टॉल होंगे।

सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करने के लिए अस्थायी कोतवाली का निर्माण कार्य जारी है। इसमें पुलिसकर्मियों के ठहरने की भी व्यवस्था होगी। मेला क्षेत्र में 9 चौकियां बनाई जाएंगी। एटा से पीएसी की एक प्लाटून भी सुरक्षा ड्यूटी के लिए पहुंच चुकी है।

घाट पर लगने वाला मेला प्रशासनिक पंडाल सहित विकास प्रदर्शनी के पंडाल भगवा रंग में रहेंगे। पूरे मेले में 9 गेट बनाए जा रहे हैं, जो भगवा रंग के होंगे। गेटों के निर्माण का कार्य भी चल रहा है। बताया गया कि यहां करीब 1000 दुकानें लगेंगी। शुक्रवार तक 488 दुकानों की रसीद काटी जा चुकी थी। मेले में संतों व श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य का भी ध्यान रखा जाएगा। इसके लिए एलोपैथिक, आयुर्वेदिक और होम्योपैथिक के अलग-अलग तीन अस्पताल बनाए जाएंगे। यहां चिकित्सकों सहित स्वास्थ्य कर्मियों की ड्यूटी लगाई जाएगी।

सुभाष आश्रम के दंडी मंडल के अध्यक्ष ने बताया कि 16 आश्रमों के संत उनके पास आ रहे हैं और व्यवस्था कराने की बात कह रहे हैं, लेकिन वे व्यवस्था नहीं करा पा रहे हैं। मेला रामनगरिया में सभी संतों के कार्यों की स्वीकृति कराई जाती है। उन्होंने मेला व्यवस्थापक को अपनी समस्या से अवगत कराते हुए ज्ञापन सौंपा है।

फर्रुखाबाद-बदायूं मार्ग पर खड्ड में पलटी कार

संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। फर्रुखाबाद-बदायूं मार्ग पर दौलतपुर गांव के पास एक मारुति 800 कार अनियंत्रित होकर खड्ड में जा गिरी। इस हादसे में कार सवार तीन लोगों को हल्की चोटें आईं। यह घटना रविवार सुबह राजेपुर थाना क्षेत्र में हुई।

कन्नौज जनपद के ग्राम अकबरपुर निवासी ऋषभ अपनी बहन को बुलाने अमृतपुर आ रहे थे। उनके घर पर सुंदरकांड का पाठ होना था। जब वे दौलतपुर गांव के पास पहुंचे, तभी उनकी कार अनियंत्रित हो गई और खड्ड में जा गिरी। कार का अगला और पिछला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। क्षेत्र में पिछले एक सप्ताह से घना कोहरा छाया हुआ है, जिससे सड़कों पर दृश्यता 10 से 15 मीटर तक सीमित हो जाती है। कोहरे के कारण कई सड़क हादसे हो चुके हैं। पुलिस और परिवहन विभाग लगातार वाहन चालकों से अपील कर रहे हैं कि वे नियमित गति से चलें और कोहरे के दौरान विशेष सावधानी बरतें।

खड्ड में पलटी कार। अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

व्यापार मण्डल चितभवन के अध्यक्ष बने इन्दवीर सिंह

इटावा। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल की बैठक चितभवन नहर के पुल पर संपन्न हुई जिसकी अध्यक्षता प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष एम पी सिंह तोमर ने की। बैठक में जिलाध्यक्ष संतोष चौहान ने इंद्रवीर सिंह पाल को अध्यक्ष, अश्वनी कुमार को महामंत्री, चंद्रशेखर बाथम को कोषाध्यक्ष, करूणेश मिश्रा को संरक्षक, दीपक दुबे को उपाध्यक्ष, वीरेंद्र कठेरिया को संगठन मंत्री बनाया वहीं पंकज जाटव, रोहित कुशवाहा, नौशाद खान, जागेश्वर दयाल, गिरजेश शर्मा कार्यकारणी सदस्य बनाए गए। सभी पदाधिकारीयो का प्रमाणपत्र देकर स्वागत किया गया। बैठक में जिला वरिष्ठ महामंत्री हरी गोपाल शुक्ला, जिला महामंत्री रमेश यादव, महिला जिलाध्यक्ष सुनीता कुशवाहा, जिला उपाध्यक्ष शरद वाजपेई, बीना चौहान, शैलेंद्र राजावत, अभिषेक दीक्षित, गिरीश शुक्ला, अनिल यादव, अरुण मिश्रा, युवा नगर अध्यक्ष मुकेश दुबे, युवा उपाध्यक्ष अमित दुबे, आशीष तिवारी, अश्वनी दुबे, कपिल पाठक महेवा युवाध्यक्ष गगन पोरवाल, दीपक गुप्ता, शिवम भदौरिया, संजू वर्मा, लक्ष्मी कुशवाहा समेत तमाम प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित रहे।

वाहन की टक्कर से बाइक सवार घायल

जसवंतनगर। राष्ट्रीय राजमार्ग पर खेड़ा धौलपुर गांव के समीप स्थित फ्लाईओवर ब्रिज पर रविवार शाम फिरोजाबाद की ओर से आ रहे एक बाइक सवार युवक दीप 24 वर्ष निवासी कन्नौज को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही युवक बाइक समेत फिसलकर सड़क पर गिर पड़ा और गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची एंबुलेंस ने घायल युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इलाज हेतु भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए सैफई पीजीआई रेफर कर दिया।

बाइक फिसलने से किशोर जख्मी

बकेवर। थाना क्षेत्र के लखना बकेवर मार्ग पर नगला बनी के पास मोटर साइकिल फिसलने से किशोर सड़क पर गिरकर घायल हो गया। सहसों थाना क्षेत्र के ग्राम पिपरौली गढिया निवासी अभिषेक पुत्र देवलाल ने बताया कि वह मोटरसाइकिल से बकेवर आया हुआ था कि तभी अचानक मोटरसाइकिल के फिसलने से वह सड़क पर गिर गया। जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों ने सड़क पर पड़ा देखकर किशोर को 50 शैय्या अस्पताल बकेवर पहुंचाया, जहां चिकित्सक पुष्पेन्द्र कुमार द्वारा चेकअप करने के बाद इलाज किया। घटना की जानकारी घायल ने अपने परिजनों को दी तो वह अस्पताल पहुंचे और उसे अपने घर पिपरौली गढिया ले गये।

सड़क दुर्घटनाओं में तीन लोग घायल

इटावा। जनपद के विभिन्न स्थानों पर हुई सड़क दुर्घटनाओं में तीन लोग घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। थाना सिविल लाइन क्षेत्र के अंतर्गत डीएम चौराहे पर ऑटो और चार पहिया वाहन के बीच हुई भिड़ंत में अंजली पत्नी अंशु निवासी कटरा बलसिंह कोतवाली सदर व अरविंद पुत्र ब्रज किशोर निवासी नगला हुलासी जसवंतनगर घायल हो गए। थाना बकेवर क्षेत्र के अंतर्गत बल्लमपुर गांव के पास अज्ञात वाहन की टक्कर लगने से तेज सिंह निवासी बकेवर घायल हो गया।

साइबर फ्रॉड से निकाले गए रुपये पुलिस ने वापस कराये

इटावा। थाना चौबिया साइबर सेल टीम ने साइबर फ्रॉड यूपीआई के माध्यम से निकाले गये पीड़ित के रुपयों पर त्वरित कार्यवाही करते हुए शत प्रतिशत 45 हजार रुपये वापस कराये। आवेदक अरुण कुमार निवासी नगला हरी थाना चौबिया ने स्वयं के खाते से किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा साइबर फ्रॉड यूपीआई के जरिये 45 हजार रुपये निकाल लेने के संबंध में थाना चौबिया पर प्रार्थना पत्र दिया। थानाध्यक्ष चौबिया महेन्द्र सिंह ने थाना चौबिया साइबर सेल पुलिस टीम के साथ तत्काल कार्यवाही करते हुए 45 हजार रुपये वापस कराये।

आरोग्य मेले में मरीजों का हुआ उपचार

बकेवर। रविवार को नगर लखना स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर जन आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। मेले में कुल 28 मरीजों की स्वास्थ्य जांच कर उन्हें नि:शुल्क दवाएं वितरित की गईं। चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजय आनंद के नेतृत्व में आयोजित इस मेले में लखना नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से मरीज पहुंचे। मेले में फार्मासिस्ट संजय विक्रम सिंह, शिवम व कृष्णा भी मौजूद रहे।

पानी का रोस्टर जारी न होने से आक्रोश

नहर में पानी न आने से गेहूं की फसल की नहीं हो पा रही सिंचाई, किसान परेशान

संवाददाता बकेवर इटावा

नहर की तलहटी में मौजूद पानी। अमृत विचार

अमृत विचार। भोगनीपुर निचली गंगा नहर में पानी का प्रवाह न छोड़े जाने से तमाम किसानों की गेहूं की फसल की पहली सिंचाई नहीं हो पा रही है। सिंचाई विभाग द्वारा पानी का रोस्टर जारी न किए जाने को लेकर किसानों में आक्रोश व्याप्त है। नहर में पानी टूट जाने के बाद उसे निकालने वाले रजवानों में बचे पानी से तमाम किसान पंपिंग सेट लगवाकर अपने खेतों में पानी भर रहे थे। परंतु अब तो रजवाहों व माइनरों में भी पानी नहीं रहा है वहीं सिंचाई विभाग एक हफ्ते बाद नहर में पानी छोड़े जाने की बात कह रहा है।

सूत्रों की माने तो इस समय पानी प्रयागराज कुम्भ में भेजा जा रहा है। जिसके चलते नहर का पानी बांध से बन्द कर दिया गया है। इससे चलते किसानों को पानी उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। भोगनीपुर से निकली गंगा नहर का क्षेत्र इटावा डिवीजन में तकरीबन 110 किलोमीटर की लंबाई है, जिसमें इटावा औरैया व कानपुर देहात जनपद आता है। करीब तीन से चार लाख हेक्टेअर जमीन की सिंचाई के लिए इटावा औरैया व कानपुर देहात के लाखों किसान इस भोगनीपुर नहर पर निर्भर रहते हैं। भोगनीपुर नहर से 110 राजवाह व नहर निकले हैं। जिनसे किसान खेतों में खड़ी फसलों की सिंचाई करते हैं। इस समय रबी की मुख्य फसल गेहूं की सिंचाई का समय चल रहा है। गेहूं की बुआई का कार्य लगभग समाप्त हो चुका है और गेहूं की फसल में पहली सिंचाई किसान कर रहे हैं। भोगनीपुर नहर में 12 दिसंबर को पानी का प्रवाह इटावा में आया था। पानी का प्रवाह आते ही और उससे निकलने वाले रजवानों व माइनरों में से पानी का प्रवाह भी शुरू होते ही किसान अपनी गेहूं की, सरसों की व आलू की फसल की सिंचाई में जुट गए थे किसानों को दो सप्ताह पानी चलने की उम्मीद थी। परंतु सिंचाई विभाग ने एक सप्ताह बाद ही अचानक पानी बंद कर दिया। इससे इटावा जनपद में ही करीब 40 फ़ीसदी गेहूं की फसल की सिंचाई नहीं हो सकी है। जनपद में तकरीबन 1 लाख हेक्टेयर में गेहूं की फसल बोई गई है, जिसमें से बमुश्किल 50 से 60 फ़ीसदी ही गेहूं की फसल की सिंचाई हो सकी है। करीब 40 फ़ीसदी सिंचाई अभी भी पड़ी है परंतु अचानक पानी का प्रभाव टूट जाने से किसान परेशान हैं। कृषि विशेषज्ञों की माने तो गेहूं की पहली सिंचाई 22 से 28 दिन के बीच की जानी चाहिए, जिससे गेहूं की फसल की ग्रोथ अच्छी होती है परंतु इस समय कई किसानों की 30 दिन से अधिक की फसल हो चुकी है और अगर एक सप्ताह बाद पानी मिलता है तो गेहूं की फसल 35 से 38 दिन के बीच की हो जाएगी ऐसी स्थिति में उनकी पैदावार पर विपरीत असर पड़ सकता है। इस सम्बंध में भोगनीपुर निचली गंगानहर के अधिशासी अभियंता राकेश कुमार ने बताया कि नहर में पानी का प्रवाह छोड़े जाने को डिमांड उच्चाधिकारियों को भेज दी गयी है।

भीषण कोहरे ने ट्रेनों की रफ्तार पर कसा शिकंजा, स्टेशन पर ठिठुरते रहे यात्री

कार्यालय संवाददाता इटावा

रेलवे स्टेशन पर कोहरे के चलते छाई धुंध। अमृत विचार

अमृत विचार। सर्द हवाओं के साथ घना कोहरा फिर से छा गया, पिछले चार दिनों से सर्दी और कोहरे ने लोगों का हाल बेहाल कर रखा है, जिससे ट्रेनों की रफ्तार एक बार फिर थम गई है। सबसे ज्यादा असर रात की ट्रेनों पर पड़ा और दिन में भी यात्रियों को काफी परेशानी का समाना करना पड़ा।

दिसंबर की शुरुआत से ही कोहरे के कारण ट्रेनों के रद्द होने और लेट चलने का सिलसिला बना हुआ है। बीच में दो दिन कोहरा कम हुआ था, जिससे ट्रेनों का संचालन कुछ बेहतर हुआ और यात्रियों को राहत मिली थी। लेकिन फिर से सर्द हवाओं के साथ दोबारा घना कोहरा शुरू होते ही हालात फिर बिगड़ गए हैं। इटावा जंक्शन पर प्लेटफार्म, वेटिंग हॉल और वेटिंग रूम में यात्री ठंडी हवाओं के बीच ट्रेनों का इंतजार करते नजर आए।

- **दर्जनों ट्रेनें घण्टों की देरी पहुंचीं स्टेशन, यात्री हुए परेशान**

देरी से ट्रेन आते ही यात्री जल्दी में डिब्बों की ओर दौड़ते दिखे। वैशाली एक्सप्रेस, मरुधर एक्सप्रेस, अमृत भारत एक्सप्रेस विलम्ब से पहुंची। ऊंचाहार एक्सप्रेस, लालगढ़ एक्सप्रेस भी लेट रहीं। आप ऊंचाहार एक्सप्रेस, अप कैफियत एक्सप्रेस, अप मगध एक्सप्रेस काफी देरी से जंक्शन पर पहुंची। इसके अलावा गोमती एक्सप्रेस, वंदे भारत एक्सप्रेस, शताब्दी एक्सप्रेस, महानंदा एक्सप्रेस, मुरी एक्सप्रेस, कालका एक्सप्रेस, टूंडला कानपुर पैसेंजर, डाउन वैशाली एक्सप्रेस, लिंक एक्सप्रेस, कोटा पटना एक्सप्रेस, इटावा ग्वालियर पैसेंजर घण्टों की देरी से जंक्शन पर पहुंची। कई अन्य ट्रेनें भी तय समय से काफी देर से आईं, जिससे यात्रियों की मुश्किलें दिनभर बनी रहीं और प्लेटफार्म पर ठिठुरनके को मजबूर रहे।

युवक ने फांसी लगाकर कीआत्महत्या, जांच जारी

संवाददाता बकेवर इटावा

- **शनिवार को ही एक बेटे का मनाया था जन्मदिन**

अमृत विचार। सरायमिट्ठे में एक युवक ने घर के अंदर मफलर से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सुबह पिता जागा तो उन्हें घटना की जानकारी हुई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

बकेवर थाना क्षेत्र के ग्राम सरायमिट्ठे निवासी रजनीकांत 32 वर्ष घर के अंदर कमरे में लेटा था रात्रि में किसी समय रजनीकांत ने कमरे में ही पंखे के कुंडे से गले में बंधे मफलर से फंदा डालकर आत्महत्या कर ली। कमरे की कुंडी अंदर से बंद थी। मृतक के पिता राम प्रकाश व उसकी मां घर के बाहरी हिस्से में लेटे थे। रजनीकांत के दो बेटे भी अपने दादा-दादी के पास ही लेटे थे। रजनीकांत का अपनी पत्नी गीता के साथ कुछ विवाद हुआ था जिससे के चलते करीब 3 दिन पहले उसकी पत्नी बच्चों व उसको छोड़कर अपने मायके चली गई थी। शनिवार को शाम रजनीकांत ने अपने एक बेटे का जन्मदिन मनाया था जन्मदिन मनाने के बाद वह अपने कमरे में लेटने चला गया था। सुबह जब राम प्रकाश ने शौचालय जाने के लिए अंदर का दरवाजा खटखटाया तो वह दरवाजा अंदर से बंद था। काफी देर आवाज देने के बाद भी जब कोई अंदर से कोई आवाज नहीं आई तो राम प्रकाश पड़ोसियों को बुलवाया। लोगों ने टॉर्च जलाकर कमरे के अंदर झांक कर देखा तो रजनीकांत का शव फंदे से लटका हुआ था।

बैडमिंटन में धानवी, विपुल, अमृत कार्तिका और ऋषि रहे अव्वल

कार्यालय संवाददाता इटावा

विजेता प्रतिभागियों के साथ संयोजक व अतिथि। अमृत विचार

अमृत विचार। इटावा महोत्सव एवं प्रदर्शनी के तत्वावधान में स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित तीन दिवसीय बैडमिंटन प्रतियोगिता का समापन मुख्य अतिथि सह जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. मुकेश यादव ने किया।

उन्होंने कहा कि प्रतिभगियों का विजेता या उप विजेता रहना इतना महत्वपूर्ण नहीं है जितना उनका प्रतिभाग करना है। यह प्रतियोगिता चार वर्गों में कराई गई जिसमें अंडर 13, अंडर 15, अंडर 17 और चौथी श्रेणी ओपन की रखी गई जिसमे बालक और बालिकाओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए इस प्रतियोगिता में ट्राफियां जीतीं। अंडर 13 में धानवी और जानवी प्रथम रहीं, बालक में विपुल कुमार विजेता रहे। अंडर 15 में अमृत, यश देव, डेलिशा, दुर्गा, आयुष और हार्दिक प्रथम रहे तथा द्वितीय स्थान पर धानवी, आदित्य, वंदना रहीं। अंडर 17 में कार्तिका, डेलिशा प्रथम रहे। ओपन वर्ग में ऋषि प्रथम रहे। जबकि ओपन डबल में ऋषि और चिराग की जोड़ी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

प्रतियोगिता के संयोजक संजय कुमार शर्मा प्रधानाचार्य एसडी इंटर कालेज ने सभी खिलाड़ियों को शील्ड प्रदान कर उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता के सह संयोजक गुफरान अहमद प्रधानाचार्य इस्लामिया इंटर कालेज ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। प्रतियोगिता के समापन पर डा. उमेश यादव प्रधानाचार्य चित्रगुप्त इंटर कालेज, मनीष सहाय सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। प्रतियोगिता की सफलता में नाजिश इकबाल, शाहिद अख्तर, विमल कुमार, आलोक भदौरिया, एसडी कालेज के दीपक, अखिलेश, प्रयांक, इस्लामिया कालेज के नदीम, सैफ अली का सराहनीय योगदान रहा।

जनता को सुविधाएं उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता

कार्यालय संवाददाता इटावा

- **नगर पालिका रैन बसेरों पर दे रही विशेष ध्यान : ज्योति गुप्ता**

अमृत विचार। नगर पालिका की अध्यक्ष ज्योति गुप्ता के नेतृत्व में रैन बसेरों में सुविधाओं को और बेहतर बनाने के लिए सराहनीय कदम उठाए जा रहे हैं।

रैन बसेरों में बिस्तरों की चादरें बदली गईं और धुली हुई रजाइयां व्यवस्थित रूप से रखी गईं। पूरे रैन बसेरे में साफ-सफाई का खास ख्याल रखा गया ताकि यहां आने वाले लोगों को स्वच्छ और आरामदायक माहौल मिल सके। रैन बसेरे में नियमित रूप से दिन में सफाई की जा रही है। बिस्तरों और अन्य सुविधाओं को बार-बार जांचा और व्यवस्थित किया जा रहा है। नगर पालिका प्रशासन ने यह सुनिश्चित किया है कि यहां रहने वाले लोग किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करें। नगर पालिका चेयरमैन ज्योति गुप्ता ने कहा हमारी प्राथमिकता जनता को बेहतरीन सुविधाएं उपलब्ध कराना है। रैन बसेरों में सफाई और आराम का विशेष ध्यान रखा जा रहा है ताकि कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति सर्दियों में परेशान न हो। ज्योति गुप्ता की यह पहल स्थानीय लोगों और जरूरतमंदों के बीच सराहना का विषय बनी हुई है।

नगर पालिका द्वारा रैन बसेरों में की जा रही यह पहल एक प्रेरणादायक कदम है, जो स्वच्छता और सेवा का आदर्श उदाहरण पेश कर रही है। इससे अन्य नगर पालिकाओं को भी प्रेरणा मिलेगी कि जरूरतमंदों की सेवा में सुधार लाने के लिए कैसे कार्य किया जाए।

वाद विवाद में संत विवेकानंद की अंशिका व वैशाली ने मारी बाजी

कार्यालय संवाददाता इटावा

विजेता छात्रा को सम्मानित करते मुख्य अतिथि। अमृत विचार

- **पंडित शिवदत्त चतुर्वेदी वाद विवाद प्रतियोगिता का प्रदर्शनी पंडाल में हुआ आयोजन**

अमृत विचार। प्रदर्शनी पंडाल में पण्डित शिवदत्त चतुर्वेदी वाद विवाद प्रतियोगिता में छात्राएं अव्वल रहीं। संत विवेकानंद सीनियर सेकेंडरी स्कूल की छात्रा अंशिका राठौर एवं वैशाली चौहान ने पक्ष एवं विपक्ष वक्ता के रूप में पहला स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता का शुभारंभ डॉ. जय कृष्ण तिवारी ने दीप प्रज्ज्वलित करके किया।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि राम शरण गुप्त ने कहा कि वाद विवाद से तार्किक क्षमता बढ़ती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे साहित्यकार डॉ. पदम सिंह यादव पद्म ने पंडित शिव दत्त चतुर्वेदी का स्मरण करते हुए कहा कि वह साहित्य संसार के गौरव स्तंभ थे। वयोवृद्ध कवि सुरेश मिश्र ने कहा कि इस प्रतियोगिता से उनका भावनात्मक लगाव है। उन्होंने अपनी दिवंगत पुत्री गरिमा मिश्रा की स्मृति में विजई प्रतिभागियों को प्रतीक चिन्ह वितरित किए। शिक्षिका सावित्री कंकन के स्मृति पुरस्कार भी वितरित किए गए। इसके लिए डॉ. कुश चतुर्वेदी ने भावना कंकन तथा निशांत गौरव का आभार जताया। पक्ष के वक्ता के रूप में वैशाली चौहान प्रथम, अभि सिंह द्वितीय रहे। विपक्ष के वक्ता के रूप में अंशिका राठौर प्रथम तथा विजय राठौर द्वितीय रहे। निर्णायक का दायित्व गौसिया फातिमा, डॉ. आशीष त्रिपाठी तथा प्रशांत तिवारी ने निभाया। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय कवि रोहित चौधरी तथा ललित सक्सेना ने किया। स्वागत संयोजक अजीत नारायण चतुर्वेदी ने किया।

पुण्यतिथि पर याद किये गये समाजसेवी कमलेश अवस्थी

इटावा। शिक्षा साहित्य व समाजसेवा से जुड़े प्रधान व जवाहर इंटर कॉलेज चकरनगर में प्रवक्ता रहे स्व कमलेश चंद्र अवस्थी कि सोलहवीं पुण्यतिथि पर उन्हें याद किया गया। उनके पुत्र भानु प्रकाश अवस्थी के आवास पर समाजसेवियों ,शिक्षाविदों को सम्मानित किया गया और उनके व्यक्तित्व पर चर्चा की गई।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पधारे पूर्व सांसद प्रेम दास कठेरिया ने स्व अवस्थी के व्यक्तित्व की चर्चा करते हुए कहा कि वे शिक्षाविद होने के साथ साथ समाजसेवी भी थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री नरायन दुबे एवं सेवा निवृत्त प्रधानाचार्य अरुण कुमार दुबे ने कहा कि स्व श्री अवस्थी ने मेधावी छात्रों को हमेशा आगे बढाने का कार्य किया। इस अवसर पर देवेश शास्त्री, हरि शंकर त्रिपाठी, गोविन्द माधव शुक्ल, जगत नरायन दुवे ,मलेश कठेरिया. सुभाष तिवारी रहे।

एक हजार लोगों की जांची सेहत

संवाददाता जसवंतनगर इटावा

शिविर में डॉक्टरों के साथ मौजूद विधायक शिवपाल सिंह यादव। अमृत विचार

- **शिवपाल सिंह यादव ने शिविर का किया शुभारंभ**

अमृत विचार। रविवार को श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन भवन में अहिंसा जैन वेलफेयर ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित विशाल स्वास्थ्य जांच शिविर का मुख्य अतिथि शिवपाल सिंह यादव ने शुभारंभ किया। उन्होंने जैन समाज द्वारा इस तरह के आयोजन की प्रशंसा की और आशा व्यक्त की कि आगे भी इस प्रकार के निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन होता रहेगा।

मुख्य अतिथि द्वारा डॉक्टरों को प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया गया। सुबह 11 बजे से शुरू हुए शिविर में आगरा नोएडा और मथुरा से पहुंचे विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा शाम तक एक हजार से अधिक मरीजों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया और परामर्श दिया गया। कल्याण करोति नेत्र संस्थान मथुरा की टीम द्वारा सौ से अधिक मरीजों को निशुल्क चश्मे भी प्रदान किए गए। आगरा के प्रसिद्ध स्पंदन हॉस्पिटल के डॉ हेमेंद्र अग्रवाल कार्डियोलॉजिस्ट, डॉ वंदना अग्रवाल स्त्री रोग विशेषज्ञ, मेदांता हॉस्पिटल नोएडा के डॉ अरुण गिरी, डॉ रिद्धिमा त्यागी, डॉ आशुतोष जैसवाल, कल्याण करोति नेत्र संस्थान मथुरा के विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा मरीजों को देखा गया। शिविर को सफल बनाने में सकल जैन समाज के अलावा जसवंतनगर की सभी शाखों भारत विकास परिषद लायंस क्लब तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं पारसनाथ सकल दिगंबर जैन समाज का योगदान रहा।

इस अवसर पर राजेश जैन, मणिकांत जैन, राहुल गुप्ता, अजेंद्र गौर, सुभाष गुप्ता,खन्ना यादव,गोपाल गुप्ता,अहिंसा जैन वेलफेयर ट्रस्ट के अध्यक्ष अतुल बजाज, सचिव आशीष जैन, एकांश जैन एवं ट्रस्ट परिवार के सभी सदस्य गण उपस्थित रहे। ट्रस्ट ने सभी को विश्वास दिलाया कि जनहित में आगे भी ऐसे शिविरों का आयोजन जारी रहेगा।

आयोजन कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पार्टी का स्थापाना दिवस मनाया और गोष्ठी का आयोजन किया

कांग्रेसियों ने वंदेमातरम गाकर फहराया पार्टी का झंडा

कार्यालय संवाददाता इटावा

झंडा रोहण के बाद मौजूद कांग्रेस नेता। अमृत विचार

अमृत विचार। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस वह पार्टी है जिसने महात्मा गांधी, पंडित नेहरू, सुभाषचंद्र बोस, सरदार पटेल, मौलाना आज़ाद और लालबहादुर शास्त्री जैसे महापुरुषों के नेतृत्व में आज़ादी की लड़ाई लड़ी। उक्त उद्गार कांग्रेस ज़िला अध्यक्ष आशुतोष दीक्षित ने कांग्रेस कार्यालय पर कांग्रेस पार्टी के 140 वें स्थापना वर्ष पर आयोजित गोष्ठी में व्यक्त किये।

शहर अध्यक्ष मोहम्मद राशिद ने कहा कि कांग्रेस ने सदैव से ही अन्याय, अत्याचार,दमन और हिंसा के ख़िलाफ़ सत्य, अहिंसा, प्रेम और भाईचारे को अपना हथियार बनाया। पूर्व ज़िला अध्यक्ष मलखान सिंह यादव ने कहा कि कांग्रेस वह एकमात्र राजनीतिक दल है जो किसी जाति,धर्म विशेष का प्रतिनिधित्व नहीं करता बल्कि देश के सभी नागरिकों के लिए समान अधिकारों की बात करता है। गोष्ठी से पूर्व कार्यालय पर कांग्रेस पार्टी का झंडारोहण करते हुए सभी कांग्रेस जनों ने में वंदे मातरम् और राष्ट्र गान गाया। स्थापना वर्ष के इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से पूर्व शहर अध्यक्ष पल्लव दुबे, पीसीसी सदस्य प्रशांत तिवारी, अरुण यादव, करण सिंह राजपूत, सतीश नागर,वाचस्पति द्विवेदी, प्रेरणा जुबैरी, शौज़ैब रिजवी,अवनीश वर्मा, आर.बी.सिंह पाल,प्रदीप कुमार द्विवेदी, मुबारक अली, मोहसिन अली,अमित यादव, इस्माइल अंसारी एवं आशीष दीक्षित सहित तमाम कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

लखना में भी मनाया गया कांग्रेस का स्थापना दिवस : लखना कांग्रेस कमेटी द्वारा कांग्रेस का स्थापना दिवस मनाया गया। इस मौके पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर अध्यक्ष संजीव त्रिपाठी ने की और संचालन मोहम्मद इकराम ने किया।

नगर अध्यक्ष त्रिपाठी ने पूर्व प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के चित्र पर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेसियों को सम्मानित भी किया गया। नगर अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस अगर न होती तो देश आजाद न होता। कांग्रेसी नेताओं ने देश की आजादी में अपने प्राणों की बलि दे दी। रविन्द्र कुशवाहा व पूरन सविता ने कहा कि कांग्रेस ही वह पार्टी है जिसने हमेशा भाईचारे की भावना से राजनीति की है। कार्यक्रम में चन्द्रभान सक्सेना, सतेन्द्र दोहरे, छोटे लाल, महेश, गुड्डू दुबे, गुलाम मोहम्मद ने भी विचार रखे।

सेनानी आश्रितों का सम्मान देश का सम्मान : विधायक

कार्यालय संवाददाता इटावा

अमृत विचार। इटावा महोत्सव में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी सम्मेलन बड़ी ही भव्यता के साथ आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के बाद वंदे मातरम के साथ सम्मेलन का शुभारंभ हुआ।

सम्मेलन के संयोजक प्रतिमा शंकर दीक्षित ने जानकारी देते हुए बताया कि,आज का यह सम्मेलन हमारे जनपद के सभी स्वतंत्रता काल के वीर सेनानियों और उनके परिवारों को सादर समर्पित है जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपनी जान की कुर्बानी देने के साथ साथ अंग्रेजों की कठिन यातनाएं भी झेली। उन्होंने सरकार से मांग की कि आर्थिक रूप से कमजोर समस्त स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिवारों के आश्रितों को नौकरी के साथ सभी जरूरी सुविधाएं भी प्रदान की जाएं। मुख्य अतिथि सदर विधायक सरिता भदौरिया ने कहा कि आज हम सभी 2025 का जो अखण्ड भारत देख पा रहे है इसके पीछे उन हमारे स्वतंत्रता सेनानियों का बलिदान छिपा है जिनके हौसले से अंग्रेज भारत छोड़ कर भाग खड़े हुए थे आज उन परिवारों को मै नमन करती हूं । उन्होंने वीरांगना प्रेम शीला पांडेय,बसंती त्रिपाठी को मंच से शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। विशिष्ट अतिथि भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा गोपाल मोहन शर्मा ने कहा कि आज मुझे खुशी है कि मैं आज इस कार्यक्रम का हिस्सा बना हूं। सदर विधायक द्वारा सभी सेनानी परिवारों के आश्रितों को शॉल ओढ़ाकर और प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

अमृत विचार

कानपुर, सोमवार,29 दिसंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

मोहम्दाबाद फीडर में फाल्ट से दो दिन से बिजली गुल

अछल्दा। मोहम्दाबाद फीडर की विद्युत लाइन शनिवार दोपहर करीब 2 बजे अचानक फाल्ट हो जाने के कारण ठप हो गई। फाल्ट के बाद से अब तक विद्युत आपूर्ति बहाल नहीं हो सकी है, जिससे क्षेत्र के उपभोक्ताओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। रविवार को भी विद्युत विभाग के कर्मचारी फाल्ट तलाशने में जुटे रहे। घंटों मशक्कत के बावजूद देर शाम तक लाइन सुचारु नहीं हो सकी। बिजली न होने से घरेलू उपभोक्ताओं के साथ-साथ व्यापारिक प्रतिष्ठानों का कामकाज भी प्रभावित रहा। इस संबंध में विद्युत विभाग के जेई धीरेंद्र प्रताप ने बताया कि लाइन में कई जगह फाल्ट हुए है फाल्ट की पहचान करने का प्रयास लगातार किया जा रहा है। जैसे ही फाल्ट मिल जाएगा, मोहम्दाबाद फीडर की विद्युत आपूर्ति तत्काल बहाल कर दी जाएगी। वहीं उपभोक्ताओं ने जल्द से जल्द समस्या के समाधान की मांग की है।

खेतों से दो इंजन चोरी

अछल्दा। थाना क्षेत्र के गांव कन्धिया में शनिवार रात खेतों में लगे दो इंजन चोरी हो गए। किसानों ने पुलिस को सूचना दी। गांव कन्धिया निवासी सुनील कुमार और गोविंद के खेतों पर लगे इंजन रात में चोरी चले गए। सुबह किसान खेत पर पहुंचे तो इंजन गायब मिले। सूचना पर थानाध्यक्ष पंकज मिश्रा ने पहुंचकर जांच पड़ताल की है।

लंगर का किया गया आयोजन

कुदरकोट। कुदरकोट में सूफी संत हजरत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती (ख्वाजा गरीब नवाज) के 814वें उर्स के अवसर पर रविवार को लंगर का आयोजन किया गया। यह आयोजन कस्बा कुदरकोट में स्थित जामा मस्जिद कमेटी व समस्त ग्रामवासियों की तरफ से ख्वाजा गरीब नवाज की छठी पर विशाल लंगर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में जामा मस्जिद शाही इमाम तौसीफ रजा ने गंगा-जमुनी तहजीब का संदेश दिया। उन्होंने लोगों से आपसी भाईचारे, प्रेम और सौहार्द के साथ रहने का आह्वान किया। अतिथियों ने कहा कि भारत की पहचान विविधता में एकता है और ख्वाजा गरीब नवाज की शिक्षाएं आज भी समाज को जोड़ने का काम करती हैं। क्षेत्र पंचायत सदस्य मोहम्मद इमरान ने इस अवसर पर कहा कि बुजुर्गों ने दीन के दिखाए रास्ते पर चलकर समाज में भाईचारा, सेवा और इंसानियत को मजबूत किया जा सकता है। नदीम कुरैशी ने बताया कि ख्वाजा गरीब नवाज ने अपने जीवन में प्रेम, समानता और मानव सेवा का संदेश दिया, जिसका प्रभाव आज भी समाज में देखा जा सकता है। इस लंगर में सभी वर्गों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। नदीम कुरैशी, राजू मंसूरी, असलम मास्टर, इरफान,आबिद, शहजाद अंसारी, नाजिम रंगरेज सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

अमरौधा में धारदार हथियार से गला रेत कर युवक ने दी जान

कानपुर देहात। भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के अमरौधा कस्बा निवासी कलीम ख़ान ने शनिवार देर रात धारदार हथियार चाकू से अपना गला रेत लिया। इससे उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। मृतक की पत्नी शमा ने खून से लथपथ अपने पति को देख कर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस और फोरेंसिक टीम ने परिजनों से जानकारी करते हुए आवश्यक पड़ताल शुरू कर दी है।

तालाब में डूबने से मासूम बच्ची की मौत

नगर के नारायणपुर मोहल्ले का मामला, पालिका पर लापरवाही का आरोप

कार्यालय संवाददाता, औरैया

अमृत विचार। शहर के मोहल्ला नारायणपुर में गुरुवार को एक दर्दनाक हादसे में तीन वर्षीय मासूम बच्चे की तालाब में डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान आरव पुत्र नरेंद्र प्रताप सिंह के रूप में हुई है।

घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया, वहीं पूरे मोहल्ले में शोक का माहौल व्याप्त है। बताया गया कि पालिका अध्यक्ष अनूप कुमार गुप्ता के आवास के पीछे स्थित तालाब में मासूम खेलते समय गिर गया, जिससे उसकी डूबने से मौत हो गई। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और बच्चे को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी जान जा चुकी थी। घटना के बाद परिजनों और स्थानीय लोगों ने नगर पालिका प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए। उनका कहना है कि तालाब की साफ-सफाई, सौंदर्यीकरण और सुरक्षा को लेकर कई बार नगर पालिका में शिकायत की गई थी, लेकिन किसी भी शिकायत पर ध्यान नहीं दिया गया।

तालाब के चारों ओर बाउंड्री न होने और गंदगी के कारण यह हादसा हुआ। मौके पर पहुंचे पूर्व चेयरमैन प्रतिनिधि लालाजी शुक्ला ने शोकाकुल परिवार को सांत्वना दी और नगर पालिका अध्यक्ष से तालाब की साफ-सफाई कराने तथा सड़क किनारे बाउंड्री निर्माण की मांग की, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। घटना को लेकर क्षेत्र में नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं और लोगों ने दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

किसान की मौत के बाद रोते-बिलखते परिजन। अमृत विचार

खेत की रखवाली करने गए किसान की संदिग्ध परिस्थिति में गई जान

किसान नंदराम।

अछल्दा (औरैया)। थाना क्षेत्र के ग्राम बघईपुर में शनिवार रात खेत की रखवाली करने गए एक किसान की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। किसान के देर रात तक घर न लौटने पर परिजनों ने तलाश शुरू की, जिसके बाद किसान का नाती खेत पर पहुंचा तो बाबा मृत अवस्था में मिले। रविवार को परिजनों ने प्रशासन को सूचना दिए बिना ही किसान का अंतिम संस्कार कर दिया। ग्राम बघईपुर निवासी नन्दराम (65) पुत्र मीहलाल शनिवार रात करीब 8 बजे अन्ना मवेशियों से फसल की सुरक्षा के लिए खेत गए थे। रात 11 बजे तक नन्दराम घर वापस नहीं लौटे, जिस पर चिंता बढ़ गई। इसके बाद नाती योगेंद्र सिंह को खेत पर देखने भेजा गया। योगेंद्र जब खेत पर पहुंचा तो उसके बाबा नन्दराम मृत अवस्था में पड़े मिले। यह देख वह घबराकर घर दौड़ा और पिता रामबाबू सहित परिजनों को सूचना दी। मौके पर पहुंचे परिजनों ने किसान को मृत पाया। परिजनों ने आशंका जताई है कि कड़ाके की सर्दी लगने से उनकी मौत हुई होगी। घटना की सूचना पर गांव में मातम छा गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। नन्दराम खेती-किसानी से परिवार का भरण-पोषण करते थे। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को सहायता दिलाने की मांग की है।

करंट की चपेट में आए लाइनमैन की मौत

अभिषेक।

कुदरकोट। कुदरकोट थाना क्षेत्र के गांव नगला जसोदा में शनिवार की रात करीब 9 बजे अपने घर की बिजली लाइन सुधारते समय लाइनमैन करंट की चपेट में आ गया। परिजन उसे अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। लाइनमैन की मौत से परिवार में मातम पसर गया। परिजनों ने पुलिस को सूचना दिए बिना ही लाइनमैन का अंतिम संस्कार कर दिया गया। कुदरकोट थाना क्षेत्र के गांव नगला जसोदा निवासी अभिषेक उर्फ बीटू पुत्र रामलखन सिंह (42) खेती बाड़ी कर अपना और अपने परिवार का भरण पोषण करता था। परिजनों ने बताया कि ठेकेदार के माध्यम से वह नेवलगंज पावर हाउस पर लाइनमैन का भी काम करता था। करीब तीन माह से काम पर नहीं जा रहा था। शनिवार रात करीब 9 बजे वह अपने घर में बिजली को ठीक कर रहा था, तभी अचानक वह करंट की चपेट में आ गया। इससे उसकी हालत बिगड़ गई, परिजन आनन-फानन में उसे इलाज के लिए हॉस्पिटल लेकर आए, लेकिन चिकित्सकों ने अभिषेक उर्फ बीटू को मृत घोषित कर दिया।

जरूरतमंदों को गर्म कपड़े वितरित करते संगठन के लोग। अमृत विचार

निःशुल्क वस्त्र बैंक से जरूरतमंदों को ऊनी वस्त्रों का किया वितरण

कार्यालय संवाददाता, औरैया

अमृत विचार। समाजसेवी संगठन एक विचित्र पहल सेवा समिति औरैया की महिला शाखा तुलसी सखी ग्रुप द्वारा जरूरतमंदों को गर्म कपड़ों का वितरण किया गया। रविवार को प्रातः 10 बजे अटल आश्रय गृह, औरैया में संचालित नेकी की दीवार नामक निःशुल्क वस्त्र बैंक द्वारा विशेष अभियान चलाकर खुले आसमान के नीचे जीवन यापन करने वाले जरूरतमंदों, महिलाओं व बच्चों को वस्त्र बैंक से उपलब्ध ऊनी वस्त्रों का वितरित किया गया।

सखी ग्रुप की अध्यक्ष लक्ष्मी बिश्नोई ने बताया कि संपन्न लोग अपने-अपने घरों में सर्दी से बचने हेतु विभिन्न साधनों का उपयोग कर रहे हैं, जबकि तमाम लोग ऐसे भी हैं जिनके ऊपर छत नहीं है, वह खुले आसमान के नीचे रात गुजारने को मजबूर हैं। उन्होंने बताया कि भीषण ठंड का प्रभाव बढ़ता जा रहा हैं। सूर्य देवता के दर्शन दुर्लभ हैं, जिससे वृद्धजनों, महिलाओं, छात्र-छात्राओं व बच्चों की परेशानी बढ़ती जा रही है, शाखा की संरक्षक बबिता ने कहा कि वस्त्र बैंक के माध्यम से वास्तविक जरूरतमंदों को स्वेटर, कोट, लोई, मफलर, शॉल, कैप, मोजा आदि ऊनी वस्त्रों द्वारा काफी राहत मिल रही हैं। उन्होंने लोगों से अपने अनुपयोगी वस्त्रों को अटल आश्रय गृह में शीघ्र पहुंचाकर बे-सहारा लोगों की मदद का हिस्सा बनने की अपील की हैं। समिति के संस्थापक आनंदनाथ गुप्ता एडवोकेट ने बताया कि मौसम सामान्य होने तक वस्त्र बैंक द्वारा निःशुल्क वस्त्रों का वितरण किया।

हरे नीम के दो पेड़ काटे, वन विभाग ने की कार्रवाई

कार्यालय संवाददाता, औरैया

अमृत विचार। द्वारकापुर में सड़क किनारे खड़े दो हरे-भरे नीम के पेड़ों को अवैध रूप से काटे जाने का मामला सामने आया है। आरोपी रामस्वरूप पुत्र मक्खन सिंह ने इन पेड़ों का ठेका देकर उन्हें कटवा दिया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय किसान और पुलिस के साथ वन विभाग ने त्वरित कार्रवाई की।

जानकारी के अनुसार, गांव के किसान अवधेश सिंह को जब इसकी भनक लगी, तो वे तुरंत अपनी जमीन पर पहुंचे। वहां पहुंचकर उन्होंने देखा कि सड़क किनारे खड़े दोनों नीम के पेड़ पूरी तरह काट दिए गए हैं। अवधेश सिंह ने फौरन इसकी शिकायत पुलिस से की। सूचना मिलते ही देवकली चौकी प्रभारी संजीव चौधरी मौके पर पहुंचे और प्राथमिक जांच-पड़ताल शुरू की। इसके बाद वन विभाग को सूचना दी गई। डिप्टी रेंजर देवेंद्र सिंह गौतम घटनास्थल पर पहुंचे और निरीक्षण किया। जांच में पाया गया कि दोनों नीम के पेड़ पूरी तरह हरे-भरे थे और बिना किसी अनुमति के उन्हें काटा गया है। मौके से कटाई में इस्तेमाल की गई मशीन, कुल्हाड़ी और फावड़ा जैसे औजार बरामद किए गए।

काटे गए नीम के पेड़। अमृत विचार

- औरैया के द्वारकापुर का मामला पुलिस भी पहुंची मौके पर

डिप्टी रेंजर ने बताया कि पेड़ काटने वाले व्यक्ति के खिलाफ वन अधिनियम के तहत सख्त कार्रवाई की जा रही है। आरोपी रामस्वरूप पर मुकदमा दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है। यह घटना एक बार फिर पर्यावरण संरक्षण को पलीता लगा रही है। नीम का पेड़ न केवल छाया प्रदान करता है बल्कि इसके औषधीय गुण भी जगप्रसिद्ध हैं। उत्तर प्रदेश में नीम सहित कई प्रजातियों के पेड़ काटने के लिए वन विभाग से अनुमति अनिवार्य है।

हवन, भंडारे के साथ भागवत कथा का समापन, श्रद्धालुओं की रही भीड़

संवाददाता, फफूंद (औरैया)

अमृत विचार। मोतीपुर के गमा देवी मंदिर पर आयोजित साप्ताहिक भागवत कथा का समापन हवन व भंडारे के साथ हुआ। इस दौरान भंडारे में प्रसाद ग्रहण करने वालों की खासी भीड़ रही। पंडित दीपक महाराज बिठूर कानपुर ने एक सप्ताह तक भागवत कथा श्रवण कराई। कथा में परीक्षित कमल सिंह कुशवाहा व पत्नी पिंक्की कुशवाहा रहे। वहीं सहयोगी भारत सिंह कुशवाहा, पम्मी गुप्ता, रेनू गुप्ता, रघुवीर सिंह कुशवाहा, अर्पित कुशवाहा, शिवदास सिंह कुशवाहा उर्फ लट्टा, आशुतोष राठौड़ उर्फ अन्नू, सीता राम, आनंद कुशवाहा, धर्मेंद्र सिंह कुशवाहा, राजकुमार कुशवाहा, दीपू, बड़े यादव, अनिल कुशवाहा, कमलेश कुशवाहा, विनोद कुशवाहा, प्रमोद कुशवाहा, जय सिंह, सुरेश कुशवाहा रहे।

भंडारे का प्रसाद ग्रहण करते श्रद्धालु। अमृत विचार

भाजपाइयों ने सुनी पीएम मोदी के मन की बात

कार्यक्रम के दौरान मौजूद लोग।

बेला। थाना क्षेत्र के गांव सिरयावा में रविवार सुबह करीब 11 बजे मंडल महामंत्री शीलू श्रीवास्तव द्वारा प्रधानमंत्री की मन की बात कार्यक्रम को सुना गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में विकास भदौरिया क्षेत्रीय महामंत्री किसान मोर्चा मौजूद रहे। ग्रामीणों ने प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम को टीवी पर देखा व मुख्य अतिथि विशिष्ट अतिथि प्रभारी आंनद कुमार सिंह, समेत अतिथियों का फूल माला पहनाकर स्वागत किया। इस मौके पर पूर्व मंडल अध्यक्ष ओम प्रकाश मिश्रा, नीलेश भदौरिया मंडल उपाध्यक्ष, सुरेश चंद्र प्रजापति मंडल उपाध्यक्ष, सुरेश चंद्र प्रजापति मंडल मंत्री किसान मोर्चा, अभिषेक कुमार बूथ अध्यक्ष, राम रतन, गजेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

रेलवे क्रॉसिंग पर 10 मिनट तक खड़ी रही ट्रेन, जाम से परेशानी

संवाददाता, अछल्दा

अमृत विचार। रविवार सुबह करीब 10:30 बजे आनंदविहार से हटिया जा रही एक्सप्रेस ट्रेन चेन पुलिंग के चलते रेलवे क्रॉसिंग पर लगभग 10 मिनट तक खड़ी रही। अचानक ट्रेन रुकने से रेलवे क्रॉसिंग पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई, जिससे राहगीरों और स्थानीय लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। जाम में फंसे लोग घंटों जाम खुलने का इंतजार करते रहे। कुछ लोग तो जाम देखकर वापस ही लौट गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रेन के रुकते ही सड़क यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। इससे दैनिक यात्रियों को खासा इंतजार करना पड़ा। कुछ ही देर में मौके पर रेलवे कर्मचारी पहुंचे और स्थिति को संभालते हुए ट्रेन को आगे रवाना कराया। ट्रेन के रवाना होते ही यातायात धीरे-धीरे सामान्य हुआ। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, चेन पुलिंग करने वाले यात्री की पहचान की जा रही है और नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

स्टेशन पर खड़ी ट्रेन। अमृत विचार

रिटायर्ड फौजी से 64 सौ रुपये की टप्पेबाजी

संवाददाता, फफूंद, औरैया

अमृत विचार। कस्बे के मोहल्ला ऊंचा टीला निवासी रिटायर्ड फौजी प्रभुदयाल के साथ बाइक सवार युवकों द्वारा टप्पेबाजी कर रुपये उड़ाने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने थाना फफूंद में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है पुलिस मुकदमा दर्ज कर खुलासे में जुट गई है।

मोहल्ला ऊंचा टीला निवासी प्रभुदयाल आर्मी से रिटायर्ड है। पुलिस को तहरीर देकर बताया कि शनिवार शाम करीब चार बजे वह घर के बाहर टहल रहे थे। इसी दौरान दो युवक बाइक से पहुंचे और रिश्तेदारी का हवाला देकर बातचीत करने लगे, मकान और दुकान दिखाने के लिए भरोसे में लेकर दोनों युवक उन्हें बाइक पर बैठाकर औरैया रोड की ओर ले गए। रास्ते में उनकी जेब से 6400 रुपये निकाल लिए। कुछ दूरी पर एक कपड़े की दुकान पर युवकों ने उन्हें उतार दिया। जब उन्होंने जेब टटोली तो रुपये गायब थे। तब तक आरोपी बाइक समेत फरार हो चुके थे। घटना के बाद से पीड़ित और परिवार भयभीत है। प्रभारी निरीक्षक जयप्रकाश पाल ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की गई है।

आयोजन | आस्ताना आलिया समदिया फफूंद में हुआ कार्यक्रम

गरीब नवाज के कुल की फातिहा में उमड़े अकीदतमंद

संवाददाता, फफूंद (औरैया)

अमृत विचार। राजस्थान के अजमेर शरीफ में चल रहे सूफी संत हजरत ख्वाजा गरीब नवाज चिश्ती के 814वें उर्स मुबारक के मौके पर हर साल की तरह इस साल भी नगर की खानकाह आस्ताना आलिया समदिया फफूंद में गरीब नवाज की छठी शरीफ के कुल की फातिहा का एहतिमाम हुआ।

शनिवार को सूफी संत हजरत ख्वाजा गरीब नवाज चिश्ती अजमेरी के अजमेर हुए छठी शरीफ के कुल की फातिहा के मद्देनजर 814 उर्स मुबारक के मौके पर हर साल की तरह इस साल भी फफूंद स्थित खानकाह आस्ताना आलिया समदिया मिस्बाहिया में सज्जादा नशीन सैयद अख्तर मियां चिश्ती के जानशीन सैयद नवाज अख्तर चिश्ती की सरपरस्ती में गरीब नवाज की छठी शरीफ के कुल की फातिहा का एहतिमाम किया गया। जिसकी शुरुआत असर की नमाज के बाद कुरआन ख्वानी से हुई और नमाज के बाद तकरीर का प्रोग्राम हुआ। जिसमें उलमाए किराम ने गरीब नवाज की करामातें बयान कर उनकी जिंदगी के बारे में बताया। वहीं, इशा की नमाज के बाद महफिले समां हुई जिसमें कव्वालों ने गरीब नवाज की शान में बहतरीन कलाम पढ़ लोगों की वाहवाही लूटी। जिसके बाद गरीब नवाज के कुल शरीफ की फातिहा हुई। फातिहा के बाद लोगों को गरीब नवाज का चिश्ती लंगर हुआ। गरीब नवाज के उर्स के मौके पर सैकड़ों की संख्या में अकीदतमंद लोगों ने आस्ताने पर स्थित दरगाह पहुंचकर हाजिरी देकर फातिहा पढ़ी और दुआएं मांगी।

फातिहा पढ़ दुआ मांगते सैयद नवाज अख्तर चिश्ती। अमृत विचार

राहगीरों को पिलाई चाय और काफी

फफूंद। गरीब नवाज के 814वें उर्स मुबारक के मौके पर बज्मे नातो अदब कमेटी की तरफ से आस्ताना आलिया समदिया के गेट के बाहर लोगों के लिए सबील-ए चिश्ती लगाई गई। इसमें राहगीरों के लिए चाय, कॉफी, बिस्कुट आदि का इंतिजाम किया गया। उद्घाटन सैय्यद मंजर मियां चिश्ती ने किया और उन्होंने बताया कि इस्लाम धर्म में किसी को भी पानी/चाय पिलाना सबसे नेक और बड़ा सवाब का काम है। संस्था के लोगों ने रास्ता से गुजरने वाले सभी राहगीरों को चाय पिलाई। इस मौके पर सैय्यद अब्दुल्ला मियां चिश्ती, सैय्यद मुहम्मद मियां चिश्ती, मुस्तकीम चिश्ती, मुशीर चिश्ती, नफीस चिश्ती आदि मौजूद रहे।

बिहारीपुर ने खानपुर को हरा जीता लीग का उद्घाटन मैच

संवाददाता, कंचौसी

अमृत विचार। कंचौसी प्रीमियर लीग के पहले दिन उद्घाटन मैच में रविवार को खेले गए मुकाबले में दर्शकों को रोमांचक क्रिकेट देखने को मिला। पहले मैच में बिहारीपुर टीम ने खानपुर औरैया को 18 रनों से पराजित कर मैच जीत लिया। खेले गए पहले मुकाबले में बिहारीपुर के कप्तान राहुल सिंह ठाकुर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया।

10-10 ओवर के इस मुकाबले में बिहारीपुर की टीम ने निर्धारित 10 ओवर में 71 रन बनाए। जवाब में खानपुर औरैया की टीम बिखर गई और 51 रनों पर ऑल आउट हो गई, जिससे यह मैच बिहारीपुर ने 18 रनों से जीत लिया। दूसरा मुकाबला रसूलाबाद और औरैया के बीच खेला गया, औरैया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए टीम ने 10 ओवर में 64 रन बनाए, बल्लेबाजी करने उतरी रसूलाबाद की टीम ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए यह मैच चार विकेट गवाकर 8 ओवरों में 6 विकेट से जीत लिया। मैच का शुभारंभ ग्राम प्रधान कंचौसी गांव प्रतिनिधि भूरे चौबे ने फीता काटकर किया, इस मौके पर ब्लॉक प्रमुख सहार प्रतिनिधि भूरा तिवारी, अवधेश कुमार, आशु शुक्ला, हर्षित सविता, शेरा यादव मौजूद रहे।

टूर्नामेंट का शुभारंभ करते अतिथि। अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

आरोग्य मेले में 48 मरीजों का इलाज

पौथिया। नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के आरोग्य मेला में 48 मरीज़ पहुंचे। सर्दी, जुकाम, बुखार, हाइपर टेंशन सहित गर्भवती महिलाओं ने स्वास्थ्य परीक्षण कराया। यहां डॉ. भावना सोनकर, डा. मीना सचान, फार्मासिस्ट प्रदीप सचान, सीएचओ आस्था सचान, अन्नपूर्णा सचान, एएनएम कल्पना सिंह रहीं।

महंगी देशी शराब बेचने पर पकड़ा

बिवांर। थाना क्षेत्र के भरखरी गांव में सुरेश पुत्र किशोरी लाल अपने घर से देशी शराब के क्वार्टर महंगे दामों पर बिक्री करते धरा गया। मुखबिर की सूचना पर एसआई अंकित बैसला ने उसे 42 क्वार्टर के साथ पकड़ा। इसके बाद मुचलके पर छोड़ दिया।

प्रेमी संग रहने की जिद पर अड़ी विवाहिता

बिवांर। भुगैचा गांव की युवती की शादी छानी में हुई थी। पौथिया के जितेंद्र कुमार से इंस्टाग्राम पर प्यार की दीवानगी में वह पति को छोड़कर मायके आ गई। अब परिजनों से प्रेमी के साथ शादी करने की जिद पर अड़ी है। उसने प्रेमी के साथ रहने की बात कह थाने में तहरीर दी है। थानाध्यक्ष नंदराम प्रजापति ने बताया कि जांच के बाद कदम उठाया जाएगा।

ट्रक की टक्कर से घोड़े की गई जान

राठ। नवैनी निवासी जगदीश कुमार ने बताया कि वह जलूस में अपना घोड़ा लेकर लाया था। शाम को घर जा रहा था, तभी हमीरपुर रोड पर साईं मंदिर के पास तेज रफ्तार ट्रक ने घोड़े को टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घोड़े से परिवार का भरण पोषण होता था। इंस्पेक्टर राकेश कुमार ने बताया कि जांच कराकर कार्रवाई की जाएगी।

मनरेगा खत्म करने पर विरोध-प्रदर्शन

मौदहा। इलाही तालाब स्थित दफ्तर में कांग्रेस ने पार्टी का स्थापना दिवस मनाया। नगर अध्यक्ष अहमद हसन के नेतृत्व में गांधी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर मनरेगा खत्म करने पर विरोध जताया। यहां कांग्रेस यूथ ब्रिगेड के विवेक चंद्र, सलीम अहमद, मो जाकिर बब्बन, डा. शाहिद अली, तबीब खान, कमालउद्दीन, रमजान खान आदि कांग्रेसी मौजूद रहे।

बर्फीली हवा ने बढ़ाई गलन, कांप उठे बदन

संवाददाता, मौदहा (हमीरपुर)

- 8 डिग्री सेल्सियस पहुंचा न्यूनतम तापमान, घरों में दुबके लोग
- 3.5 किलोमीटर की रफ्तार से चली हवा, सरसों को नुकसान

कोहरे के चलते हाईवे पर हेडलाइन जलाकर गुजरे वाहन। अमृत विचार

अमृत विचार। कोहरे और कड़ाके की ठंड ने जनजीवन प्रभावित कर दिया है। बर्फीली हवा से गलन बढ़ गई है। रविवार सुबह से ही घनी धुंध छाई रही, जिससे आम लोगों को दैनिक कार्यों में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। सड़कों पर आवाजाही कम दिखी। शाम 4 बजे के बाद ठंड का असर और बढ़ा तो लोग घरों की ओर लौटने लगे। पूरे दिन पछुआ हवा चलती रही, जिससे लोग ठंड से कांपते नजर आए।

मौसम विभाग के अनुसार अधिकतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पछुआ हवा की गति 3.5 किमी प्रति घंटा रही। कोहरे के कारण दिन भर धूप नहीं निकली, आम जन घरों में आग, वहीं दुकानदार अलाव का सहारा लिए बैठे रहे, लेकिन शाम चार बजे मौसम फिर बदल गया। गलन बढ़ने से लोग घरों में रूम हीटर, ब्लोअर और अलाव के सहारे ठंड से बचने की कोशिश करते रहे। सरकारी और गैर सरकारी दफ्तरों में अधिकारी और कर्मचारी पूरी सावधानी के साथ कामकाज करते दिखे। लोग स्वेटर, जैकेट, टोपी और मफलर पहनकर कार्यालय पहुंचे। कई दफ्तरों में हीटर और मौसम में बदलाव का सेहत पर पड़ रहा असर लगातार बदलते मौसम का असर लोगों की सेहत पर पड़ रहा है। तापमान में उतार-चढ़ाव से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो रही है। चिकित्सकों के अनुसार इस मौसम में सर्दी, जुकाम, बुखार, पेट दर्द के साथ हृदयरोग और लकवा से जुड़े मरीजों की संख्या बढ़ रही है। बच्चे और बुजुर्ग ठंड से अधिक प्रभावित हो रहे हैं। ब्लोअर का उपयोग किया जा रहा है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की ओपीडी और वार्डों में भी ब्लोअर लगाए गए हैं। किसान भागवत प्रसाद ने बताया कि गेहूं की फसल पर कोहरे का प्रभाव सीमित रहता है, जबकि आलू, सरसों, चना और सब्जी फसलों को नुकसान की आशंका रहती है। पत्तों पर अधिक नमी जमने से फंगल रोग की संभावना बढ़ जाती है, जिससे फसल की पैदावार प्रभावित हो सकती है।

सिंचाई करते समय किसान की थमीं सांस

राठ। चिकासी थाने के चक अमरपुरा गांव में संदिग्ध परिस्थितियों में 59 वर्षीय किसान की मौत का मामला सामने आया है। मृतक किसान के परिजनों का कहना है कि गेहूं फसल की सिंचाई करते ठंड लगने से मौत हुई है। चक अमरपुरा गांव निवासी 59 वर्षीय कालीचरण पुत्र बिता की रविवार को अचानक खेतों में सिंचाई करते संदिग्ध परिस्थितियों में हालत बिगड़ गई। आनन फानन परिजन उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लेकर पहुंचे। जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के पुत्र राजकुमार ने बताया कि पिता खेत में गेंहू फसल की सिंचाई करने गए थे। सिंचाई करते ठंड लगने से हालत बिगड़ गई। जिसके बाद सरकारी अस्पताल पहुंचे, जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। बताया कि मृतक कालीचरण अपनी आठ बीघा कृषि भूमि में खेती किसानी और पशुपालन करते थे। अपने पीछे पत्नी कल्ली और मां भगवती सहित पुत्र राजकुमार और शिवकुमार सहित अन्य सभी परिजनों को रोता बिलखता छोड़ गए हैं। सीएचसी के चिकित्साधिकारी कनिष्क माहुर ने बताया कि परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम नहीं कराया है। बगैर पोस्टमार्टम के ही शव ले गए हैं।

नाले की ढाल पर पलटा ट्रैक्टर, किसान की मौत

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

अमृत विचार। सुमेरपुर थाना क्षेत्र के बिरखेरा गांव में निजी नलकूप से घर लौट रहे किसान की ट्रैक्टर पलटने से दबकर मौत हो गई। अचानक हुई घटना से परिजनों में कोहराम मचा रहा।

बिरखेरा निवासी रामनारायण यादव ने बताया कि उसका पुत्र अवधेश यादव (32) खेतों में काम करने के बाद रात करीब 8:30 बजे अपने निजी नलकूप से ट्रैक्टर लेकर गांव आ रहा था। तभी कोहरे के चलते करोड़न नाले की ढाल में ट्रैक्टर पलट गया। जिसके नीचे दबकर उसकी मौत हो गई। काफी देर तक गांव न पहुंचने पर परिजन खेतों की ओर गए तो अवधेश ट्रैक्टर के नीचे दबा हुआ था। परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। अचानक हुई इस घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। पत्नी मिथलेश, पुत्र रीशू (10) और नीशू (6) रोते-बिलखते रहे। अवधेश यादव भाइयों में सबसे बड़ा था।

बस स्टैंड पर कार में डंपर ने मारी टक्कर

बिवांर। मुस्करा के पुराजहांन गांव निवासी सुभाष पुत्र देव सिंह कार से दोपहर कानपुर जा रहा था। उसके साथ दो युवक थे। बिवांर बस स्टॉप पर सड़क के किनारे कार खड़ी कर एक होटल में चला गया। इस बीच कानपुर की तरफ से आए डंपर ने टक्कर मारकर कार को क्षतिग्रस्त कर दिया। पुलिस ने डंपर को थाने में खड़ा कराकर चालक को हिरासत में ले लिया है। एसओ नंदराम प्रजापति ने कहा कि चालक के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

उमराहट कांड में चौकी इंचार्ज लाइन हाजिर

पुलिस टीम पर जानलेवा हमले और सरकारी पिस्टल छीने जाने के मामले में पुलिस कप्तान दीक्षा शर्मा ने उठाया कदम

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

- मकान के ऊपर से गुजरी बिजली की लाइन से हुआ हादसा
- हादसे की सूचना पर अस्पताल पहुंची मुस्करा पुलिस

20 सब इंस्पेक्टर इधर से उधर दौड़ाए गए

- पुलिस अधीक्षक डॉ.दीक्षा शर्मा ने हरौलीपुर चौकी इंचार्ज को लाइन हाजिर करने के साथ ही 20 उप निरीक्षकों के कार्य क्षेत्र में फेरबदल किया है। यमुना बैंक चौकी प्रभारी सुरेंद्र पाल, कपिल मलिक (सुरौली), शिवसहाय (रामलीला मैदान), वरुण कुमार (कोट बाजार), गौरव शुक्ला (सब्जी मंडी) और ईश्वर नरायन (सरीला) के साथ वरिष्ठ उप निरीक्षक प्रिंस दीक्षित (राठ), ब्रजेश कुमार सिंह (कुरारा), दुर्गेश कुमार राय (सुमेरपुर) और शांतनु चतुर्वेदी (जरिया) के अलावा मोहनलाल, हरिप्रताप, दिलीप कुमार, स्वदेश कुमार, राकेश और अजय कुमार को थानों में नई तैनाती दी है।

अमृत विचार। कुरारा थाना क्षेत्र के उमराहट गांव में पुलिस टीम पर हुए जानलेवा हमले और सरकारी पिस्टल छीनने के मामले में पुलिस अधीक्षक डॉ. दीक्षा शर्मा ने कड़ा रुख अपनाया है। पूरे मामले में लापरवाही बरतने और बसपा, भाजपा नेताओं के पीड़ित परिवारों से मुलाकात करने के बाद एसपी ने हरौलीपुर चौकी प्रभारी राजेंद्र प्रसाद को लाइन हाजिर कर दिया है। सिपाही पर हमला करने के मामले में अब तक 23 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

पिछली 2 दिसंबर को उमराहट गांव में विवाद सुलझाने पहुंची पुलिस टीम पर ग्रामीणों ने पथराव कर सिपाही को बंधक बना लिया था। हमले में सिपाही गंभीर रूप से घायल हुआ था। ग्रामीणों ने हरौलीपुर पुलिस चौकी इंचार्ज राजेंद्र प्रसाद की सरकारी पिस्टल भी छीन ली थी। इस मामले में 19 नामजद व अन्य अज्ञात लोगों पर मुकदमा दर्ज हुआ है। इस घटना में अब तक 23 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। ऐसे में गांव के ज्यादातर लोग भूमिगत होने के साथ राजनीतिक दलों के नेताओं की शरण में पहुंच रहे हैं।

शनिवार को बसपा नेताओं ने उमराहट गांव पहुंचकर पीड़ित परिवारों से मुलाकात की थी और उन्हें इंसाफ दिलाने का भरोसा दिया था। रविवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति के भाजपा नेताओं के साथ उमराहट पहुंचे और पुलिस कार्रवाई की निंदा कर हर संभव मदद का भरोसा दिए जाने के बाद देर शाम हरौलीपुर चौकी इंचार्ज को लाइन हाजिर कर दिया गया। मामला गरमाते देख पुलिस कप्तान ने राजेंद्र प्रसाद को हटाकर एसआई चंद्रभान को हरौलीपुर मनकी का नया चौकी प्रभारी बनाया है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री पीड़ित परिवारों से मिलीं

संवाददाता, कुरारा (हमीरपुर)

उमराहट में ग्रामीणों से बातचीत करतीं पूर्व केंद्रीय मंत्री निरंजन ज्योति। अमृत विचार

अमृत विचार। उमराहट पुरवा में सिपाही को बंधक बनाकर लहूलुहान करने के मामले में निषाद समाज के लोगों की गिरफ्तारी को लेकर पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री साध्वी निरंजन ज्योति गांव पहुंची। उन्होंने मामले की निष्पक्ष उच्च स्तरीय जांच कराए जाने व निर्दोषों को न्याय दिलाने का आश्वासन दिया।

थाना क्षेत्र के उमराहट पुरवा में बीते 2 दिसंबर को जांच करने गए सिपाही आशीष मौर्य के साथ गांव के लोगों ने बंधक बनाकर लहूलुहान कर दिया था। साथ ही चौकी इंचार्ज की पिस्टल छीन ली थी। जिस पर पुलिस ने 19 नामजद व कई अन्य आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की वहीं अभी तक 25 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। रविवार को पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति, चेयरमैन कुलदीप निषाद, ब्लॉक प्रमुख आशीष पालीवाल सहित कई भाजपा नेता गांव पहुंचे।

निषाद समाज की महिलाओं से मिल पूछताछ की। जिस पर गांव की महिलाओं ने कहा कि उनके पति निर्दोष हैं। उन्हें गलत फंसाया जा रहा है। घटना करने वाले लोग एक ही परिवार के हैं। जिस पर पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री ने आश्वासन दिया कि निर्दोष लोगो को न्याय दिलाया जाएगा और जो दोषी होगा उसे सजा मिलेगी। इस मौके पर सीओ सदर राजेश कमल व कोतवाली प्रभारी रामआसरे सरोज आदि मौजूद रहे।

कांग्रेस ने वोट चोरी कर नेहरू को पीएम बनाया

सरीला। यदि देश के पहले प्रधानमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल होते तो देश का बंटवारा नहीं होता और नासूर रूपी पाकिस्तान पैदा नहीं होता। यह बात शनिवार को अटल स्मृति सम्मेलन एवं एसआईआर कार्यशाला में पूर्व केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने कही।

उन्होंने वोट चोरी के मुद्दे पर कहा कि आजादी के बाद पहला प्रधानमंत्री बनाने का जनादेश सरदार वल्लभभाई पटेल के पक्ष में था, मगर कांग्रेस ने वोट चोरी कर जवाहरलाल नेहरू को प्रधानमंत्री बनाया। जालौन के पूर्व विधायक नरेंद्र सिंह जादौन ने अटल जी की पंक्तियां 'हार नहीं मानूंगा, रार नहीं ठानूंगा' सुनाते हुए इमरजेंसी की बर्बरता याद दिलाई। विधायक मनीषा अनुरागी, जिला पंचायत अध्यक्ष जयंती राजपूत, जिलाध्यक्ष शकुंतला निषाद ने विचार रखे। छह ग्राम प्रधानों को सदस्यता दिलाई गई। संचालन जिला महामंत्री नरवेंद्र सिंह ने किया। पूर्व विधायक अम्बेश कुमारी, केके त्रिवेदी, उमाकांत सिंह राजपूत, अरुण राजपूत आदि रहे।

भूमि पूजन करते सदर विधायक डॉ. मनोज प्रजापति। अमृत विचार

सहुरापुर के लिए बनेगी आरसीसी रोड

संवाददाता, पौथिया (हमीरपुर)

अमृत विचार। लंबे समय से जर्जर सहुरापुर लिंक मार्ग के दिन बहुरेंगे। रविवार को सदर विधायक डॉ. मनोज कुमार प्रजापति, भाजपा जिलाध्यक्ष शकुंतला निषाद के साथ सड़क निर्माण के लिए भूमि पूजन किया। ग्रामीणों ने आभार जताया।

स्टेट हाईवे के सिकरी श्रमदान चौराहे से सहुरापुर जाने वाली 3 किमी सड़क कई वर्षों से जर्जर है। गड्ढों में तब्दील होने से आवागमन प्रभावित है। सदर विधायक डॉ. मनोज प्रजापति के प्रयासों से शासन ने 4 करोड़ की धनराशि स्वीकृत की है, जिससे आरसीसी रोड बनेगी। रविवार को सदर विधायक ने सड़क का भूमि पूजन किया। यहां मौजूद रामबिहारी सिंह, अजय, लाखन सिंह, चुन्नू, श्यामबाबू, रामबाबू निषाद, कक्कू सिंह, रामबहादुर सिंह ने आभार जताया। ग्रामीणों ने बताया कि खदान की वजह से सड़क खराब होती है। अब आरसीसी सड़क बनने से काफी सहूलियत मिलेगी।

भाजपाइयों ने सुनी 'मन की बात'

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

प्रधानमंत्री के मन की बात सुनते राज्यसभा सदस्य बाबूराम निषाद और भाजपाई।

अमृत विचार। साल के आखिरी रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 129वीं मन की बात सुनी गई। जिलाध्यक्ष शकुंतला निषाद, क्षेत्रीय सह मीडिया प्रभारी अनूप अवस्थी सदर विधायक डॉ मनोज प्रजापति, जिला पदाधिकारियों, मंडल व बूथ अध्यक्षों ने अपने-अपने निर्धारित स्थानों पर शामिल हुए।

राज्यसभा सदस्य बाबूराम निषाद ने हमीरपुर नगर में कार्यक्रम सुना। इस कार्यक्रम में नगर अध्यक्ष अंकित गुप्ता गौ सेवा आयोग के सदस्य राजेश सिंह सेंगर, राज्यसभा सांसद प्रतिनिधि अशोक तिवारी, कानपुर बुन्देलखण्ड पिछड़ा मोर्चा के महामंत्री गणेश यादव, निवर्तमान डिस्ट्रिक कॉपरेटिव बैंक के उपाध्यक्ष सन्तोष गुप्ता, डीसीडीएफ के चेयरमैन जितेन्द्र सिंह, जिला उपाध्यक्ष नीलम बाजपेई, जिला उपाध्यक्ष राधा चौरसिया, कृष्णा निषाद, अरविंद श्रीवास्तव, दुर्गेश ओमर, शिवेन्द्र सिंह, आशुतोष शुक्ला, रवि सान्याल, सीमा वर्मा, रचना शुक्ला, कुलदीप श्रीवास सहित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

वहीं शक्ति केन्द्र कनौटा शीतलपुर बूथ संख्या 86 में कार्यकर्ताओं मन की बात के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खेलों में ऐतिहासिक सफलताएं, विज्ञान व अंतरिक्ष में नई उड़ान, युवाओं का नवाचार, आस्था और विरासत का पुनर्जागरण सहित 2025 की उपलब्धियों को साझा किया। अभिनव तिवारी ने कहा मन की बात राष्ट्र की सफलताओं और प्रेरक प्रयासों को जन-जन तक पहुंचाकर देशवासियों को सकारात्मक सोच और सक्रिय सहभागिता के लिए निरंतर प्रेरित करता है। इस अवसर पर नकुल पांडे, शैलेंद्र निषाद, अंकित सिंह, धीरेंद्र, उमेश, ईश्वरीदीन आदि बूथ कार्यकर्ता एवं पार्टी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

आपदा मित्र संगठन ने उठाई समस्याएं

राठ। चौपरा मंदिर में नेशनल आपदा मित्र संगठन की बैठक हुई, जिसमें जिलाध्यक्ष ऋषभदेव यादव ने संगठन की एकता को लेकर चर्चा की। इस मौके पर मानदेय को लेकर सरकार की घोषणा और नियमित काम के लिए प्रेरित किया।

बैठक में कहा गया कि आपदा मित्र जो कार्य कर रहे हैं, उसके बदले एक रुपये नहीं मिल रहा है, जबकि बिहार सरकार आपदा मित्रों को वेतन दे रही है। उत्तर प्रदेश सरकार आपदा मित्रों के मूल वेतन और भविष्य के लिए काम करे। जिलाध्यक्ष ने कहा कि तहसील अध्यक्ष मुबीन अहमद के रेस्क्यू को लेकर सरकार गंभीर हो। जिला प्रशासन ने अभी तक मुबीन अहमद को कभी सम्मान नहीं दिया। बैठक में मधु सिंह, ललित कुमार, सत्येंद्र कुमार, दीपकांत पाठक, आपदा सखी रिना, टीकम सिंह, मौजूद रहे। संचालन इलियास ने किया।

हिंदुओं पर अत्याचार के विरोध में फूंका पुतला

संवाददाता, बिवांर (हमीरपुर)

- बांग्लादेश के प्रधानमंत्री के पुतले को पहनाई जूतों की माला
- भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने निवादा गांव में पुतला जला जताया गुस्सा

पुतला फूंकते भाजयुमो कार्यकर्ता।

अमृत विचार। बांग्लादेश में हिंदुओं पर लगातार हो रहे अत्याचार के खिलाफ हिंदू संगठन आक्रोश दिखा रहे हैं। भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने रविवार को बांग्लादेश के प्रधानमंत्री का पुतला फूंककर विरोध जताया।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार एवं धार्मिक स्थलों की तोड़फोड़ किए जाने पर सभी हिन्दू संगठनों में इस समय आक्रोश व्याप्त है। जिसको लेकर मुस्करा विकास खंड के निवादा गांव में सड़क किनारे मैदान में भाजपा नेता राजदीप सिंह की अगुवाई में बांग्लादेश के प्रधानमंत्री का प्रतीकात्मक पुतला फूंककर विरोध जताकर नाराजगी जाहिर की। भारत सरकार से बांग्लादेश में हो रहे हिंदुओं की हत्याएं तथा धार्मिक स्थलों की तोड़फोड़ रोकने के लिए प्रभावी कार्रवाई किए जाने की मांग की है। इस मौके पर अंशुमान सिंह, छोटू सिंह, राहुल सिंह, अनूप प्रजापति, राजा सिंह, आलोक सिंह सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम | सृजन एक सोच संस्था की ओर से राठ की सत्कार वाटिका में आयोजित किए गए विभिन्न कार्यक्रम

विज्ञान प्रदर्शनी में नन्हे वैज्ञानिकों ने दिखाई प्रतिभा

संवाददाता, राठ (हमीरपुर)

विज्ञान प्रदर्शनी का अवलोकन करते एसडीएम व सीओ। अमृत विचार

बच्चों को पुरस्कार देते संस्था के पदाधिकारी। अमृत विचार

अमृत विचार। सृजन एक सोच संस्था की ओर से रविवार को कस्बे के सत्कार वाटिका में विज्ञान प्रदर्शनी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न स्कूलों के बच्चों ने अपनी अभिनय एवं वैज्ञानिक क्षमता का प्रदर्शन किया। बच्चों ने सौर ऊर्जा, जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन, स्वच्छता पर्यावरण संरक्षण, यातायात नियमों जैसे विषयों पर मॉडल बनाकर प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ एसडीएम अभिमन्यु कुमार और सीओ राजीव प्रताप सिंह ने दीप प्रज्जवलित कर किया। एसडीएम ने कहा कि संस्था द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्य प्रशंसनीय हैं। विद्यालयों में स्मार्ट क्लास जैसी पहल के साथ ऐसे आयोजन ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभाओं को मंच प्रदान करते हैं। पुलिस उपाधीक्षक राजीव प्रताप सिंह ने आयोजन की सफलता पर संस्था की टीम को बधाई दी। कहा कि इस तरह के कार्यक्रम बच्चों के विकास और आत्मविश्वास बढ़ाने में सहायक हैं।

संस्था के कंट्री हेड विनय गुप्ता ने बताया कि 'उड़ान-3' का आयोजन हुआ। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यालय को 31 हजार, द्वितीय स्थान पर 21 हजार तथा तृतीय स्थान को 11 हजार रुपये का पुरस्कार दिया गया। संस्था के शिवांक श्रीवास्तव ने अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। शालिनी तिवारी, गोविंद अग्रवाल, मनीष आकांक्षा, प्रतीक्षा, पूजा, अतुल, राज, शैल्या, अंजू, दिव्यांशी, मनीष, आशुतोष, पंकज, प्रशांत, तुषार आदि लोग मौजूद रहे।

दीपोत्सव में मेधावियों का सम्मान

संवाददाता, मौदहा (हमीरपुर)

- यूपी बोर्ड परीक्षा के उत्तीर्ण छात्रों को नकद पुरस्कार दिया गया
- मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए सदर विधायक मनोज प्रजापति

वार्षिकोत्सव के मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश करते छात्र। अमृत विचार

अमृत विचार। कस्बू के नेशनल इण्टर कालेज में स्व.राम गोपाल गुप्ता उर्फ गोपाल जी और लक्ष्मी नारायण गुप्ता उर्फ आनंद जी की पुण्यतिथि मनाई गई। मुख्य अतिथि के रूप में सदर विधायक डा.मनोज कुमार प्रजापति शामिल हुए।

कस्बे में नेशनल इण्टर कालेज के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले गोपाल जी और आनंद जी की पुण्यतिथि रविवार को दीपोत्सव के रूप में मनाई गई। मुख्य अतिथि सदर विधायक डा. मनोज प्रजापति और विशिष्ट अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष रजा मोहम्मद उर्फ़ श्रीनाथ रहे। विद्यालय के प्रबंधक राजेंद्र किशोर गुप्ता और प्रधानाचार्य दया शंकर त्रिपाठी ने कार्यक्रम में आए अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में यूपी बोर्ड परीक्षा 2025 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यालय के छात्रों को नगद पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान सुनील गुप्ता, डा.चंदन गुप्ता, राहुल नगायच, अनिल द्विवेदी, अमन द्विवेदी, सजल श्रीवास्तव सहित सैकड़ों गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम में मंच का संचालन मुनेश कुमार और आशीष विश्वकर्मा ने किया।

अमृत विचार

कानपुर, सोमवार, 29 दिसंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

आग से झुलसे वृद्ध की झांसी में मौत

महोबा। कबरई क्षेत्र के अलीपुरा गांव में खेत में शनिवार को एक वृद्ध ने शरीर पर डीजल डालकर आग लगा ली थी, जिला अस्पताल में डॉक्टर ने उसका प्राथमिक उपचार के बाद उसे मेडिकल कॉलेज झांसी के लिए रेफर कर दिया था जहां पर उपचार के दौरान रविवार को उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अलीपुरा गांव निवासी जगदीश 65 पुत्र अच्छेलाल खेत में मकान बनाकर रहता था। शनिवार को उसने डीजल डालकर आत्महत्या का प्रयास किया, लेकिन परिजनों ने उसे आनन-फानन में जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां पर स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों ने उसका प्राथमिक उपचार करने के बाद मेडिकल कॉलेज झांसी भेज दिया, जहां पर रविवार को वृद्ध की मौत हो गई। वृद्ध की मौत की खबर आते ही मृतक के घर में रोना पीटना मच गया।

किसान का खेत पर पड़ा मिला शव

महोबा। थाना कबरई क्षेत्र के ननौरा गांव में खेत में एक पचास वर्षीय किसान का शव खेत में पड़ा मिला। परिजनों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेजने के बाद जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार ननौरा गांव निवासी गोवर्धन कुशवाहा खेत पर बने घर में सो रहा था। रविवार की सुबह करीब चार बजे सिंचाई करने के लिए खेत पर चला गया। उसकी पत्नी जब करीब ग्यारह बजे खाना लेकर खेत पर पहुंची तो वह अचेत अवस्था में पड़ा मिला। शोर मचाने पर आसपास के खेत पर काम कर रहे किसान मौके पर पहुंचे और अचेत पड़े किसान को देखा तो उसकी मौत हो चुकी थी। परिजनों का कहना है कि कोहरे के साथ पड़ रही कडाके की ठंड के बीच सिंचाई करने से उनकी ठंड लगने से मौत हुई। पुत्र रवि ने बताया कि पिता कुछ समयसे फसल के नुकसान और खेती में लगातार घाटे को लेकर मानिसक तनाव में चल रहे थे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने के साथ जांच शुरू कर दी है। फिलहाल मौत का सही कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही ज्ञात हो सकेगा।

किसान को सांप के जोड़े ने डसा, भर्ती

महोबा। थाना अजनर क्षेत्र के अरघटमऊ में खेत पर सिंचाई करते समय एक किसान को सांप के जोड़े ने डस लिया। चीख पुकार सुनने के बाद परिजन व अन्य किसानों ने उसे उठाया और इलाज के लिए जिला अस्पताल लाए। ताजुब की बात तब हुई जब परिजन सांप को मारने के बाद डाक्टर को दिखाने लाने लगे, इसी बीच दूसरे सांप ने किसान को डस लिया। यह घटना चर्चा का विषय बन गई। अरघटमऊ निवासी नरेंद्र चतुर्वेदी (35) खेत पर सिंचाई कर रहा था, तभी उसका पैर नाग-नागिन के जोड़े पर पड़ गया, जिस पर दोनों ने उसके पैर में डस लिया। सांपों के डसने से किसान अचेत होकर गिर गया और चीखने-चिल्लाने लगा। उसकी आवास सुनकर परिजन व अन्य किसान पहुंचे नरेंद्र को उठाया। कुछ लोगों ने सांप के जोड़े को देखकर लाठी से दोनों को मार डाला। किसान को जिला अस्पताल लाने के बाद किसानों ने दोनों सांपों को डाक्टरों व स्टाफ को दिखाया तो सभी लोग चौक गए। भाई अजय चतुर्वेदी ने बताया कि सांपों को अस्पताल इसलिए लाए थे कि डाक्टर सांप की प्रजाति देखकर उपचार कर सकें। नरेंद्र को भर्ती कर उपचार किया जा रहा है।

बूगी-बूगी में युवाओं ने दिखाया हुनर

महोबा। पनवाड़ी ब्लाक के टोला पातर गांव में पांच दिवसीय मेले में महिलाएं, बच्चे दुकानों से खरीदारी के साथ झूलों और सर्कस का आनंद उठा रहे हैं, वहीं मेला मैदान के सांस्कृतिक मंच पर सांस्कृतिक व गीत-संगीत के कार्यक्रम देखने के लिए भीड़ उमड़ रही है। शनिवार रात बूगी बूगी डांस का आयोजन किया गया, जिसमें स्थानीय युवक-युवतियों ने नृत्य की प्रस्तुति देकर खूब तालियां बटोरीं। बूगी-बूगी डांस में बच्चों ने धमाल मचाया। फिल्मी और भक्ति गीतों पर युवाओं ने शानदार नृत्य की प्रस्तुतियों से लोगों का मन मोह लिया। यहां चरखारी, पनवाड़ी, कुलपहाड़ के अलावा आसपास के ग्रामीण अंचलों के युवाओं ने भाग लेकर अपनी कला का प्रदर्शन किया। बूगी बूगी में युवाओं नए पुराने फिल्मी गीतों के अलावा भक्ति गीतों की सुन पर डांस किया। प्रतिभागी युवाओं को मेला समिति ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया। मेला अध्यक्ष अजय पाल सिंह ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में छिपी प्रतिभाओं को निखारने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम आयोजित किया गया, ताकि युवाओं को अपनी कला का प्रदर्शन करने का मौका मिल सके।

पत्नी के नहीं आने पर गटका जहर

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। बिलरही गांव में एक युवक ने छह माह से अपनी पत्नी के मायके से वापस नहीं आने पर आहत होकर जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। युवक की हालत खराब होने पर परिजन उसे जिला अस्पताल लाए, जहां डाक्टर ने हालत में सुधार न होने पर झांसी मेडिकल कालेज रेफर कर दिया।

जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद युवक को रेफर किया गया। अमृत विचार

श्रीनगर थाना क्षेत्र के बिलरही निवासी उमराव की मीरा के साथ कुछ साल पहले शादी हुई थी। गांव में कोई काम न मिलने पर 6 माह पहले दोनों रोजी रोटी की तलाश में पंजाब गए थे। वहां कुछ दिन मजदूरी करने के बाद मीरा को पंजाब रास नहीं आया तो उसने पति को गांव लौटने को लिए मनाया। काम की वजह से उमराव वहीं रुक गया और मीरा को गांव भेज दिया। बताते हैं कि मीरा ससुराल की जगह मायके चली गई। जब पति को यह बात पता चली तो उसने मीरा से बात की, लेकिन 6 माह बीत गए। परिजनों ने बताया कि कई बार मीरा को वापस लाने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं आई, जिससे उमराव परेशान रहने लगा। एक बार फिर वह पत्नी को मनाने ससुराल पहुंचा, लेकिन मीरा ने उसके साथ आने से साफ इनकार कर दिया। पत्नी के इस बर्ताव से उमराव बुरी तरह टूट गया। घर वापस लौटने के बाद मानसिक तनाव में उसने जहरीला पदार्थ खा लिया। उसकी तबीयत बिगड़ने पर परिजन जिला अस्पताल लाए, जहां इमरजेंसी वार्ड में प्राथमिक उपचार के बाद भी हालत गंभीर होने पर डॉक्टर ने उसे झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया है।

सेहत बिगाड़ रही कड़ाके की सर्दी

कार्यालय संवाददाता, महोबा

- ठंड से पीड़ित मरीजों की जिला अस्पताल में बढ़ रही संख्या
- कड़ाके की ठंड सबसे ज्यादा बुजुर्गों के लिए बनी मुसीबत

अमृत विचार। जिले में कड़ाके की ठंड के साथ सर्द हवाएं अब जानलेवा बन गई है। जिला अस्पताल में सबसे ज्यादा मरीज ठंड से पीड़ित उल्टी दस्त, पेट दर्द के पहुंच रहे हैं। सुबह-शाम सर्द हवाओं के चलने से लोगों की जिंदगी पटरी से उतर गई है। लोग न कामकाज कर पा रहे हैं और न ही दुकानदारी चल रही है। सर्दी और सर्द हवाओं के चलते लोग घरों में कैद हैं। इस साल की सर्दी कम होने का नाम नहीं ले रही है। रविवार को तापमान 7.7 डिग्री सेल्सियस रहा, जिससे लोग कड़ाके की ठंड में सारा दिन ठिठुरते रहे।

जिला अस्पताल के वार्ड में भर्ती मरीज। अमृत विचार

पिछले तीन दिनों से सर्दी पूरे शबाब पर है, दिन हो या रात लोगों को सर्दी से निजात नहीं मिल पा रही है। हालत यह है कि सर्दी ने आम आदमी को झकझोर कर रख दिया है। सबसे ज्यादा दिक्कत बुजुर्गों को हो रही है, थोड़ी सी लापरवाही बरतने पर लोग सर्दी का शिकार हो रहे हैं, यही वजह है कि अस्पतालों में उल्टी, दस्त, पेट दर्द, खांसी सर्दी से पीड़ित मरीज सबसे अधिक आ रहे हैं, जिससे अस्पताल में सर्दी के मौसम में भी वार्डों में मरीज भर्ती दिखाई दे रहे है। हैल्दी सीजन में भी इस साल अस्पताल में मरीज पहुंच रहे हैं और डाक्टरों के यहां ओपीडी में सबसे ज्यादा सर्दी से पीड़ित मरीज आ रहे हैं।

रिवई गांव की रहने वाली 57 वर्षीय सुमित्रा, पुरा दिदवारा गांव निवासी रामजानकी (62) सहित सहित आधा दर्जन से ज्यादा सर्दी से पीड़ित मरीजों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जबकि अन्य मरीजों को दवा देकर घर भेज दिया गया। आज तक सुबह से देर रात तक चारों तरफ अलाव और घरों में रूम हीटर, ब्लोवर चल रहे हैं, जबकि गरीब वर्ग के लोग ऐसी ही सर्दी में फुटपाथ पर पन्नी तिरपाल डालकर झुग्गी झोपड़ियों में रहने को मजबूर हैं।

छोटा बेटा ही निकला वृद्ध पिता का हत्यारा, उगल दिया सच

बड़े भाई को पूरी जायदाद दिए जाने के शक में ईंट से कूंचकर मार डाला था

खुलासा

कार्यालय संवाददाता, महोबा

- चरखारी कोतवाली क्षेत्र के गुढ़ा गांव में शुक्रवार रात हुई थी हत्या
- पुलिस ने सख्ती के साथ पूछताछ की तो खुद हत्या की बात कबूली

अमृत विचार। चरखारी थाना क्षेत्र के गुढ़ा गांव के खेत वाले मकान में पत्थर कूंचकर वृद्ध किसान की हत्या के मामले का पुलिस ने 24 घंटे के अंदर खुलासा कर दिया है। प्रारंभिक जांच और पूछताछ में छोटा बेटा ही पिता का हत्यारा निकला। पुलिस ने सख्ती के साथ पूछताछ की तो उसने सारा सच उगल दिया। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से जेल भेज दिया गया। पुलिस ने उस ईंट को भी बरामद कर लिया है, जिससे हत्या की गई।

पुलिस की हिरासत में पिता का हत्यारोपी। अमृत विचार

चरखारी थाना क्षेत्र के गुढ़ा गांव के खेत पर बने मकान में वृद्ध लालदिवान रहता था, जबकि दोनों बेटे गांव वाले मकान में परिवार के साथ रहते हैं। 26 दिसम्बर की रात लालदिवान की पत्थर से कूंच कर हत्या कर दी गई थी। इस वारदात का तब पता चला था, जब बड़ा बेटा हरनारायण शनिवार की सुबह पिता को खाना देने पहुंचा था। वृद्ध की हत्या से गांव में सनसनी फैल गई थी। चरखारी पुलिस ने प्रारंभिक जांच-पड़ताल के साथ ही फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए थे। घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक प्रबल प्रताप सिंह ने अपर पुलिस अधीक्षक वंदना सिंह और क्षेत्राधिकारी दीपक दुबे को घटना के खुलासे की जिम्मेदारी सौंपी थी। दोनों पुलिस अधिकारियों ने पुलिस टीम का गठन कर जल्द से जल्द खुलासा करने के निर्देश दिए थे। पुलिस टीम ने घटनास्थल के आसपास खेतों में काम करने वाले किसानों से पूछताछ की। इसके बाद लालदिवान के दोनों बेटों हरनारायण और भागवली से भी पूछताछ की।

छोटे बेटे भागवली के बयानों पर विरोधाभास होने पर पुलिस का शक गहराया तो सख्ती के साथ पूछताछ शुरू की गई। एएसपी वंदना सिंह ने बताया कि सख्ती से पूछताछ में छोटे बेटे भागवली ने सारा सच उगल दिया। उसने बताया कि उसे आशंका थी कि उसका बड़ा भाई हरनारायण पिता को अपने वश में किए है। वह पिता की संपूर्ण जायदाद अपने नाम कराने की योजना बना रहा है। इसी से आहत होकर उसने पिता की हत्या कर दी। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के साथ ही अदालत में पेश किया, जहां से जेल भेज दिया गया है।

ग्रुप कर रहा कैंसर पीड़िता की मदद

उरई। छह वर्षीय मासूम बच्ची ब्लड कैंसर से संघर्ष कर रही है। शरीर में लगातार खून की कमी है। बार-बार रक्त चढ़ाने की जरूरत पड़ रही है।

इंसानियत ग्रुप के संचालक सुमित प्रताप सिंह ने बताया कि बच्ची का इलाज लखनऊ मेडिकल कॉलेज में चल रहा है। ग्रुप के सदस्य आर्थिक सहायता दिलवा रहे हैं। बच्ची के पिता अशिक्षित हैं और बिहार में मेहनत-मजदूरी कर परिवार का गुजारा करते हैं। मूल रूप से उरई के उमरारखेड़ा निवासी यह परिवार बहुत गरीब है। लाइट की कोई व्यवस्था नहीं है। मां-बेटी जैसे तैसे गुजारा कर रही हैं। अपनी बेटी के इलाज के लिए लखनऊ मेडिकल कॉलेज में भटकने को मजबूर है। सुमित प्रताप सिंह ने बताया कि जब उन्होंने मेडिकल कॉलेज में बच्ची और उसके पिता से मुलाकात की, तो उनकी बेबसी और दर्द ने उन्हें भीतर तक झकझोर दिया। इंसानियत ग्रुप की ओर से समाज के लोगों से अपील की गई है कि कोई भी संवेदनशील व्यक्ति आगे आकर इस मासूम की जान बचाने में सहयोग करें।

बांग्लादेश के खिलाफ प्रदर्शन करते हिंदू संगठन के लोग। अमृत विचार

हिंदूवादी संगठन के कार्यकर्ताओं ने बांग्लादेश का पुतला फूंका

संवाददाता, कालपी (जालौन)

अमृत विचार। बांग्लादेश में हिन्दू विरोधी गतिविधियों, धर्म स्थलों पर तोड़फोड़ और हिन्दुओं की हत्या के विरोध में नगर के मुख्य फुल पावर चौराहे में हिन्दूवादी संगठनों के कार्यकर्ताओं ने रविवार को पुतला फूंककर विरोध जताया।

रविवार को नगर के बाईपास चौराहे में विश्व हिन्दू परिषद, बजरंग दल, हिन्दू जागरण मंच तथा भारतीय जनता पार्टी के नेता तथा कार्यकर्ता एकत्रित हो गये। कार्यकर्ताओं ने बांग्लादेश का विरोध करते हुए जमकर नारेबाजी की। फुल पावर चौराहे पर पुतला दहन कर भारत सरकार से बांग्लादेशी हिन्दुओं और हिन्दू धर्म स्थलों की सुरक्षा की मांग की।

इस अवसर पर भाजपा नगर अध्यक्ष सुबोध द्विवेदी, विहिप अध्यक्ष बब्बन ठाकुर, बजरंग दल संयोजक हर्ष विश्नोई, हिन्दू जागरण मंच संयोजक नीलाभ शुक्ला, दीपक शर्मा, हर्षित खन्ना समेत भारी संख्या में हिन्दू वादी संगठनों के कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया।

सिमरा शेखपुर बालू खदान पर ओवरलोडिंग का खेल!

संवाददाता, कालपी (जालौन)

अमृत विचार। प्रशासन की यमुना स्थित सिमरा शेखपुर बालू खदान पर नजर नहीं है। यहां भी बेतवा की तरह ओवरलोडिंग का खेल शुरू हो गया है, जिससे शासन को राजस्व की क्षति पहुंच रही है।

ट्रक में बालू की ओवरलोडिंग हो रही है।

शासन ने बेतवा की तरह यमुना नदी में भी खनन के पट्टे किए हैं। गत माह महेवा ब्लॉक के सिमरा शेखपुर ग्राम पंचायत में बालाजी एसोसिएट राबर्ट्सगंज सोनभद्र को गाटा संख्या- 127/1 में 11 हेक्टेयर का पट्टा मिला है, जिसमें खनन शुरू हो चुका है, लेकिन संचालक ने शुरुआत से ही ओवरलोडिंग का खेल शुरू कर दिया है, जबकि शासन ने जीरो प्वाइंट से ही ओवरलोडिंग पर रोक लगा रखी है। इसके लिए खनन विभाग के साथ प्रशासनिक जिम्मेदारों को भी कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं, लेकिन संचालक ने एकांत का फायदा उठाना शुरू कर दिया है। घाट से ट्रकों में ओवरलोडिंग की जा रही है। ट्रकों को पाल सरैनी पुल से कानपुर देहात की तरफ पास करा दिया जाता है। ग्रामीणों की मानें तो घाट संचालक उन लोगों पर घाट की तरफ जाने पर पाबंदी लगाए है। अगर कोई जाने की हिम्मत भी करता है तो न्यामतपुर चौकी पुलिस उन्हें धमकाती है। ओवरलोडिंग से सड़कें ध्वस्त हो रही हैं। एसडीएम मनोज कुमार सिंह ने कहा कि जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

अज्ञान दूर कर सही राह दिखाता गुरु

महोबा। संत कबीर अमृतवाणी सत्संग समिति की ओर से रविवार को कबीर आश्रम में सत्संग हुआ। समिति प्रमुख ने कहा कि दुनिया के सभी सुख गुरु की शरण में मिलते हैं। सच्चा सुख और ज्ञान केवल गुरु के मार्गदर्शन से ही मिलता है, जो अज्ञान के अंधकार को दूर कर जीवन को सही राह दिखाते हैं।

उन्होंने कबीर के दोहा कुमति कीच चेला भरा, गुरु ज्ञान जल होय, जनम-जनम का मोरचा, पल में डारे धोया की व्यवख्या करते हुए कहा कि कुबुद्धि रूपी कीचड़ से शिष्य भरा है, उसे धोने के लिए गुरु का ज्ञान जल है। गुड्डू अवस्थी ने कहा कि 7 द्वीप, 9 खंड, 3 लोक और 21 ब्रह्मांडों में गुरु की सत्ता है। यहां आशाराम तिवारी, हरिशंकर नायक, इंद्रजीत सिंह, परमलाल विश्वकर्मा, जगदीश रिछारिया, अधिवक्ता सुनीता अनुरगी, राजाराम चौरसिया, लखनलालख् चंदन अनुरागी सहित तमाम कबीरी भक्त मौजूद रहे।

मॉडल-क्विज में सुनील अव्वल

संवाददाता, कुलपहाड़ (महोबा)

अमृत विचार। जैतपुर ब्लाक के नवीन प्राथमिक विद्यालय में बीईओ अवनीश यादव की देखरेख में ब्लाक स्तरीय विज्ञान क्विज एवं मॉडल प्रतियोगिता हुई। प्राथमिक विद्यालय जैतपुर के छात्र सुनील कुमार ने प्रथम स्थान हासिल किया। दोनों प्रतियोगिताओं के विजयी प्रतिभागियों को शील्ड व प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया।

विजयी प्रतिभागी को पुरस्कार देते अतिथि। अमृत विचार

नवीन प्राथमिक विद्यालय में आयोजित विज्ञान क्विज एवं माडल प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने विज्ञान के मॉडल पेश किए। अधिकारियों ने माडल से सम्बन्धित प्रश्न पूछे। क्विज प्रतियोगिता के प्रतिभागियों से विज्ञान के प्रश्न पूछे गए, जिनका छात्र-छात्राओं ने संतोषजनक उत्तर दिया। विज्ञान मॉडल में उच्च प्राथमिक विद्यालय जैतपुर के छात्र सुनील कुमार ने पहला स्थान हासिल किया, वहीं उच्च प्राथमिक विद्यालय महुआ बांध के कृष्णकांत ने दूसरा और कन्या उच्च प्राथमिक विद्यालय जैतपुर की सिया व कन्या उच्च प्राथमिक विद्यालय कुलपहाड़ की मोहिनी को संयुक्त रूप से तीसरा स्थान दिया गया। विज्ञान क्विज प्रतियोगिता में भी उच्च प्राथमिक विद्यालय जैतपुर के सुनील कुमार अव्वल रहे। द्वितीय स्थान पर उच्च प्राथमिक विद्यालय सिरमौन के आशीष पाल और तृतीय स्थान में संयुक्त रूप से उच्च प्राथमिक विद्यालय लमोरा की प्रतिज्ञा व सिरमौर की दिव्या ने हासिल किया। विजेयी प्रतिभागियों को शील्ड व प्रमाण पत्र के साथ प्रतिभागी बच्चों को भी प्रमाण पत्र दिए गए। इस मौके पर नोडल अधिकारी के रूप में देवेंद्र यादव, सुभाष चंद तिवारी, दिनेश त्रिपाठी रहे। यहां छत्रपाल सिंह यादव, भूपेंद्र सैनी, राम बहादुर, शैलेंद्र नायक, बृजमोहन अहिरवार, मुहम्मद हारून, हरिप्रकाश प्रजापति, शिवविजय, मैयादीन यादव, रमेशचंद्र वर्मा, नेतराम यादव आदि शिक्षक मौजूद रहे।

यौम-ए-पैदाइश की तैयारी शुरू

महोबा। शहर के पठनऊपुरा इमामबाड़े में खादिमने हुसैन कार्यकारिणी की बैठक हुई, जिसमें 3 जनवरी को हजरत अली की यौम-ए-पैदाइश धूमधाम के साथ मनाने की रूपरेखा तैयार की गई।

कमेटी के अध्यक्ष अलताफ हुसैन ने बताया कि 3 जनवरी को सुबह 11 बजे सुभाष चौक पर मंच बनाकर सभी धर्मगुरुओं, प्रशासन के प्रतिनिधि और गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जहां हजरत अली की जिंदगी पर जानकारी दी जाएगी और मिठाई का वितरण किया जाएगा। इसी प्रकार यौम-ए-पैदाइश पर शहर के आल्हा चौक, ऊदल चौक, हवेली दरवाजा, रोडवेज, रेलवे स्टेशन, बजरिया, भटीपुरा, खनगा बाजार, करबला, समदनगर, मकनियापुरा सहित दो दर्जन से ज्यादा स्थानों पर भी मिठाई, फल व अन्य सामग्री का वितरण कर खुशियां मनाई जाएंगी।

बंदरों का आतंक

छतों और दुकानों से उठा ले जाते सामान, भगाने की कोशिश करने पर हो जाते हमलावर

सड़क पर कटखने बंदरों का डेरा, ठिठक जाते कदम

संवाददाता, कालपी (जालौन)

अमृत विचार। बंदरों की बढ़ती संख्या अब कालपी की मुसीबत बन गयी है। छतों पर पहुंचना पहले से ही खतरे से खाली नहीं था, अब इनका आतंक सड़कों तक आ गया है। इससे राहगीरों का निकलना भी मुश्किल हो गया है।

कालपी में सड़क पर बंदरों का झुंड झपट्टा मारता है। अमृत विचार

नगर में बंदरों की मौजूदगी दशकों पुरानी है, मगर यह कुछ विशेष क्षेत्रों तक ही सीमित थी, जिससे लोगों को अधिक परेशानी नहीं थी। एक दशक से इनकी पहुंच नगर के ज्यादातर हिस्सों तक हो गई है। आलम यह है कि रेलवे स्टेशन, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, टरननगंज बाजार, रावगंज, रामचबूतरा आदि मुहल्ले इनके स्थाई ठिकाने बन गए है, जिसकी वजह से लोगों की परेशानी बढ़ गई है। आलम यह है कि घरों के दरवाजे खुले नहीं रह सकते, बाजार में दुकानदारों की दुकानों से सामान पलक झपकते ही उठा ले जाते हैं। लोगों का छतों पर पहुंचना मुश्किल कर दिया है। रामचबूतरा निवासी आशीष चतुर्वेदी, राजू कोष्ठा, राकेश मिश्रा, ज्ञानवती, अवध तिवारी, टरननगंज निवासी सत्येंद्र सिंह, विवेक तिवारी, अमरदीप पाण्डेय, धर्मेन्द्र सिंह, रावगंज निवासी विनोद यादव, शरद शुक्ला, प्रमोद वाजपेई, आदि लोगों की माने तो बंदरों की बढ़ती आबादी की वजह से छतों पर उनका कोई भी सामान सुरक्षित नहीं है न ही उनका छतों पर जाना खतरे से खाली है। लोग छतों को भूल गए है लेकिन जनता की इस परेशानी से जिम्मेदारों को कोई वास्ता नहीं है जबकि वह कई बार इस परेशानी से बचाने के लिए नगर पालिका परिषद व वन विभाग से फरियाद कर चुके हैं लेकिन समस्या का हल नहीं निकला है। जिसकी वजह से समस्या दिन प्रतिदिन और गम्भीर हो रही है। आलम यह है कि अभी तक उनका आतंक घरों की छत तक ही सीमित था लेकिन अब वह सड़क पर आ गए हैं जिसकी वजह से उनके न जाने तक रास्ते बाधित हो जाते हैं और लोगों को उनकी वजह से इंतजार या फिर रास्ता ही बदलना पडता है। उमाकांत तिवारी, दिव्य गोपाल, राकेश पुरवार अर्पित, अरुण सिंह चौहान, रविन्द्र सिंह चौहान आदि की माने तो अगर समस्या पर ध्यान नहीं दिया गया तो लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो सकता था।

बंदरों की वजह से कई लोग गवां चुके जान

- ऐसा भी नहीं है कि बंदरों की वजह से लोगों को सामान की ही क्षति पहुंचती हो बल्कि उनकी वजह से कई लोगों की मौत भी हो चुकी है। आलमपुर निवासी भारत सिंह यादव, राजेन्द्र पाल के अनुसार बंदरों के द्वारा छत से ईंटा गिरा देने से उनके मुहल्ले की दो महिलाओं की एक साथ मौत हो गई थी। जबकि रावगंज में काम कर रहे राज मिस्त्री की छत से गिर कर मौत हो चुकी है जबकि आलमपुर में गेहूं की रखवाली के दौरान बंदर के हमले के दौरान एक महिला क्षत से गिर गई थी।

जरूरतमंदों को कंबल वितरित करते महंत जमुनादास महाराज। अमृत विचार

जरूरतमंदों को वितरित किए कंबल

जालौन। क्षेत्र में मां प्रसादम सेवा न्यास के तत्वावधान में मां वनखंडी देवी शक्तिपीठ कालपी धाम के सौजन्य से शनिधाम गूढ़ा न्यामतपुर में महंत जमुनादास महाराज द्वारा 34 जरूरतमंदों को कंबल का वितरण किया गया।

सर्दी के मौसम में लोगों को ठंड से बचाव के लिए धार्मिक संस्था सामने आई है। मां प्रसादम सेवा न्यास की ओर से मां वनखंडी देवी शक्तिपीठ कालपी धाम के सौजन्य से शनिधाम गूढ़ा न्यामतपुर में वनखंडी मंदिर के महंत जमुनादास महाराज ने 34 जरूरतमंदों को कंबल का वितरण किया। महंत जमुनादास महाराज ने कहा कि जरूरतमंदों की सेवा करना सबसे बड़ा धर्म है। समाज के लोगों को भी पुनीत के कार्य में आगे आना चाहिए। इस मौके पर बबलू गुर्जर, मोनू तिवारी, भूपेश बाथम, दीपू त्रिपाठी, दीपक पटैरिया, रितू चौहान, अनिल मिश्रा, चंद्रभान मिश्र, सुनील गोस्वामी, उमेश दीक्षित आदि मौजूद रहे। वहीं, कंबल की गर्मी पाकर अनीता, ममता, लालजी, राजकुमारी, श्रीराम, राजेंद्र, हरदास, श्रभ्कांति, कटोरी, रामदीन आदि के चेहरे खिले नजर आए।

न्यूज ब्रीफ

30 दिसंबर को होगा बीजों का वितरण

चित्रकूट। जिला उद्यान अधिकारी प्रतिभा पांडेय ने बताया कि एकीकृत बागवानी विकास मिशन एवं एसीपी राज्य सेक्टर योजना अंतर्गत आनलाइन पंजीकृत किसानों को बीजों का वितरण 30 दिसंबर को कार्यालय प्रांगण से किया जाएगा।

अलग-अलग मामलों के दो वारंटी गिरफ्तार

चित्रकूट। बहिलपुरवा थाने के एसआई प्रभाकर उपाध्याय ने आबकारी अधिनियम के वारंटी बउवा उर्फ रामसजीवन पुत्र मुन्नीलाल निवासी कैलहा को गिरफ्तार किया। कोतवाली के एसआई अंशुल कुमार ने वारंटी सुहेल खां को गिरफ्तार किया।

चार जुआरी गिरफ्तार

राजापुर। एसआई रविंद्र कुमार कटियार ने दुर्विजय सिंह, कुलदीप, अशोक सिंह निवासीगण बरुआ और वीरेंद्र त्रिपाठी निवासी तीरमऊ को जुआ खेलने के आरोप में पकड़ा। इनकी मालफड़ से 3450 रुपये और जामा तलाशी से 1140 रुपये आदि बरामद किए गए। इन पर जुआ अधिनियम के तहत रिपोर्ट दर्ज की गई। पुलिस टीम में एसआई राजकुमार राम, मुख्य आरक्षी दौलत सिंह, आरक्षी राहुल यादव शामिल रहे।

कानूनगो, लेखपाल समेत चार पर दर्ज हुई रिपोर्ट

ग्रामीण को मृत दिखाकर दूसरे के नाम वरासत करने का आरोप

संवाददाता, पहाड़ी चित्रकूट

अमृत विचार। कोर्ट के आदेश पर पहाड़ी थाने में कानूनगो, लेखपाल सहित चार लोगों पर धोखाधड़ी, जालसाजी की गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई है। इन पर एक ग्रामीण ने उसे मृत दिखाकर जमीन की वरासत दूसरे के नाम करने का आरोप लगाया है।

मामला पहाड़ी थानांतर्गत परसौंजा गांव का है। यहां के निवासी 66 वर्षीय देवनरायन का कहना है कि गांव में उसकी संक्रमणीय भूमि दर्ज है। जब वह पांच जुलाई को इसकी नकल खतौनी लेने गया तो पता चला कि गांव के कानूनगो और लेखपाल ने साजिश करके उसे मृतक दिखा दिया है और उसकी जमीन की आकाश श्रीवास पुत्र देवराज निवासी परसौंजा और उसकी मां कुमुद बाई के नाम वरासत दर्ज कर दी है। उसका कहना है कि दोनों राजस्वकर्मियों ने जानबूझकर साजिश करके उसको मृत दिखाकर फर्जी वरासत दर्ज की है। बताया कि उसने इसकी शिकायत जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक और तहसीलदार से की पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। इस पर उसने कोर्ट की शरण ली। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश पर थाने में कानूनगो अतुल मिश्रा, लेखपाल प्रेमचंद्र के साथ आकाश श्रीवास और कुमुद बाई श्रीवास पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। इन पर धोखाधड़ी, जालसाजी, जाली दस्तावेज बनाने की गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई है।

मोबाइल से दी जान की धमकी, एफआईआर दर्ज

- **सीतापुर (चित्रकूट)।** तीर्थक्षेत्र के कामतन निवासी अभिषेक गर्ग ने कर्वी कोतवाली में दो लोगों पर मोबाइल से जान से मारने की धमकी देने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। उसने बताया कि बीते दिनों उसके मोबाइल पर गालीगलौज कर धमकी दी गई। आरोपी ने इंस्टाग्राम पर भी उसे धमकाया। उसने इस संबंध में जेल में बंद टीटी शुक्ला निवासी खोही पर भी आरोप लगाया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

कोर्ट के आदेश पर दर्ज हुई दुर्घटना की रिपोर्ट

- **चित्रकूट।** पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर दुर्घटना में मौत होने की रिपोर्ट दर्ज की है। सरधुआ थानांतर्गत अहरा का पुरवा मजरा भानपुर निवासी मंजू देवी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि बीते महीने उसके पति राजललित को संत थामस स्कूल के पास एक पिकअप ने टक्कर मार दी थी। जिला अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई थी। इसकी शिकायत चौकी शिवरामपुर और कोतवाली कर्वी में करने के बाद भी रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई थी। पुलिस कोई न कोई बहाना बनाकर उसे टालती रही। एसपी को भी प्रार्थनापत्र भेजा पर सुनवाई नहीं हुई। थक हारकर उसने कोर्ट की शरण ली, तब पुलिस ने उसकी रिपोर्ट दर्ज की है।

लड़के को इंजीनियर बताकर शादी तय करने का आरोप

चित्रकूट। कर्वी कोतवाली के अंतर्गत एक मुहल्ला निवासी महिला ने कुछ लोगों पर वर की नौकरी की गलत जानकारी देकर शादी तय करने का आरोप लगाया है। उसका कहना है कि लड़केवालों ने वर को इंजीनियर बताया था। उसने सगाई और तिलक भी कर दिया पर बाद में यह जानकारी हुई कि वह इंजीनियर नहीं है। उसने इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराकर खर्चा वापस दिलाने की गुहार लगाई है।

महिला ने बताया कि उसने अपनी बेटी की शादी के पूर्व तिलक आदि समारोहपूर्वक करके 21 फरवरी को शादी के लिए रिसोर्ट भी बुक करा दिया था। बताया कि वर के पिता ने पुत्र को इंजीनियर बताया था। बाद में पता चला कि वह इंजीनियर है ही नहीं। बीते दिनों इस संबंध में उसकी दूसरी बेटी के पास फोन करके इन लोगों ने नौकरी लगवाने के नाम पर दस लाख रुपये की मांग की और मांग न पूरी होने पर शादी तोड़ने और देख लेने की धमकी दी। इसकी काल रिकार्डिंग भी उसके पास है। उसने पुलिस से रिपोर्ट दर्ज कर सगाई, तिलक, उपहार, यातायात आदि में हुए खर्च को वापस कराने की मांग की है।

होनहार छात्र को सम्मानित करते पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह। अमृत विचार

एसपी ने होनहार बच्चों को किया पुरस्कृत

कार्यालय संवाददाता चित्रकूट

अमृत विचार। आडीटोरियम सोनेपुर में हुए समारोह में पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने होनहार बच्चों को पुरस्कृत किया। एसपी ने राष्ट्रीय एकता दिवस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पाने वाली होनहार छात्रा खुशी पांडेय को लैपटॉप पुरस्कार स्वरूप दिया। कार्यक्रम की शुरुआत सरदार पटेल जी के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन से की गई।

इस दौरान 200 बालक-बालिकाओं को सम्मानित किया गया। नगर पालिकाध्यक्ष नरेंद्र गुप्ता ने कार्यक्रम में सहयोग की बात कही। जिला विद्यालय निरीक्षक रविशंकर ने कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ ऐसी प्रतियोगिताओं के आयोजन से बच्चों का चहुंमुखी विकास होता है।

कार्यक्रम संयोजक संतोष कुमार सिंह, शंकर प्रसाद यादव और हीरालाल सोनी ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में राजीव अग्रवाल, मनोज सिंह, धीरेंद्र सिंह, अनीता कटियार, डा. सियाराम द्विवेदी, पुरुषोत्तम अहिरवार आदि मौजूद रहे। संचालन हीरालाल सोनी ने किया।

डंपर से टकराई डीसीएम, 18 भैसों की गई जान

चित्रकूट। रविवार तड़के घने कोहरे के कारण नेशनल हाईवे पर चकला राजरानी गांव के पास एक तेज रफ्तार डीसीएम सड़क किनारे खड़े डंपर से पीछे से जा टकराई। डीसीएम में 35 भैंसें थीं, जिनमें 18 की मौत हो गई है। 12 बुरी तरह घायल हो गईं। यह जानकारी शिवरामपुर चौकी प्रभारी शनि चतुर्वेदी ने दी। बताया कि इस मामले में पशु क्रूरता संबंधी मामला भी पंजीकृत कर लिया गया है। टक्कर के बाद कई भैंसें वाहन के भीतर ही दब गईं। हादसे की सूचना मिलते ही शहर कोतवाली पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और यातायात को नियंत्रित किया। पशुपालन विभाग को भी घटना की जानकारी दी गई। कड़ी मशक्कत के बाद डीसीएम में फंसी भैंसों को बाहर निकाला गया।

गति सीमा के उल्लंघन पर 109 वाहनों पर जुर्माना

चित्रकूट। प्रभारी यातायात शैलेंद्र सिंह और उनकी टीम ने दुर्घटनाबाहुल्य क्षेत्र खुटहा मोड़ पर स्पीड रडार गन से वाहनों की गति की चेकिंग की। निर्धारित गति से न चलने वाले 109 वाहनों पर कार्रवाई की। इन पर 2,18,000 रुपये जुर्माना लगाया गया।

महंत भरतदास ने दर्ज कराई पांच लोगों पर एफआईआर

संवाददाता, रामनगर चित्रकूट

- लालापुर में महंत और महिला के बीच विवाद का मामला

अमृत विचार। वाल्मीकि आश्रम के महंत भरतदास ने महिला दुकानदार सहित पांच लोगों पर उनके साथ गालीगलौज करने और मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने आपराधिक धमकी देने सहित अन्य धाराओं में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गौरतलब है कि बीते दिनों रैपुरा थानांतर्गत लालापुर में महंत भरतदास और छाया मिश्रा के बीच विवाद हुआ था। इसमें दोनों पक्षों के बीच मारपीट हुई थी। एक पक्ष से इस संबंध में पहले ही रिपोर्ट दर्ज की जा चुकी है। अब महंत भरतदास ने भी एफआईआर दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि 23 दिसंबर की सुबह माघ मेले की तैयारियां की जा रही थीं। नदी में छाया मिश्रा और शंकर दयाल द्विवेदी के घरों की नालियों का पानी जा रहा है। इससे मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं को गंदी नाली पार करना पड़ता है। इसे ग्राम प्रधान और अधिकारियों ने चिह्नित किया है और इसे ठीक कराया जा रहा है। महंत ने आरोप लगाया कि इसी के विवाद में गांव की छाया मिश्रा, पंकज मिश्रा, शंकर दयाल द्विवेदी व मंगल यादव आदि ने उनको गालियां दीं और मारापीटा। मना करने पर जान से मारने की कोशिश की। आरोप लगाया कि ये लोग आश्रम की जमीन पर कब्जा करना चाहते हैं और उन पर तीन बार हमला कर चुके हैं। पुलिस ने इस संबंध में छाया मिश्रा, पंकज मिश्रा, शंकर दयाल द्विवेदी, नरेंद्र द्विवेदी, मंगल यादव पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

मानवाधिकार संरक्षण के लिए अनुभवों का आदान-प्रदान जरूरी

संवाददाता, सीतापुर चित्रकूट

अमृत विचार। दीनदयाल शोध संस्थान के तत्वावधान में आरोग्यधाम में रविवार को मानवाधिकार पर संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) के सदस्य प्रियंक कानूनगो ने कहा कि मानवाधिकार संरक्षण के लिए अनुभवों का आदान प्रदान आवश्यक है।

कार्यक्रम की शुरुआत प्रियंक कानूनगो, दीनदयाल शोध संस्थान के प्रधान सचिव निखिल मुंडले, संगठन सचिव अभय महाजन, सचिव अपराजित शुक्ल, सीईओ अमिताभ वशिष्ठ ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं राष्ट्र ऋषि नानाजी देशमुख की प्रतिमाओं के समक्ष पुष्पांजलि एवं दीप प्रज्ज्वलन कर की। प्रियंक ने कहा कि मानवाधिकार जीवन, स्वतंत्रता, शिक्षा और समानता जैसे बुनियादी अधिकारों से जुड़े हैं कि एक न्यायपूर्ण समाज की नींव रखी जा सके और हर व्यक्ति के अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। उन्होंने सामाजिक समानता, सुरक्षा, शिक्षा, स्वतंत्रता और न्याय जैसे मूल अधिकारों पर अपने विचार बेबाकी से रखे।

उन्होंने डीआरआई के प्रकल्पों की सराहना की। कहा कि दीनदयाल शोध संस्थान सिर्फ एक संस्था नहीं, बल्कि एक आंदोलन है, जो दिखाता है कि कैसे ग्रामीण विकास के माध्यम से पूरे देश को बदला जा सकता है। यह आज भी लाखों लोगों को प्रेरित कर रहा है। कार्यक्रम का संचालन आयुर्वेद शोध सदन के प्रभारी डा. मनोज त्रिपाठी ने किया। इस मौके पर दीनदयाल शोध संस्थान के महाप्रबंधक डॉ. अनिल जायसवाल आदि मौजूद रहे।

मानवाधिकार पर आयोजित संवाद कार्यक्रम में बोलते प्रियंक कानूनगो। अमृत विचार

- आरोग्यधाम में मानवाधिकार पर संवाद कार्यक्रम आयोजित

लोगों ने भी रखे विचार

- निखिल मुंडले ने मानवाधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों की बात बताई। उन्होंने जोर दिया कि संवाद और जागरूकता कोई एक दिन का विषय नहीं बल्कि एक सतत् प्रक्रिया है। अभय महाजन ने कहा कि मानवाधिकारों के बिना स्वस्थ समाज और सशक्त राष्ट्र की कल्पना असंभव है।

कारखाने में चोरी का आरोपी गिरफ्तार, अन्य की तलाश

संवाददाता, पहाड़ी चित्रकूट

अमृत विचार। पुलिस ने कारखाने में हुई चोरी का खुलासा किया है। एक आरोपी को कटर, हैमर व मोबाइल के साथ गिरफ्तार किया गया है। तीन अन्य की तलाश जारी है।

अरविंद कुमार निवासी ग्राम नांदिन कुर्मियान ने थाना पहाड़ी में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसके गोसाईंनगर स्थित कारखाने से 21 दिसंबर को तीन वेल्डिंग मशीन, बड़ा कटर, दो ग्लैंडर, एक हैमरड्रिल, ड्रिल मशीन, चार ई-रिक्शा बैटरी, एक चार्जर, मोबाइल और 24,500 रुपये चोरी हो गए। सुबह जागने पर उसे मामले की जानकारी हुई। उसने इस संबंध में एक युवक पर शक जताया। बीते दिन मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने विवेचना से सामने आए आरोपी अभियुक्त नूर आलम पुत्र मकसूद निवासी प्रयागराज को पहाड़ी राजापुर रोड पर एक बस से गिरफ्तार किया। आरोपी ने पूछताछ पर बताया कि उसने पिछले माह सुनैफ पुत्र अबरार, अशरफ व ओसामा पुत्रगण असलम के साथ कारखाने में चोरी की थी। पुलिस टीम में एसआई सुरेश प्रताप सिंह, श्यामदेव सिंह, आरक्षी दीपक सिंह और मृत्युंजय पांडेय शामिल रहे। बाकी बचे आरोपियों की भी तलाश में दबिश दी जा रही है।

पुलिस की गिरफ्त में चोरी का आरोपी।

कांग्रेसियों ने मनाया स्थापना दिवस

कार्यालय संवाददाता चित्रकूट

अमृत विचार। जिला कांग्रेस कैंप कार्यालय में पार्टी का स्थापना दिवस मनाया गया। पूर्व प्रदेश महासचिव कुंवर पुष्पेंद्र सिंह ने आरोप लगाया कि सत्ता में बैठे लोग देश में नफरत, अन्याय और अत्याचार को बढ़ावा दे रहे हैं।

पुष्पेंद्र ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का इतिहास बताया। कहा कि कांग्रेस हमेशा देशवासियों के कल्याण, सशक्तिकरण एवं समावेशी विकास के लिए काम करती रहेगी। कांग्रेस ने ही यूपीए की सरकार में शिक्षा का अधिकार, सूचना का अधिकार, खाद्य सुरक्षा कानून, भूमि अधिग्रहण कानून तथा मनरेगा जैसी लोक कल्याणकारी योजनाएं चालू कीं। जिलाध्यक्ष कुशल सिंह पटेल एडवोकेट ने कहा कि कांग्रेस केवल एक राजनीतिक दल नहीं, भारत की आत्मा की आवाज है। हमारा संकल्प है कि नफरत, अन्याय एवं तानाशाही के खिलाफ लड़ाई मजबूती के साथ लड़ें। इस मौके पर दुर्गेश खंगार, जगजाहिर पटेल, राम कृपाल, महेश सिंह एडवोकेट, सुरेंद्र पांडेय को अंगवस्त्रम् भेंट कर सम्मानित किया गया। जिला उपाध्यक्ष रंजना पांडेय, अवधेश करवरिया, चुनबाद प्रसाद, विजयमणि त्रिपाठी, राजेश सिंह, महेंद्र सिंह आदि रहे।

स्थापना दिवस कार्यक्रम में मौजूद कांग्रेसी। अमृत विचार

www.amritvichar.com पर भी खबरें पढ़ें

बालक को ढूंढकर परिजनों को सौंपा

पहाड़ी (चित्रकूट)। पुलिस ने गुमशुदा बालक को ढूंढकर परिजनों के सुपुर्द किया। रविवार को करन वर्मा निवासी पथरामानी ने थाने में सूचना दी कि उसका आठ वर्षीय पुत्र अनुराग खेलते-खेलते कहीं चला गया है। पुलिस ने अनुराग को पहाड़ी बुजुर्ग से ढूंढ निकाला। उसके चचेरे भाई सुधीर निवासी पथरामानी व प्यारेलाल निवासी इटखरी को सौंपा। परिजनों ने पुलिसकर्मियों को धन्यवाद दिया। पुलिस टीम में एसओ प्रवीण कुमार सिंह, एसआई सत्यनारायण सिंह, आरक्षी बहोरन सिंह शामिल रहे।

17,596 किसानों ने रबी फसल का कराया बीमा

कार्यालय संवाददाता चित्रकूट

अमृत विचार। जिलाधिकारी पुलकित गर्ग ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की समीक्षा बैठक में इसके प्रचार प्रसार के निर्देश दिए। उप कृषि निदेशक ने बताया कि अब तक खरीफ में 29,611 किसानों व रबी में 17,596 किसानों ने फसल बीमा कराया है।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि 31 दिसंबर तक अधिक से अधिक किसानों को इस योजना के तहत बीमा कराने का प्रयास किया जाए। बीमा कंपनी के प्रतिनिधि प्रदीप शुक्ला ने बताया कि खरीफ में आकस्मिक वर्षा से हुई क्षतिपूर्ति के लिए 10,187 किसानों ने दावे किए थे। इसमें सर्वे के बाद 6753 दावे सही पाये गए। 1231 किसानों को 62.80 लाख रुपये की क्षतिपूर्ति उनके बैंक खातों में भेज दी गई है। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि बचे किसानों की क्षतिपूर्ति का भुगतान जल्द से जल्द किया जाए। डीएम ने प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि विकास योजना की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि आउटपुट एवं आउटकम इंडीकेटर की सूचना दो दिन के अंदर उपलब्ध कराएं। डीएम ने उप कृषि निदेशक को कृषि में नवाचार के लिए कार्ययोजना बनाने, सहायक निदेशक मत्स्य को अधिक से अधिक मस्त्य पालकों को प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना का लाभ देने के लिए कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी, वरिष्ठ वैज्ञानिक केवीके, जिला कृषि अधिकारी, जिला प्रबंधक नाबार्ड, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, डीसी एनआरएलएम, एआर कोआपरेटिव आदि अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में कृषि संबंधी योजनाओं की समीक्षा करते जिलाधिकारी पुलकित गर्ग। अमृत विचार

- जिलाधिकारी ने योजना के प्रचार प्रसार के दिए दिशा-निर्देश

ग्रामीणों को संबोधित करते जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक जाटव। अमृत विचार

चौपाल लगाकर जरूरतमंदों को वितरित किये कंबल

राजापुर। समाजसेवी संस्था इंटरनेशनल पायनियर्स क्लब ने रविवार को बेराउर गांव में चौपाल लगाई। इस दौरान जरूरतमंद महिलाओं-पुरुषों को कंबल दिए गए। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक जाटव, पूर्व सांसद भैरों प्रसाद मिश्र, पूर्व सांसद आरके सिंह पटेल, भाजपा जिलाध्यक्ष महेंद्र कोटार्य, संस्था के अध्यक्ष केशव शिवहरे आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन शिवशंकर सिंह एडवोकेट पूर्व जिला पंचायत सदस्य ने किया। अतिथियों को संस्था ने शाल एवं भगवान कामतानाथ का चित्र भेंट किया। संजीव मिश्र चेयरमैन राजापुर, पंकज अग्रवाल अध्यक्ष डीसीबी, चंद्रप्रकाश खरे पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष आदि ने संस्था के कामों की सराहना की।

आयोजन | पीडीए बचाओ अभियान में छलका सांसद का दर्द

भाजपा के प्रभाव से हमारी नहीं सुनते अधिकारी

संवाददाता, पहाड़ी चित्रकूट

अमृत विचार। खैरी सकरौली गांव में समाजवादी पार्टी की जिला इकाई ने पीडीए बनाओ अभियान के तहत संविधान महोत्सव सम्मेलन का आयोजन किया। इस मौके पर सांसद कृष्णा देवी शिवशंकर पटेल ने कहा कि जनता के हितों को हम संसद में उठाते हैं। संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हैं पर वे भाजपा के प्रभाव में विपक्ष के सांसद की आवाज को अनदेखा करते हैं।

उन्होंने कहा कि इसके बाद भी हम लोग सरकार से डटकर मुकाबला कर रहे हैं। जिस हिसाब से पीडीए समाज जागरूक हो रहा है, निश्चित रूप से प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनेगी। कार्यक्रम की शुरुआत बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। जिलाध्यक्ष शिवशंकर सिंह यादव ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देशन में गांव-गांव पीडीए समाज को जोड़कर संविधान के प्रति जागरूक किया जा रहा है। पीडीए समाज में जागरूकता देश में सत्ता परिवर्तन करेगी।

उन्होंने अपने जिला पंचायत अध्यक्ष के कार्यकाल की उपलब्धियां बताईं। कहा कि जिला पंचायत अध्यक्ष समाजवादी पार्टी का बनेगा तो विकास के कार्य तेज गति से होंगे। कार्यक्रम का संयोजन कैलाश बौद्ध ने किया। पूर्व जिला पंचायत सदस्य सिद्धार्थ पांडेय, मोहम्मद गुलाब खान, लवलेश यादव, सीताराम कश्यप, अश्वनी यादव, सूरज सिंह पटेल, दीपक सिंह पटेल, अमर सिंह पटेल, विश्वजीत सुमन, उमाकांत यादव, अजय कोटार्य, रोहित बाबू, श्रीराम वर्मा, बसंतलक प्रजापति, सियाराम गुप्ता आदि ने विचार रखे। राजीव अनुरागी, अशोक यादव, एडवोकेट विनोद पाल, कुलदीप यादव, महेश यादव, चंद्रपाल कोटार्य, बसंतलाल विश्वकर्मा, संतोष कोटार्य, संजय सिंह, ओपी अनुरागी, प्रशांत बौद्ध आदि मौजूद रहे।

पीडीए बचाओ अभियान में मौजूद सांसद कृष्णा देवी व अन्य लोग। अमृत विचार

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

पहले मेरा नाम HINA KAUSER NAQVI था अब मैने बदलकर अपना नाम HINA KAUSER RIZVI रख लिया है भविष्य में मुझे HINA KAUSER RIZVI के नाम से जाना व पहचाना जाए। W/O- SAIYAD MOHD ALI NIYAZ R/O- 48, BANGLA OLD SITAPUR, SITAPUR- 261001

सूचना

श्री भगवती विद्यालय इंटर कालेज मुरार मऊ सरेनी रायबरेली के साधारण सभा के सभी माननीय सदस्यों को सूचित किया जाता है कि विद्यालय की साधारण सभा की बैठक आगामी 30 दिसंबर 2025 दिन मंगलवार को अपरान्ह 1 बजे विद्यालय प्रांगण में होगी कृपया समय से उपस्थित हो। यह जानकारी साधारण सभा के अध्यक्ष उमेश चंद्र तिवारी ने दी है उन्होंने बताया कि यह बैठक विद्यालय की प्रबंध समिति के चुनाव जो कि 14 जनवरी 2026 को हैं। इसमें नियुक्त चुनाव अधिकारी श्री यमुना शंकर द्विवेदी पूर्व प्रधानाचार्य अम्बारा पश्चिम के स्थान पर अन्य चुनाव अधिकारी नियुक्त करने पर विचार हेतु आहूत की गई है।

सूचना

पहले मेरा नाम MAKBOOL AHAMAD था अब मैने बदलकर अपना नाम MAQBOOL AHMAD रख लिया है भविष्य में मुझे MAQBOOL A HMAD के नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O- MOHAMMAD MAKHDOOM R/O- 13/152, KASHI RAM COLONY KATRA GULARIYA GARDA, NAWABGANJ, BARABANKI

सूचना

मैंने राधेश्याम पुत्र बलदेव प्रसाद से मकान संख्या 150 स्थित मोहल्ला काजीपुरा उत्तरी तहसील बहराइच को क्रय कर उप निबंधक कार्यालय बहराइच पर दिनांक 6/8/1976 को बही संख्या 01 जिल्द संख्या 764 के पृष्ठ संख्या 200 से 202 तक क्रमांक 206 तक पंजीकृत कराया था। उक्त बैनामा कहीं खो गया है।

संतोष कुमार अग्रवाल पुत्र केसरदेव अग्रवाल मोहल्ला छावनी कोतवाली नगर बहराइच।

अमृत विचार

सोमवार, 29 दिसंबर 2025

तुम वो हो जो तुम होने का यकीन करते हो।

–पाउलो कोएल्हो, ब्राजीलियन लेखक

सर्दियों का समाधान

उत्तर प्रदेश, बिहार, समेत कई राज्यों में तेज ठंड पड़ रही है, पश्चिमी विक्षोभों की तीव्रता में बदलाव, जेट स्ट्रीम का दक्षिण की ओर खिसकना, आर्कटिक क्षेत्र में तापमान असामान्य रूप से बढ़ना और इसके कारण ठंडी हवा का निचले अक्षांशों तक पहुंचना इसकी वजह है। जलवायु परिवर्तन के मौसम पर असामान्य प्रभाव के चलते अचानक और तीव्र ठंड अब अपवाद नहीं रही। इस सर्दी ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या केंद्र और राज्य सरकारें इस स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त रूप से तैयार हैं।

सच यह है कि अधिकांश उपाय प्रतिक्रियात्मक हैं। सर्दी बढ़ने के बाद अलाव, रैन बसेरे और कंबल वितरण शुरू होते हैं, जबकि दीर्घकालिक तैयारी का अभाव दिखता है। सर्दियों के साथ प्रदूषण का बढ़ना और श्वसन, हृदय तथा संक्रामक रोगों का प्रकोप एक जाना-पहचाना चक्र है। इसके लिए स्वास्थ्य सेवाओं की अग्रिम तैयारी, दवाओं की उपलब्धता, मोबाइल हेल्थ यूनिट और प्रदूषण नियंत्रण के कड़े कदम अपेक्षित हैं। उत्तर प्रदेश जैसे कुछ राज्यों ने प्रयास किए हैं, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर यह अभी भी असमान है। सूबे में सरकार ने करोड़ों व्यय कर अपेक्षाकृत व्यापक प्रबंध किए हैं। रैन बसेरों की संख्या बढ़ाना, शहरी व ग्रामीण इलाकों में अलाव की व्यवस्था, कंबल वितरण, अस्पतालों में विशेष वार्ड और आपात सेवाओं को अलर्ट पर रखना, स्कूलों में अवकाश। इनका असर खासतौर पर हाशिये पर रहने वाले लोगों, बेघर, वृद्ध, दिहाड़ी मजदूरों पर सकारात्मक पड़ सकता है, बशर्ते वितरण और निगरानी में लापरवाही न हो। पशुओं और मवेशियों के लिए अस्थायी शेड, चारा और पशु चिकित्सा सेवाओं की व्यवस्था भी जरूरी है, क्योंकि ग्रामीण अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा पशुधन पर निर्भर है। सर्दियों का असर यातायात और व्यवसाय पर न पड़े कोहरे और शीतलहर के कारण सड़क व रेल दुर्घटनाएं न बढ़ें, इसके लिए बेहतर विजिबिलिटी सिस्टम, समय पर ट्रैफिक एडवाइजरी, रेल-सड़क समन्वय और कार्य समय में लचीलापन और जरूरी है। मानवाधिकार आयोग का निर्देश है कि ठंड से किसी बेघर की मृत्यु न हो, पर हर वर्ष देश में ठंड के असर से हजारों लोगों की मौत होती है। इन आंकड़ों को आपदा के रूप में दर्ज होना चाहिए। शीत लहर के लिए कोई सशक्त, मानकीकृत राष्ट्रीय कार्य योजना नहीं है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, स्थानीय निकाय और स्वास्थ्य विभाग को मिलकर सूचना साझा करने और जिम्मेदारी तय करने की प्रक्रिया मजबूत बनाने के लिए, यह करना आवश्यक है।

पूर्व नियोजित तैयारियों तथा विभागों के बीच समन्वय की कमी, धन का अक्षम उपयोग, डेटा और तकनीकी क्षमता के अभाव में स्थान और समय विशिष्ट योजनाओं को तैयार न कर पाना हर साल की इस मुसीबत से निबटने में विफलता के मुख्य बिंदु हैं। हमें प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों में तकनीकी खामियां दूर कर स्थानीय भाषा में रियल-टाइम अलर्ट, पंचायत और शहरी वार्ड स्तर तक सूचना तंत्र और समुदाय-स्तरीय तैयारी को सालाना प्रक्रिया का हिस्सा बनाना होगा। उम्मीद है कि इस वर्ष की सर्दी से सबक लेकर सरकारें पूरे साल की योजना बनाएंगी।

प्रसंगवश

वन, पर्वत, नदियों को निगलने की भूख

दुनिया के किसी भी देश का अस्तित्व उसके वन, पर्वत और नदियों पर निर्भर करता है। मानव सभ्यता के विकास में इन तीनों का सर्वाधिक महत्वपूर्ण योगदान रहा है। वन, पर्वत और नदियां मानव सभ्यता के हजारों वर्ष पहले से विद्यमान हैं। प्रकृति के आरंभ से लेकर आज के आधुनिक युग तक, समस्त जीवों का जीवन इन्हीं पर निर्भर रहा है। यही कारण है कि भारतीय धर्मग्रंथों और परंपराओं में वन, पर्वत और नदियों की पूजा की जाती है, तथा उनकी रक्षा करने का संकल्प लिया जाता है। विडंबना यह है कि जैसे-जैसे मानव शिक्षित और आधुनिक होता गया, उसने तथाकथित विकास के नाम पर इन्हीं प्राकृतिक संसाधनों को सबसे अधिक नुकसान पहुंचाया है, और यह विनाशकारी सिलसिला आज भी जारी है।

विकास और पैसे की भूख की वजह से वन, पर्वत और नदियों का तेजी से विनाश हो रहा है। इसके पीछे एक बड़ी वजह खनन और भू-माफियाओं को प्राप्त राजनीतिक संरक्षण भी है। नर्मदा तथा गंगा की वर्तमान स्थिति किसी से छिपी नहीं है। करोड़ों लोगों की आस्था से जुड़ी इन नदियों में खनन माफियाओं द्वारा जिस बेरहमी से अवैध रेत खनन किया जा रहा है, उससे न केवल नदियों का प्राकृतिक संतुलन बिगड़ रहा है, बल्कि पर्यावरण को भी भारी क्षति पहुंच रही है। भारत के लगभग हर राज्य में बड़ी नदियों पर चौबीसों घंटे, सातों दिन अवैध रेत उत्खनन जारी है, जो राज्य सरकारों की 'नदी बचाओ' जैसी मुहिमों को खुली चुनौती देता है। सरकार और सशक्त कानूनों की मौजूदगी के बावजूद खनन माफियाओं का बेखौफ खेल कहीं-न-कहीं राज्य सरकारों की मौन स्वीकृति की ओर भी संकेत करता है।

अरविंद रावल

लेखक

माफियाओं की धन-लालसा केवल नदियों तक सीमित नहीं है। देश के लगभग हर राज्य, हर जिले के पर्वतों का सीना छलनी किया जा चुका है। वह भारत, जो कभी ऊंचे पर्वतों, कल-कल बहती नदियों और विशाल वन क्षेत्रों के लिए जाना जाता था, आज उसी प्राकृतिक धरोहर को स्वार्थी मानव अपनी लालसा की भेंट चढ़ा रहा है। कई गांवों और शहरों से पूरे के पूरे पहाड़ गायब हो चुके हैं और नदियों के स्वरूप को बिगाड़कर कंक्रीट की मीनारें खड़ी की जा रही हैं। वन क्षेत्र भले ही कागजों में सरकार के नियंत्रण में हों, पर वास्तविकता यह है कि लकड़ी तस्कर रात-दिन सैकड़ों पेड़ों को काट रहे हैं। वन, पर्वत और नदियों के विनाश का सीधा असर वन्य जीवों पर पड़ा है। कई प्रजातियां पूरी तरह समाप्त हो चुकी हैं और अनेक प्रजातियां विलुप्ति के कगार पर हैं। इसका प्रभाव अब मानव जीवन पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है।

अब अरावली पहाड़ियों पर संकट है। इसके हटने से थार रेगिस्तान की धूल उड़कर दिल्ली के प्रदूषण को और अधिक भयावह बना देगी। गुजरात के ब्रह्मखेड़ा से लेकर दिल्ली के रायसीना हिल्स तक लगभग 692 किलोमीटर में फैली अरावली पर्वतमाला न केवल कई राज्यों को रेगिस्तान बनने से बचा रही है, बल्कि अनेक नदियों का उद्गम स्थल भी है, जो मनुष्य और वन्य प्राणियों दोनों की प्यास बुझाती हैं। इसके बावजूद, भू-माफिया और खनन माफिया वर्षों से अरावली के अस्तित्व को मिटाने पर तुले हुए हैं।

आज आवश्यकता है कि केंद्र और राज्य सरकारें अपनी वन, पर्वत, नदी संरक्षण योजनाओं पर पुनः गंभीर मंथन करें और एक ठोस, प्रभावी तथा कठोर रणनीति बनाएं। साथ ही सामाजिक संगठनों और जागरूक नागरिकों को भी अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाले प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा की जिम्मेदारी लेनी होगी, तभी हम खनन माफियाओं के जाल से वन, पर्वत और नदियों के अस्तित्व को बचा पाएंगे।

भाजपा के लिए तुरुप का पत्ता हुमायूं कबीर

नवीन गुप्ता

बरेली

पश्चिम बंगाल की राजनीति इस वक्त नए मोड़ पर खड़ी है। अयोध्या में बाबरी मस्जिद विवाद सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद शांत हो गया, लेकिन मुसलमानों का रहनुमा बनने के चक्कर में तृणमूल कांग्रेस पार्टी (टीएमसी) से निष्कासित विधायक हुमायूं कबीर ने इस विवादित मुद्दे को पुनः छेड़ दिया। हुमायूं ने न सिर्फ बाबरी मस्जिद की नींव रखकर खुद को मुसलमानों के बीच अपने को स्थापित करने की कोशिश की है, बल्कि हिंदू-मुस्लिम जनमानस के बीच तनाव का कारण भी बन गए। उन्होंने नई पार्टी बनाकर विधानसभा चुनाव में टीएमसी के लिए मुसीबत भी पैदा कर दी है।

पुनः सत्ता पर काबिज होने का ख्वाब देख रहीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के लिए उन्होंने मुसीबत खड़ी कर दी है। यही वजह है कि भाजपा से ज्यादा टीएमसी उन पर हमलावर है और उन्हें भाजपा का एजेंट साबित करने में लगी है। भाजपा भी उन पर टीएमसी के मुस्लिम तुष्टीकरण एजेंडे को आगे बढ़ाने का आरोप लगा रही है। बहरहाल उनकी बगावत से सत्ता पाने की भाजपा की राह आसान होती दिख रही है, तो टीएमसी के लिए वह दीवार बनते नजर आ रहे हैं। अब देखना यह है कि टीएमसी इस मुसीबत से कैसे निपटती है।

पश्चिम बंगाल में 2021 में हुए विधानसभा चुनाव में टीएमसी ने 215 सीटें जीतकर तीसरी बार सत्ता पर कब्जा किया था, लेकिन मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को नंदीग्राम सीट पर भाजपा के शुभेंदु अधिकारी से हार का सामना करना पड़ा था। भाजपा ने इस चुनाव में 77 सीटें जीत कर राजनीतिक विश्लेषकों को चौंका दिया था, हालांकि वामपंथ और कांग्रेस का तंबू यहां पूरी तरह से उखड़ गया था। तब यह माना गया था कि भाजपा को रोकने के लिए कांग्रेसी और वामपंथी मतदाता टीएमसी के साथ चले गए, इसलिए ममता बनर्जी को बड़ी जीत मिली।

भाजपा इस बार सत्ता में आने के लिए पुनः एड़ी चोटी का जोर लगाए हुए है। बिहार में मिली प्रचंड जीत से पार्टी कार्यकर्ताओं के भी हौसले बुलंद हैं। एसआईआर में बंगाल में बड़े पैमाने पर वोट कटे हैं। बांग्लादेश से आए घुसपैठिये देश छोड़कर पुनः अपने देश वापस जा रहे हैं। भाजपा इसे मुद्दा बना रही है कि ममता के कारण ही बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुसलमानों ने पश्चिम बंगाल के निवासियों के संसाधनों पर कब्जा कर रखा है। एसआईआर के बाद बदली परिस्थितियों से टीएमसी परेशान तो है ही, अब उसके माथे पर हुमायूं कबीर ने भी बल ला दिया है। उन्होंने जनता उन्नयन पार्टी का गठन किया है। जाहिर सी बात है कि बाबरी मास्जिद की नींव रखकर उन्होंने मुस्लिम वोटों के ध्रुवीकरण की कोशिश की है। साथ ही मुर्शिदाबाद में एक भी सीट टीएमसी को न जीतने देने का दावा किया है।

हुमायूं कबीर मुस्लिम मौलानाओं, मोलवियों को अपनी पार्टी से जोड़ रहे हैं। उन्हें यह बताने में जुटे हैं कि अब एक मंच के नीचे आना होगा। इसका असर दिख रहा है। उनकी सभाओं में मुस्लिम युवाओं की खासी भीड़ जुट रही है, जो टीएमसी नेताओं की बेचैनी को बढ़ाने वाली है। जो भी मुस्लिम वोट उनके साथ जाएगा, वह टीएमसी से छिटककर जाएगा। ऐसे में इसका सीधा नुकसान ममता बनर्जी को होगा और लाभ भाजपा को होगा।

भाजपा ने 294 सीटों वाले इस राज्य में 160 सीटों पर जीत का लक्ष्य रखा है। भाजपा की नजर कांग्रेस नेतृत्व से नाराज कार्यकर्ताओं और नेताओं पर भी है। पार्टी उन सीटों पर ज्यादा फोकस कर रही है, जहां उसे 10 हजार या उससे कम वोटों से हार का सामना करना पड़ा था। टीमएसी को मुस्लिम मतदाताओं का लगभग 70 फीसदी वोट मिलता आया है। कबीर 100 मुस्लिम बहुल सीटों पर विशेष रणनीति से काम कर रहे हैं। भाजपा ने भी यहां ताकत झोंक रखी है। कबीर की कोशिश मुस्लिम मतदाताओं के ध्रुवीकरण की है। जाहिर सी बात है कि क्रिया की प्रतिक्रिया होगी और हिंदू मतदाता भी एकजुट होगा। ऐसे में इसका सीधा लाभ भाजपा को मिलेगा।

कबीर की रणनीति की काट खोजने में ममता बनर्जी जुटी हुई हैं। वह यह बताने में लगीं हैं कि कबीर को भाजपा से फंडिंग हो रही है, ताकि मुस्लिम मतदाता बंट जांए और इसका लाभ भाजपा को मिले, हालांकि इसमें वह कितना सफल होंगी यह चुनाव के वक्त ही पता चलेगा। वैसे उनके लिए दूसरी मुसीबत एआईएमआईएम के मुखिया असद्दुदीन ओवैसी भी हैं। बिहार में पुनः पांच सीटें जीतने वाले ओवैसी ने बंगाल में पूरी ताकत से चुनाव लड़ने का एलान किया है और वे उम्मीदवार तय करने में जुटे हैं। कबीर उनकी पार्टी से गठबंधन चाहते हैं। अगर दोनों नेता एक हुए तो टीएमसी को बड़ा नुकसान हो सकता है।

राजनीतिक विश्लेषक तो यह भी कह रहे हैं कि हुमायूं कबीर भाजपा के लिए तुरुप का पत्ता साबित हो सकते हैं, क्योंकि वे जितना हिंदू विरोधी बयान देकर मुस्लिम मतदाताओं को एकजुट करेंगे, उतना ही लाभ भगवा खेमे को होगा। कहीं ओवैसी और कबीर मिल गए तो फिर भाजपा के लिए सोने पर सुहागा ही हो जाएगा। वैसे ओवैसी चाहेंगे कि उनकी पार्टी के साथ कांग्रेस का भी गठजोड़ हो जाए, ताकि वे राज्य में मजबूत टक्कर टीएमसी को दे सकें।

राज्य में कुल 294 विधानसभा सीट है। सरकार बनाने के लिए जादुई आंकड़ा 148 सीटों का है। ऐसे में भाजपा यहां मिशन 165 प्लस का एलान कर सकती है। वैसे भाजपा नेताओं में आंतरिक कलह जबरदस्त है। पार्टी नेतृत्व इसे खत्म करने में लगा हुआ है। कांग्रेस और टीएमसी से आए नेताओं को भाजपा कैडर के नेता पचा नहीं पा रहे हैं। यह भाजपा के लिए चिंता का विषय है। इस कलह का खामियाजा भाजपा को लोकसभा चुनाव में भुगतना पड़ा था। उधर, ममता बनर्जी आदिवासी वोटों के लिए झारखंड की सत्ता में काबिज झारखंड मुक्ति मोर्चा के साथ गठजोड़ कर सकतीं हैं। यदि ऐसा होता है तो इसका लाभ उन्हें मिलेगा।

> हुमायूं ने न सिर्फ बाबरी मस्जिद की नींव रखकर खुद को मुसलमानों के बीच अपने को स्थापित करने की कोशिश की है, बल्कि उन्होंने नई पार्टी बनाकर विधानसभा चुनाव में टीएमसी के लिए मुसीबत भी पैदा कर दी है।

आमने

एक साइट पर मुझे ये तस्वीर मिली। ये बहुत ही प्रभावशाली है। किस प्रकार आरएसएस का जमीनी स्वयंसेवक और जनसंघ बीजेपी का कार्यकर्ता नेताओं के चरणों में फर्श पर बैठकर प्रदेश का सीएम और देश का पीएम बना। ये संगठन की शक्ति है।

–दिग्विजय सिंह

कांग्रेस नेता

सामने

नफरत फैलाने वाले संगठन आरएसएस से हमें नहीं सीखना है। कांग्रेस नफरत के खिलाफ है, कांग्रेस मोहब्बत वाले हैं। आरएसएस से सीखने के लिए कुछ नहीं है। गांधी की पार्टी का हूं। 140 साल पहले कांग्रेस एक कमरे में बनी और लोगों की पार्टी बन गई।

–माणिकम टैगोर

कांग्रेस सांसद

फिसलता रुपया: आम आदमी व उद्योगों पर असर

रजत मेहरोत्रा

वित्तीय एवं आर्थिक विशेषज्ञ

भारतीय रुपया एक बार फिर ऐतिहासिक दबाव में है और डॉलर के मुकाबले 90 के स्तर से नीचे फिसलने की आशंका ने नीति-निर्माताओं से लेकर आम लोगों तक की चिंता बढ़ा दी है। पिछले दो वर्षों में रुपया लगभग 12–15 प्रतिशत तक कमजोर हुआ है। जहां 2022 में डॉलर 76–77 के आसपास था, वहीं अब यह 89–90 के नजदीक पहुंच चुका है। यह गिरावट केवल एक मुद्रा मूल्य का उतार-चढ़ाव नहीं है, बल्कि इसका सीधा असर भारत की अर्थव्यवस्था, महंगाई, आयात-निर्यात, निवेश, औद्योगिक लागत और आम उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ता है। ऐसे में सवाल यह है कि क्या कमजोर होता रुपया भारत के लिए खतरनाक संकेत है, या फिर कुछ क्षेत्रों के लिए यह अवसर भी पैदा करता है? और इस चुनौती से निपटने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) क्या कर रहा है?

रुपये की गिरावट के कई वैश्विक और घरेलू कारण हैं। वैश्विक स्तर पर अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा लंबे समय तक ऊंची ब्याज दरें बनाए रखना, डॉलर इंडेक्स का मजबूत होना, पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में अस्थिरता और वैश्विक पूंजी का उभरते बाजारों से अमेरिका की ओर जाना- ये सभी कारक रुपये पर दबाव बनाते हैं। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का लगभग 85 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है। जब कच्चा तेल 80 डॉलर से ऊपर टिकता है और रुपया कमजोर होता है, तो आयात बिल तेजी से बढ़ता है। केवल तेल आयात पर ही भारत सालाना 160–180 अरब डॉलर खर्च करता है। ऐसे में रुपये की गिरावट से सरकार और अर्थव्यवस्था पर हजारों करोड़ का अतिरिक्त बोझ पड़ता है।

> पिछले दो वर्षों में रुपया लगभग 12–15 प्रतिशत तक कमजोर हुआ है। जहां 2022 में डॉलर 76–77 के आसपास था, वहीं अब यह 89–90 के बेहद नजदीक पहुंच चुका है।

घरेलू मोर्चे पर भी चुनौतियां कम नहीं हैं। भारत का चालू खाता घाटा (करंट अकाउंट डेफिसिट) कुछ तिमाहियों में GDP के 1.5–2 प्रतिशत के आसपास बना हुआ है। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (FPI) की लगातार निकासी भी रुपये को कमजोर करती है। जब विदेशी निवेशक भारतीय शेयर और बॉन्ड बाजार से पैसा निकालते हैं, तो डॉलर की मांग बढ़ती है और रुपया दबाव में आ जाता है। इसके अलावा भारत में महंगाई का स्तर, सरकारी उधारी, व्यापार घाटा और आयात-निर्भरता भी रुपये के कमजोर होने में योगदान देते हैं।

रुपये की कमजोरी का सबसे पहला और सीधा असर महंगाई पर पड़ता है। भारत जो भी पेट्रोलियम उत्पाद, गैस, कोयला, खाद्य तेल, उर्वरक, इलेक्ट्रॉनिक्स और दवाओं के कच्चे माल का आयात करता है, वे सभी डॉलर में भुगतान होते हैं। जब डॉलर महंगा होता है, तो देश के भीतर इन वस्तुओं की कीमतें बढ़ती हैं। केवल पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर ही नहीं, बल्कि ट्रांसपोर्ट, दवाइयों, खाद्यान्न और रोजमर्रा की वस्तुओं पर भी इसका असर पड़ता है। अनुमान है कि रुपये में 5 प्रतिशत की गिरावट से थोक महंगाई में लगभग 0.8–1 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हो सकती है। इसका बोझ अंततः आम लोगों पर पड़ता है, जिसकी आय तो स्थिर रहती है, लेकिन खर्च बढ़ता जाता है।

कमजोर रुपया पूरी तरह नकारात्मक भी नहीं है। निर्यात क्षेत्र के लिए कमजोर मुद्रा कई बार वरदान साबित होती है। आईटी सेवाएं, फार्मास्यूटिकल्स, टेक्सटाइल, ऑटो पार्ट्स, केमिकल्स और इंजीनियरिंग गुड्स जैसे क्षेत्रों को कमजोर रुपये से प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त मिलती है। इन क्षेत्रों की डॉलर में होने वाली कमाई रुपये में बदलने पर ज्यादा हो जाती है, जिससे उनके मुनाफे बढ़ते हैं। भारत का कुल निर्यात अब 770 अरब डॉलर के आसपास पहुंच चुका है। इसमें सेवा निर्यात की हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है। कमजोर रुपया निर्यातकों के लिए अल्पकालिक लाभ जरूर देता है, लेकिन मुद्रा बार-बार अस्थिर हो तो लंबी अवधि में निवेश और योजना पर नकारात्मक असर पड़ता है।

उद्योगों पर रुपये की गिरावट का असर दोहरा होता है। जो कंपनियां आयातित कच्चे माल पर निर्भर हैं, जैसे- पेट्रोकेमिकल, पॉवर, एविएशन, इलेक्ट्रॉनिक्स और ऑटोमोबाइल, उनकी लागत तेजी से बढ़ती है। उदाहरण के लिए एविएशन सेक्टर में ईंधन लागत कुल खर्च का 40–45 प्रतिशत होती है। जब डॉलर महंगा होता है, तो एयर टर्बाइन फ्यूल महंगा हो जाता है और टिकट दरों पर दबाव बढ़ता है। वहीं दूसरी ओर आईटी, फार्मा और एक्सपोर्ट-ओरिएंटेड कंपनियों को कमजोर रुपये से फायदा होता है। इस असमान असर के कारण शेयर बाजार में भी सेक्टर-वार उतार-चढ़ाव देखने को मिलता है।

आम उपभोक्ता के नजरिए से देखा जाए तो कमजोर रुपया जीवन को और महंगा बनाता है। मोबाइल, लैपटॉप, इलेक्ट्रॉनिक सामान, मेडिकल उपकरण, विदेशी शिक्षा, विदेश यात्रा और आयातित खाद्य पदार्थ सब कुछ महंगा हो जाता है। विदेश में पढ़ने वाले छात्रों को अब पहले से कहीं ज्यादा रुपये खर्च करने पड़ रहे हैं, क्योंकि डॉलर में ट्यूशन फीस और रहन-सहन का खर्च सीधे बढ़ जाता है। इसी तरह विदेश यात्रा भी आम आदमी की पहुंच से और दूर होती जा रही है।

सोशल फोरम

शिक्षा के नाम पर कैसा समाज बना रहे हैं हम

गोरखपुर में नर्सरी में पढ़ने वाली एक बच्ची जब स्कूल जा रही थी, तो उसने पापा से ज़िद की कि उसे डीएम साहब से मिलना है। वो अपने पापा को लेकर डीएम ऑफिस पहुंच गई और वहां जाकर उसने डीएम से कहा कि मुझे आपकी तरह डीएम बनना है। इस घटना से भावुक 'स्कूली शिक्षित' लोग भाव-विभोर होकर वाह-वाह कर रहे हैं, क्योंकि इन सबके घरों का यही माहौल होता है। बच्चों को डीएम, डॉक्टर, इंजीनियर बनाने का इनका सपना होता है और इसे ये शिक्षा बोलते हैं।

सिद्धार्थ ताबिश

लेखक

जब डीएम ने उस बच्ची से पूछा कि तुम्हें मेरे जैसा क्यों बनना है? तो उसने कहा कि 'घर में सब लोग मुझे कहते हैं कि तुम्हें डीएम बनना है।' ये घर का माहौल है, जो नर्सरी की बच्ची को डीएम बनने को बोल रहा है। अब अगर आगे चलकर इस बच्ची को समझ आ गई और वो अपने दिमाग से चलने और सोचने लगेगी और कहीं वो ये निर्णय कर बैठी कि उसे बस 'बांसुरी' बजाना है जीवन में, तो इन घर वालों का दिल टूट जाएगा। इनके सपने टूट जाएंगे। ये दूसरों से कहेंगे कि हमने क्या-क्या सपना देखा था, मगर इसने सब चकनाचूर कर दिया। बचपन में कितनी समझदार थी कि डीएम से मिलने पहुंच गई थी। पेपर में भी इसका नाम आ गया था।

आप के घरों में जो माहौल होता है, बच्चे वही करते हैं। आपको लगता है कि आप अपने बच्चों पर कोई दबाव नहीं बनाते हैं, मगर आप ने ऐसा भयंकर मनोवैज्ञानिक दबाव बचपन से बना रखा होता है कि आपके बच्चे आपके अपने 'सपनों' और आपकी अपनी 'महत्वाकांक्षाओं' से अलग कुछ सोच नहीं पाते हैं। वो बेचारे ये समझते हैं कि उन्हें डॉक्टर बनना है, जबकि ये उनका नहीं आपका सपना होता है।

सोचिए कोई क्यों डॉक्टर बनना चाहेगा? 24 घंटे मरीज़ से घिरे रहना, बीमारी, गंदगी, उल्टी, मवाद, गू-मूत्र इत्यादि देखना और उसी में जीवन बिताना। आपके आस-पास कभी कोई स्वस्थ औरा बन ही नहीं पाता है। जिस अस्पताल में लोग जाने से घबराते हैं और दुआ करते हैं कि भगवान उन्हें कभी अस्पताल न पहुंचाएं, वहां आपको 24 घंटे और सारी उम्र रहना है। ये कोई ड्रीम जॉब है? ये कुछ ऐसा है, जिसे करने की लालसा किसी के मन में 'प्राकृतिक' रूप से जन्म ले? नहीं, प्राकृतिक रूप से आप के भीतर डॉक्टर बनने की चाहत कभी नहीं आती है। **–फेसबुक वाल से**

सामयिकी

असम में 'मियां मुस्लिम' बेदखली अभियान

असम की भाजपा सरकार घुसपैठियों को नियंत्रित करने के लिए 'मियां मुस्लिम' बेदखली अभियान चला रही है। 'मियां मुस्लिम' उन लोगों को कहा जाता है, जो बाग्लादेशी मूल के हैं और अवैध रूप से भारत में आकर बसे हुए हैं। इस तरह के लोगों को अन्य नाम से भी पुकारा जाता है, पहचान किया जाता है। अन्य नामों में बांग्लादेशी, रोहिंग्या शामिल है। खासकर असम में 'मियां मुस्लिम' एक अपमानजनक नाम और पहचान है। 'मियां मुस्लिम' समूह पर आरोप है कि इन लोगों ने बांग्लादेश, म्यांमार और पाकिस्तान से आकर असम की डेमोग्राफी को बदला है। सरकारी जमीन पर कब्जा किया है। जंगलों का सफाया किया है। पहाड़ों को तोड़ा है।

आमतौर पर यह धारणा असम के अंदर मजबूत है और इसी के ईद-गिर्द असम की राजनीति भी घूमती-फिरती है। सतारूढ़ दल की भी सोच यही है। सत्तारूढ़ दल, जहां 'मियां मुस्लिम' बेदखली अभियान से लाभार्थी होने की रणनीतियां बनाता है, वहीं विपक्ष कांग्रेस और अन्य मुस्लिम राजनीतिक पार्टियां 'मियां मुस्लिम' बेदखली अभियान को मुसलमानों को अपमानित करने और मुसलमानों को प्रताड़ित करने के साथ ही साथ उन्हें घर-बार से वंचित करने के तौर पर देखता है। इससे अपना जनाधार विकसित करता है। यह कहना कि फायदे की राजनीति, तनाव की राजनीति, नफरत की राजनीति सिर्फ सत्ताधारी पार्टी भाजपा ही करती है, पूरी तरह से सच नहीं है।

आचार्य श्रीहरि

लेखक

रोहिंग्याओं और बांग्लादेशियों को संरक्षण देकर बसाने और रोजगार उपलब्ध कराकर अपना जनाधार संरक्षित करने का काम कांग्रेस और मुस्लिम पार्टियां भी करती हैं, लेकिन सच को दबाया नहीं जा सकता है। छुपाया नहीं जा सकता है। रोहिंग्या और बांग्लादेशियों की अवैध घुसपैठ एक सच है, जो प्रमाणित है। अवैध घुसपैठ के कारण न सिर्फ असम की डेमोग्राफी बदली है, खतरनाक हुई है, हिंसक हुई है, बल्कि देश के अन्य भागों में इसकी एक झलक देखने को मिलती है। रोहिंग्याओं और बांग्लादेशियों की अवैध घुसपैठ को राष्ट्रीय सुरक्षा का प्रतीक और सनातन संहार का विषय और कारण मान लिया गया है।

एलानिया तौर पर असम में 'मियां मुस्लिम' बेदखली अभियान जोरों पर है। इसको लेकर असम की भाजपा सरकार भी गंभीर है और सक्रिय है तथा आक्रामक है। असम भाजपा सरकार कोई कोताही बरतने के लिए तैयार नहीं है। अभियान को जोरशोर से चलाया जा रहा है। अभी तक हजारों घरों को तोड़ा गया है। उस पर बुलडोजर चला दिया गया है। खेती की जमीन पर अतिक्रमण हटा दिया गया है। बुलडोजर चलने का आधार यह है कि सरकारी जमीन है, जिस पर अवैध कब्जा है। सरकारी जमीन पर कभी जंगल था, सरकारी जमीन पर कभी पहाड़ था, कभी पेड़-पौधे थे, जिसे काटकर घर बनाए गए और खेती के लिए जमीन बनाई गई।

अगले वर्ष असम में चुनाव हैं। चुनाव के दृष्टिकोण से ही बेदखली अभियान प्रभावी है। भाजपा का आरोप है कि 'मियां मुस्लिम' ग्रेटर राज के लिए घुसपैठ जारी है। हिंदुओं को बलपूर्वक भयभीत किया जा रहा है और उन्हें अपने मूल स्थान से भागने के लिए विवश किया जा रहा है। असम के कई जिले देखते-देखते मुस्लिम बहुल हो गए। कई विधान सभा क्षेत्र मुस्लिम बहुल हो गए, जहां पर मुस्लिम उम्मीदवार की ही जीत अनिवार्य हो गई है। असम में मुसलमानों की एक नयी पार्टी भी बन गई है, जो न केवल प्रभावी है बल्कि अपना दखल भी विशेष रखती है। असम यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट नाम की मुस्लिम पार्टी पर विदेशी घुसपैठियों को संरक्षण देने के आरोप लगते रहे हैं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह***

0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

आउटिंग के लिए हमेशा बड़ी गाड़ियों की जरूरत होती है। अगर आप एडवेंचर पसंद हैं और आपको पहाड़ों पर जाना पसंद है तो आपके लिए मार्केट में कई गाड़ियां हैं। हर गाड़ी की अपनी खूबियां हैं। अहम है आपकी जरूरत और पंसद कैसी है। यह गाड़ियां ऐसी हैं, जिनमें फैमिली के साथ सुहाने सफर पर निकला जा सकता है। हम यहां बात करेंगे महिंद्रा थार रॉक्स, मारुति सुजुकी जिम्नी और फोर्स गुरखा 5-डोर की। जानिए कौन सी एसयूवी है, फैमिली और एडवेंचर दोनों के लिए बेस्ट।

Thar Roxx वर्सेज Jimny Vs Gurkha 5-Door

मार्केट में कई ऑफ-रोड एसयूवी आ गई हैं। सभी बहुत खूबसूरत और जबरदस्त हैं। ताकतवर इंजन, स्टाइलिश लुक के साथ ही इनमें बेहतरीन फीचर्स भी हैं। महिंद्रा थार रॉक्स, मारुति सुजुकी जिम्नी और फोर्स गुरखा 5-डोर- तीनों ही दमदार इरादों के साथ मार्केट में हैं। इनमें से कोई बेहतरीन टेक्नोलॉजी के साथ मैदान में है, तो कोई दमदार परफार्मेंस के साथ तो कोई हल्के वजन और अपनी सादगी के साथ लुभा रही है। सबसे अहम बात यह है कि आपकी जरूरत कैसी है और जंगल व पहाड़ पर एडवेंचर टूर के लिए आप किसको पसंद करते हैं।

कौन है ऑफ रोडर सुल्तान

बात फैमिली के साथ सफर की

अगर बात रियर सीट की करें, तो थार रॉक्स इन सबमें बेहतर है। इसमें पैरों के लिए काफी जगह है। एडजस्टेबल बैकरेस्ट है। साथ ही पैनोरमिक सनरूफ फैमिली इस्तेमाल को आसान बनाते हैं। जिम्नी चार-सीटर है और पीछे बैठने वालों को सीमित जगह से समझौता करना पड़ सकत है। गुरखा की खासियत इसका तीसरा रो है, लेकिन वहां पहुंचना और सामान के साथ इस्तेमाल करना उतना आसान नहीं लगता है।

ऑफ-रोड पर दमदारी किसकी

तीनों ही एसयूवी का बेस ऑफ-रोडर है। लैडर-फ्रेम चेसिस और लो-रेंज गियरिंग इनकी खूबरियां हैं। जिम्नी की खूबी उसका छोटा आकार और हल्का वजन है। बिना डिफरेंशियल लॉक के भी अगर सही लाइन पकड़ ली जाए तो जिम्नी मुश्किल रास्तों से भी आसानी से निकल जाती है। गुरखा 5-डोर- जैसा इसका नाम है वैसा ही इसका काम है। यह देसी, रॉ और मैकेनिकल फील देता है। फ्रंट और रियर डिफ लॉक इसकी खूबी है, जो कठिन हालात में बड़े काम के साबित होते हैं। थार रॉक्स की अपनी विशेषताएं हैं। इलेक्ट्रॉनिक रियर डिफ लॉक, हल्का इलेक्ट्रिक स्टीयरिंग और बेहतरीन कंट्रोल इसकी तकनीकी खूबियां हैं जो इसे ताकत भी देते हैं। लंबा व्हीलबेस होने के बावजूद ऑफ-रोड क्षमता में कोई कमी फील नहीं होती है।

लुक और रोड प्रेजेंस

जिम्नी सबसे कॉम्पैक्ट है। इसे शहर में चलाना आसान है। गुरखा 5-डोर ऊंचाई और बॉक्सी डिजाइन के कारण रोड पर काफी भारी-भरकम दिखती है- स्नॉर्कल और रूफ रैक इसे एडवेंचर रेडी बनाते हैं। जहां तक थार रॉक्स की बात है तो स्टाइल और साइज की इसकी बात दीगर है। केबिन में कदम रखते ही इसका प्रीमियम एहसास अलग फील कराता है। बड़ा टचस्क्रीन, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट्स अच्छा एहसास करता हैं। गुरखा का इंटीरियर अभी भी बेसिक सा ही है।

इंजन की दमदारी

जिम्नी का पेट्रोल इंजन काफी बेहतर है, लेकिन हाईवे पर इसका जोश थोड़ा कम सा फील कराता है। गुरखा में नया डीजल इंजन है, जो पहले से कहीं बेहतर है। थार रॉक्स का डीजल इंजन काफी बेहतर है। ताकत, रिस्पॉन्स और गियर बॉक्स का तालमेल शहर, हाईवे और ऑफ-रोड- तीनों जगह बेहतर परफार्मेंस देता है। इसकी स्टीयरिंग भी ज्यादा आधुनिक और हल्की है।

सेफ्टी और कीमत

सेफ्टी फीचर्स में थार रॉक्स काफी बेहतर है। इसमें छह एयरबैग हैं। साथ ही स्टेबिलिटी कंट्रोल के साथ-साथ एडीएएस जैसी आधुनिक तकनीक इसे ज्यादा भरोसेमंद बनाती है। जिम्नी और गुरखा यहां थोड़ा लिमिटेड लगती है। अगर कीमत का आकलन करें तो जिम्नी सबसे सस्ती है। गुरखा बीच में और थार रॉक्स सबसे महंगी साबित होगी। तीनों की कीमत, फीचर्स, लुक, दमदार इंजन के साथ ही आपकी पसंद तय करेगी कि आपके लिए बेहतर क्या है?

मॉय फर्स्ट राइड

चार पहियों पर आत्मविश्वास की शुरुआत

मेरे लिए पहली बार कार चलाना सिर्फ़ एक नया हुनर सीखना नहीं था, बल्कि अपने डर पर जीत पाने की एक बड़ी कोशिश थी। आज भी उस दिन को याद करती हूं, तो दिल में हल्की-सी घबराहट और ढेर सारी खुशी एक साथ महसूस होती है। मैंने कार चलाना सीखने का फैसला बहुत सोच-समझकर लिया था। मन में कई सवाल थे-क्या मैं ठीक से चला पाउंगी? कहीं गलती हो गई तो? घरवाले और समाज की बातें भी अक्सर कानों में गूंजती थीं कि "महिलाओं के लिए ड्राइविंग मुश्किल होती है।" लेकिन कहीं न कहीं मेरे भीतर यह इच्छा ज़रूर थी कि मैं खुद स्टीयरिंग संभालूं और अपनी राह खुद तय करूं। जिस दिन पहली बार ड्राइविंग सीट पर बैठी, हाथ अपने आप कांप रहे थे। स्टीयरिंग पकड़ते ही उसकी ठंडक हथेलियों तक उतर आई। सामने फैला हुआ डैशबोर्ड, शीशों में दिखती सड़क और पैरों के नीचे क्लच-ब्रेक-सब कुछ नया और थोड़ा डरावना लग रहा था। ट्रेनर ने शांत आवाज में कहा, "डरने की ज़रूरत नहीं, आराम से।"

मैंने गहरी सांस ली और खुद को संभाला। जैसे ही इंजन स्टार्ट किया, दिल जोर-जोर से धड़कने लगा। पहली बार एक्सीलेरेटर दबाते समय ऐसा लगा मानो पूरी दुनिया मुझे देख रही हो।

कार धीरे-धीरे आगे बढ़ी और उसी पल मेरे भीतर कुछ बदल गया। डर अभी भी था, लेकिन उसके साथ एक अजीब-सी खुशी भी जुड़ गई थी। हर गियर बदलने पर आत्मविश्वास थोड़ा-थोड़ा बढ़ रहा था। सड़क पर निकलते ही मैंने शीशे में खुद को देखा। आंखों में डर के साथ-साथ गर्व भी था। मोड़ लेते समय हाथ सख्त हो जाते थे, लेकिन जैसे-जैसे कार मेरी पकड़ में आ रही थी, मन हल्का होता जा रहा था। हवा खिड़की से अंदर आ रही थी और मुझे एहसास हो रहा था कि मैं सिर्फ कार नहीं चला रही, बल्कि अपनी सीमाओं को भी पीछे छोड़ रही हूं।

एक बार कार हल्की-सी झटकी और मैं घबरा गई, लेकिन प्रशिक्षक की मुस्कान और हौसला देखकर फिर से संभल गई। उस छोटी-सी गलती ने मुझे सिखाया कि सीखने की प्रक्रिया में डर और गलतियां दोनों जरूरी हैं। जब ड्राइव खत्म हुई और मैंने कार रोकी, तो दिल से एक लंबी राहत की सांस निकली। चेहरे पर अपने आप मुस्कान आ गई। वह पल मेरे लिए बेहद खास था। पहली बार कार चलाकर मुझे यह एहसास हुआ कि आत्मनिर्भरता कितनी ताकत देती है। आज मैं जब भी कार चलाती हूं, उस पहले दिन को याद करती हूं। वह अनुभव मुझे हर बार याद दिलाता है कि अगर हिम्मत की स्टीयरिंग अपने हाथ में ले ली जाए, तो जिंदगी की कोई भी सड़क मुश्किल नहीं लगती।

-प्रो. प्रीती अभिषेक विमल, नई दिल्ली

नए ड्राइवरों के लिए सुरक्षित ड्राइविंग टिप्स

आज के समय में गाड़ी चलाना केवल एक तकनीकी कौशल नहीं, बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी भी है। खासकर नए ड्राइवरों के लिए सड़क पर उतरना उत्साह के साथ-साथ सतर्कता की मांग करता है। ट्रैफिक नियमों की सही समझ, वाहन पर नियंत्रण और धैर्यपूर्ण व्यवहार ही सुरक्षित ड्राइविंग की बुनियाद होते हैं। अक्सर शुरुआती ड्राइवर जल्दबाजी या आत्मविश्वास की कमी के कारण गलतियां कर बैठते हैं, जो दुर्घटनाओं का कारण बन सकती हैं। ऐसे में यह गाइड नए ड्राइवरों को न केवल सुरक्षित ड्राइविंग के आवश्यक नियम सिखाता है, बल्कि उन्हें जिम्मेदार और समझदार चालक बनने की दिशा भी दिखाता है। आइए आपको बताते हैं सुरक्षित आसान टिप्स-

सुरक्षा, समझ और संयम से बनें बेहतर ड्राइवर

आज के तेज रफ्तार दौर में गाड़ी चलाना केवल एक सुविधा नहीं, बल्कि जिम्मेदारी भी है। खासकर नए ड्राइवरों के लिए ड्राइविंग सीखना उत्साह और थोड़ी घबराहट दोनों का मेल होता है। सड़क पर आत्मविश्वास तभी आता है, जब नियमों की समझ, सही अभ्यास और धैर्य साथ हों। यह गाइड नए ड्राइवरों को सुरक्षित, संतुलित और जिम्मेदार चालक बनने में मदद करेगा।

ड्राइविंग से पहले सही तैयारी

ड्राइविंग शुरू करने से पहले सीट, स्टीयरिंग और शीशों को अपने शरीर के अनुसार एडजस्ट करना बेहद जरूरी है। सीट इतनी दूरी पर हो कि क्लच, ब्रेक और एक्सीलेरेटर आराम से दब सकें। रियर और साइड मिरर ऐसे सेट हों कि पीछे और बगल की सड़क साफ दिखाई दे। यह छोटी-सी तैयारी बड़ी दुर्घटनाओं से बचा सकती है।

ट्रैफिक नियम: सड़क की भाषा

ट्रैफिक सिग्नल, रोड साइन और लेन सिस्टम सड़क की भाषा होते हैं। नए ड्राइवरों को इन्हें गंभीरता से समझना चाहिए। रेड लाइट पर रुकना, जेब्रा क्रॉसिंग का सम्मान करना और ओवरस्पीडिंग से बचना- ये सभी आदतें आपको एक सभ्य चालक बनाती हैं। सीट बेल्ट लगाना केवल नियम नहीं, बल्कि जीवन रक्षक उपाय है।

क्लच और ब्रेक पर नियंत्रण

शुरुआती ड्राइवर्स के लिए सबसे चुनौतीपूर्ण काम होता है क्लच कंट्रोल। अचानक क्लच छोड़ना या तेज ब्रेक लगाना गाड़ी को झटके दे सकता है। अभ्यास के साथ धीरे-धीरे क्लच छोड़ना और ब्रेक का संतुलित इस्तेमाल सीखें। स्मूद ड्राइविंग ही सुरक्षित ड्राइविंग की पहचान है।

इंडिकेटर और हॉर्न का शिष्टाचार

मोड़ लेते समय या लेन बदलते वक्त इंडिकेटर देना आपकी जिम्मेदारी है। इससे पीछे और आगे चल रहे ड्राइवर सतर्क रहते हैं। हॉर्न का अनावश्यक इस्तेमाल तनाव और दुर्घटना दोनों बढ़ाता है, इसलिए केवल ज़रूरत पड़ने पर ही हॉर्न बजाएं।

स्पीड पर रखें कंट्रोल

तेज चलाना कौशल नहीं, बल्कि जोखिम है। नई जगहों, ट्रैफिक वाले इलाकों या संकरी सड़कों पर हमेशा धीमी गति रखें। गति नियंत्रण न केवल दुर्घटनाओं से बचाता है, बल्कि ईंधन की भी बचत करता है।

सुरक्षित दूरी का महत्व

आगे चल रही गाड़ी से पर्याप्त दूरी बनाए रखना बहुत जरूरी है। अचानक ब्रेक लगने की स्थिति में यह दूरी आपको प्रतिक्रिया देने का समय देती है। बारिश या धुंध में यह दूरी और बढ़ा देनी चाहिए।

रात की ड्राइविंग में सावधानी

रात में ड्राइव करते समय हाई बीम का गलत इस्तेमाल सामने से आने वाले ड्राइवर के लिए खतरनाक हो सकता है। सामने वाहन होने पर लो बीम का प्रयोग करें और सड़क पर पैदल चलने वालों का विशेष ध्यान रखें।

धैर्य और आत्मविश्वास

शुरुआत में गलती होना सामान्य है। जरूरी है कि आप घबराएं नहीं, जल्दबाज़ी न करें और अनुभव से सीखें। शांत मन और धैर्य ही आपको बेहतर चालक बनाते हैं।

मोबाइल और ड्राइविंग खतरनाक मेल

ड्राइविंग के दौरान मोबाइल फोन का उपयोग जानलेवा साबित हो सकता है। कॉल या मैसेज के लिए गाड़ी किनारे रोकें। सड़क पर आपकी एकाग्रता ही आपकी सबसे बड़ी सुरक्षा है।

एसएस रिटेल ने आईपीओ के लिए सेबी को दिए दस्तावेज

नई दिल्ली। मोबाइल खुदरा कंपनी एसएस रिटेल ने अपनी आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये 500 करोड़ जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी के पास प्रारंभिक दस्तावेज भेजे हैं। कंपनी के दाखिल किए दस्तावेज के अनुसार, कंपनी की पहली सार्वजनिक पेशकश 300 करोड़ के शेयरों के ताजा निर्गम के साथ प्रवर्तकों और अन्य शेयरधारकों द्वारा 200 करोड़ की बिक्री की पेशकश का संयोजन होगी।

अमृत विचार

कानपुर, सोमवार, 29 दिसंबर 2025

www.amritvichar.com

कारोबार

बिजनेस ब्रीफ

एनसीएलटी का आदेश एनसीएलएटी ने किया रद्द

नई दिल्ली। कलवर मैक्स एंटरटेनमेंट को राहत देते हुए राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय अधिकरण (एनसीएलएटी) ने ओडिशा स्थित वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी के खिलाफ दायर दिवाला याचिका को खारिज करने वाले राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) के आदेश को रद्द कर दिया है। एनसीएलएटी ने मामले को नए सिरे से सुनवाई के लिए एनसीएलटी की कटक पीठ को भेज दिया है। एनसीएलएटी ने कहा कि एनसीएलटी को कलवर मैक्स को आवेदन में दोष को सुधारने का अवसर देना चाहिए और कहा कि वर्तमान मामले में अवसर नहीं दिया गया था। इसी वजह से एनसीएलटी का 30 अप्रैल 2024 का आदेश गलत और अवैध माना गया है और उसे रद्द किया जाना चाहिए।

जलपोत परियोजनाओं के दिशानिर्देश जारी

नई दिल्ली। बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय (एमओपीएसडब्ल्यू) ने 44,700 करोड़ से अधिक के परिव्यय के साथ दो प्रमुख जलपोत निर्माण योजनाओं के लिए दिशानिर्देश अधिसूचित किए हैं। आधिकारिक बयान के अनुसार, जहाज निर्माण वित्तीय सहायता योजना (एसबीएफएएस) और जहाज निर्माण विकास योजना (एसबीडीएस) नामक दो पहल का उद्देश्य देश की घरेलू जहाज विनिर्माण क्षमता को मजबूत करना और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार करना है। एसबीएफएएस के तहत सरकार जहाज की श्रेणी के आधार पर प्रति जहाज 15-25% की वित्तीय सहायता देगी। इसका कोष 24,736 करोड़ रुपये है।

रक्षा विनिर्माण में निवेश करेगा अडाणी समूह

नई दिल्ली। अडाणी समूह अगले साल रक्षा विनिर्माण में 1.8 लाख करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बना रहा है। सूत्रों ने बताया कि इसके तहत मानवरहित प्रणालियों और उन्नत हथियारों में क्षमताओं को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। अडाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस ने लंबी योजना प्रक्रियाओं से आगे बढ़ते हुए त्वरित तैनाती की ओर रुख किया और सैन्य उपकरणों का उपयोग ऑपरेशन सिंदूर में किया। कंपनी मानवरहित व स्वायत्त प्रणालियों, हथियारों, सेंसर और इलेक्ट्रॉनिक्स, एआई आधारित बहुक्षेत्रीय अभियानों तथा रखरखाव, मरम्मत व प्रशिक्षण के विस्तार में निवेश करेगी।

अमेरिकी शुल्क के बावजूद भारत का निर्यात स्थिर

भारतीय निर्यातकों ने बाजारों को विविधीकरण करके निर्यात की वृद्धि को बनाए रखा मजबूत

- भारत का निर्यात 2020 में 276.5 अरब डॉलर से बढ़कर 2025 में 407 अरब डॉलर पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी

वर्ष 2025 में अमेरिका ने भारत के निर्यात पर 50% अतिरिक्त शुल्क लगाया, लेकिन भारतीय निर्यातकों ने अपने बाजारों को विविध करके निर्यात वृद्धि को मजबूती से बनाए रखा और यह तेजी 2026 में भी जारी रहने की संभावना है। व्यापार मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, व्यापार पानी की तरह है, यह अपना मार्ग खुद ढूंढ लेता है।

भारतीय वस्तु निर्यात ने कोविड, रूस-यूक्रेन युद्ध, इजराइल-हमास युद्ध, लाल समुद्र शिपिंग संकट, सेमीकंडक्टर आपूर्ति समस्या और अब अमेरिका के उच्च शुल्क जैसी चुनौतियों के बीच भी तेजी से प्रतिक्रिया दी है। भारत का निर्यात 2020 में लगभग 276.5 अरब डॉलर था, जो 2021 में बढ़कर 395.5 अरब डॉलर और 2022 में 453.3 अरब डॉलर हो गया था। 2023 में यह गिरकर 389.5 अरब डॉलर रहा, लेकिन फिर 2024 में यह 443 अरब डॉलर तक पहुंच गया। वर्ष 2025 (जनवरी-नवंबर) तक इसका आंकड़ा लगभग 407 अरब डॉलर हो चुका है।

वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 में भारत का माल और सेवा निर्यात ऐतिहासिक उच्च स्तर 825.25 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जिसमें सालाना आधार पर 6% से अधिक वृद्धि हुई। चालू वित्त वर्ष (अप्रैल-नवंबर 2025) में भी निर्यात 562 अरब डॉलर रहा, जो वैश्विक चुनौतियों के बीच भारत के लचीलेपन को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान रुझानों के आधार पर 2026 में भी भारत की निर्यात वृद्धि मजबूत रहने की संभावना है। खास तौर पर तीन मुक्त व्यापार समझौते (ब्रिटेन, ओमान और न्यूजीलैंड) अगले साल लागू होने वाले हैं, जो भारतीय वस्तुओं और सेवाओं को बेहतर बाजार पहुंच देंगे। अमेरिका ने 2025 में भारतीय वस्तुओं पर उच्च शुल्क लागू किए। इसके कारण सितंबर और अक्टूबर में अमेरिका के लिए निर्यात प्रभावित हुआ, लेकिन नवंबर 2025 में अमेरिका के लिए निर्यात 22.61 प्रतिशत बढ़कर 6.98 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जो निर्यातकों के अनुकूल संकेत है। हालांकि, निर्यातक अभी भी वैश्विक अनिश्चितताओं को लेकर सतर्क हैं। वे अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौता और यूरोपीय संघ के साथ व्यापार समझौते के जल्द पूरा होने की आशा कर रहे हैं ताकि निर्यात को और मजबूती मिले।

व्यापार तथा विनिर्माण गतिविधियों में कमी के संकेत

विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) ने चेताया है कि 2025 में वैश्विक व्यापार केवल 2.4 प्रतिशत बढ़ सकता है, जबकि 2026 के लिए यह अनुमान घट कर 0.5 प्रतिशत हो गया है, जो विकसित अर्थव्यवस्थाओं में व्यापार तथा विनिर्माण गतिविधियों में कमी का संकेत देता है। सरकार ने निर्यातकों को सहायता देने के लिए कई कदम उठाए हैं। इनमें 25,060 करोड़ रुपये के निर्यात प्रचार मिशन, योग्य निर्यातकों को 20,000 करोड़ रुपये तक बिना गिरवी क्रेडिट सुविधा, कर्ज भुगतान में लंबी अवधि, और नये व्यापार समझौतों (एफटीए) का उपयोग शामिल है, ताकि निर्यातियों को वैश्विक चुनौतियों से निपटने में मदद मिले।

बाजारों के विविधीकरण से आगे बढ़ेगा निर्यात

निर्यात विशेषज्ञों के अनुसार, 2026 में भी भारत का निर्यात बढ़ेगा क्योंकि घरेलू वस्तुओं और सेवाओं की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता, उत्पादों तथा बाजारों का विविधीकरण निर्यात को आगे बढ़ाएगा। विशेष रूप से इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात लगभग 39 फीसदी बढ़ा है, जो विदेशी प्रत्यक्ष निवेश के कारण क्षमता निर्माण और वैश्विक आपूर्ति शृंखला में गहरी हिस्सेदारी को दर्शाता है। इसके अलावा इंजीनियरिंग वस्तु, दवा और वाहन निर्यात भी निरंतर गति बनाए हुए हैं।

बिजली कारोबार शुल्क घटाएगा सीईआरसी

नई दिल्ली, एजेंसी

- दक्षता बढ़ाने, नकदी की मजबूती व एक्सचेंजों में कीमतों को तर्कसंगत बनाने में होगा मददगार
- केंद्रीय आयोग ने जुलाई में दो साल से अधिक समय तक चले विचार-विमर्श के बाद दी थी मंजूरी

केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग बिजली कारोबार एक्सचेंजों पर लगने वाले लेनदेन शुल्क को तर्कसंगत बनाने पर विचार कर रहा है। इस पहल का मकसद बिजली की कीमतों को कम करना है। यह सुधार दक्षता बढ़ाने, नकदी की स्थिति को मजबूत करने और विभिन्न एक्सचेंजों में कीमतों को तर्कसंगत बनाने में मददगार होगा। इस कदम से समय के साथ बिजली खरीदारों के लिए कुल लागत में कमी आ सकती है।

बाजार समेकन को केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग ने इस साल जुलाई में दो साल से अधिक समय तक चले विचार-विमर्श के बाद मंजूरी दी थी। इसे चरणबद्ध तरीके से लागू करने का प्रस्ताव है, जिसकी शुरुआत जनवरी 2026 से की जाएगी। बाजार समेकन का मतलब बिजली की अलग-अलग एक्सचेंजों में होने वाली खरीद-फरोख्त को एक ही प्रणाली में जोड़ देना है, ताकि एक ही कीमत तय हो। एक अधिकारी ने बताया कि सीईआरसी ने दिसंबर 2025 में बिजली एक्सचेंजों द्वारा वसूले जाने वाले लेनदेन शुल्क की समीक्षा पर एक विचार-पत्र को अंतिम रूप दिया है। नाम न बताने की शर्त पर अधिकारी ने कहा कि नियामक यह जांच कर रहा है कि मौजूदा लेनदेन शुल्क ढांचा, जिसकी सीमा प्रति यूनिट दो पैसे है, क्या उस बाजार के लिए सही है, जहां कारोबार की मात्रा तेजी से बढ़ी है और जो एकीकृत मूल्य खोज व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है।

बैंक, वित्तीय संस्थान सतर्कता मामलों की शीघ्र जानकारी दें : वित्त मंत्रालय

नई दिल्ली, एजेंसी

- कई मामलों की जानकारी के बाद वित्तीय सेवा विभाग की ओर से जारी किया निर्देश

वित्त मंत्रालय ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और वित्तीय संस्थानों को निर्देश दिया है कि वे अपनी कंपनियों के पूर्णकालिक निदेशकों से जुड़े सतर्कता संबंधी मामलों की जानकारी तुरंत दें। वित्त मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले वित्तीय सेवा विभाग ने यह निर्देश ऐसे कई मामलों के बाद जारी किया है, जिनमें बोर्ड स्तर पर नियुक्त किए गए अधिकारियों के बारे में नकारात्मक या समस्याग्रस्त जानकारी समय पर साझा नहीं की गई।

कई मामलों में, ऐसी महत्वपूर्ण नकारात्मक जानकारी जैसे निजी शिकायतें, अदालत के नोटिस या टिप्पणियां, संदर्भ या सीबीआई और अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों की जानकारी केवल उस समय साझा की जा रही है जब सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के मुख्य सतर्कता अधिकारियों (सीवीओ) से विशेष रूप से सतर्कता मंजूरी मांगी जाती है। इस माह जारी की गई सलाह में बिना किसी विशेष मामले का जिक्र किए कहा गया कि कुछ मामलों में पूरे समय कार्यरत निदेशकों से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी को सतर्कता मंजूरी के फॉर्म में नहीं भरा जाता, इस वजह से कि ऐसे खुलासे के लिए कोई अलग कॉलम मौजूद नहीं है।

सलाह में कहा गया कि किसी भी महत्वपूर्ण जानकारी को छोड़ना, खासकर नियुक्ति, पदोन्नति, बोर्ड स्तर की नियुक्ती और पूरे समय कार्यरत निदेशकों की तैनाती से जुड़ी जानकारी, गंभीर चिंता का विषय है। इसलिए सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों से ऐसी मामलों में सख्त पालन की उम्मीद की जाती है। वित्तीय सेवा विभाग ने बैंकों और वित्तीय संस्थानों को निर्देश दिया है कि वे बोर्ड स्तर के अधिकारियों के बारे में किसी भी नकारात्मक जानकारी को तुरंत सूचित करें, भले ही वह जानकारी किसी अन्य भूमिका से संबंधित हो।

आर्थिक आंकड़े, विदेशी निवेशक तय करेंगे बाजार की चाल

नई दिल्ली, एजेंसी

इस सप्ताह शेयर बाजार में निवेशकों की धारणा व्यापक आर्थिक आंकड़ों, वैश्विक रुझानों और विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियों से प्रभावित होगी। विश्लेषकों ने कहा कि वाहन बिक्री के आंकड़ों पर भी करीबी नजर रखी जाएगी। कुछ कारोबारी सत्र ही बाकी रहने से शेयर बाजारों के सीमित दायरे में रहने का अनुमान है, हालांकि रुझान सकारात्मक रह सकता है।

सात कंपनियों की पूंजी 35,439 करोड़ रुपये घटी

छुट्टियों से छोटे रहे गत सप्ताह में शीर्ष 10 में शामिल सात मूल्यवान कंपनियों का संयुक्त बाजार पूंजीकरण 35,439.36 करोड़ रुपये घट गया। भारतीय स्टेट बैंक को सबसे अधिक नुकसान हुआ। शीर्ष कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो और भारतीय जीवन बीमा निगम की पूंजी में गिरावट आई। दूसरी ओर एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल और इंफोसिस लाभ में रहे।

रिलायंस ब्रोकिंग लिमिटेड में वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजित मिश्रा ने कहा कि इस सप्ताह कैलेंडर वर्ष 2026 की शुरुआत होगी, और दिसंबर के वायदा-विकल्प सौदे पूरे होने से अधिक उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। घरेलू स्तर पर जिन प्रमुख आंकड़ों पर नजर रहेगी, उनमें नवंबर का औद्योगिक उत्पादन सूचकांक और एचएसबीसी विनिर्माण पीएमआई हैं। वैश्विक स्तर पर अमेरिका से जुड़े व्यापक आर्थिक संकेतों पर नजर रखेंगे, जिनमें एफओएमसी बैठक का ब्योरा और फेडरल रिजर्व की बैलेंस शीट से जुड़ी जानकारियां हैं। एनरिच मनी के सीईओ पोन्मुडी आर ने कहा कि कुछ कारोबारी सत्र ही बाकी रहने से इक्विटी बाजारों के सीमित दायरे में रहने का अनुमान है। इस सप्ताह निघरेलू और विदेशी स्तरों पर व्यापक आर्थिक आंकड़ों से प्रभावित होगी।

राष्ट्रीय

जमीनी स्तर की योजनाओं से मिलती हैं बड़ी उपलब्धियां

आईएमए नेटकॉन 2025 को अमित शाह ने किया संबोधित

- केंद्रीय गृह मंत्री बोले- मलेरिया के मामलों में 97% की गिरावट, देश शीघ्र ही इस बीमारी से होगा मुक्त

अहमदाबाद, एजेंसी

100वें आईएमए नैटकॉन 2025 में शामिल केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और आईएमए के पूर्व अध्यक्ष केतन देसाई।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि उपलब्धियां तभी हासिल होती हैं जब योजनाओं को जमीनी स्तर पर उतारा जाता है। भारत में मलेरिया के मामलों में 97% कमी आई है और देश जल्द इससे मुक्त होगा। अहमदाबाद के शेला में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के ऑल इंडिया मेडिकल कॉन्फ्रेंस-आईएमए नेटकॉन 2025 को शाह संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत और मिशन इंद्रधनुष जैसी विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं से मलेरिया में 97 प्रतिशत कमी आई है और हम जल्द मलेरिया से मुक्त होंगे। सरकार डेंगू से होने वाली मृत्यु दर को घटाकर एक प्रतिशत तक लाने में सफल रही है। मातृ मृत्यु दर में 25% की कमी आई है। केंद्र का स्वास्थ्य बजट 2014 के 37,000 करोड़ रुपये से बढ़कर प्रधानमंत्री मोदी के शासनकाल में अब 1.28 लाख करोड़ हो गया है। नागरिकों के स्वास्थ्य में अभूतपूर्व बदलाव के लिए भी काम किया गया है। शाह ने कहा कि आईएमए की भूमिका आज और भी महत्वपूर्ण हो गई है क्योंकि प्रधानमंत्री के 2047 तक विकसित भारत की दिशादृष्टि को साकार करने के लिए देश को एक स्वस्थ जनसांख्यिकी की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इस प्रयास के कुछ प्रमुख घटक स्वच्छ भारत मिशन, आयुष्मान भारत, 'फिट इंडिया मूवमेंट' और 'खेलो इंडिया' हैं। उन्होंने बताया कि हमने जेनेरिक दवाएं किफायती बनाई, जीएसटी हटाकर कई दवाओं की लागत कम की और मेडिकल सीट की संख्या बढ़ाई। हम अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एआईएमएस) की पहुंच का विस्तार कर रहे हैं। हम एम्स के माध्यम से एक कार्यक्रम शुरू करेंगे जिसके तहत टेलीमेडिसिन और वीडियोग्राफी के जरिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) को मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा।

राहुल गांधी लोगों की पसंद का विरोध करेंगे, तो वोट कैसे मिलेंगे

अहमदाबाद। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि अगर कोई पार्टी लोगों को पसंद आने वाली हर चीज का विरोध करती है, तो उसे वोट नहीं मिलेंगे। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि राहुल गांधी को यह सरल तर्क समझाना उनकी क्षमता से परे है, क्योंकि कांग्रेस के नेता भी इसे समझाने में विफल रहे हैं। शाह अहमदाबाद शहर के पास एक गांव में एक सभा को संबोधित कर रहे थे। शाह ने कहा कि हाल ही में लोकसभा में हुई बहस के दौरान, राहुल गांधी ने मुझसे अजीब सवाल पूछा- चुनाव में हर बार सिर्फ उनकी पार्टी ही क्यों हारती है? उन्होंने लोगों से पूछने के बजाय मुझसे पूछा। राहुल बाबा, अगर आप मेरे द्वारा शुरू की गई इन दो पहल को समझेंगे, तो आपको इसका जवाब मिल जाएगा। भाजपा नेता ने कहा कि राहुल गांधी को हार से थकना नहीं चाहिए क्योंकि कांग्रेस आगामी तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में निश्चित रूप से हारेगी।

भाजपा की सफलता लोगों का सिद्धांतों से जुड़ना

उन्होंने दावा किया कि 2029 के लोकसभा चुनावों में भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा विजयी होगी। हमारी सफलता का कारण यह है कि लोग हमारे सिद्धांतों से जुड़े हैं। कांग्रेस ने राम मंदिर, आतंकियों पर सर्जिकल स्ट्राइक, अनुच्छेद 370 को हटाने, समान नागरिक संहिता, तीन तलाक विरोधी अधिनियम और बांग्लादेशी घुसपैठियों को बाहर निकालने के हमारे अभियान का विरोध किया था। उन्होंने कहा कि अब बताइए, अगर आप लोगों का विरोध करेंगे तो आपको वोट कैसे मिलेंगे? लेकिन राहुल बाबा को यह सरल तर्क समझाना मेरी क्षमता से परे है, क्योंकि कांग्रेस के नेता भी ऐसा करने में असफल रहे हैं। नवी वंजार में आयोजित कार्यक्रम में शाह ने 173 निवासियों को सनद (भूमि स्वामित्व प्रमाण पत्र) सौंपे।

सिक्किम में उप्र के पर्वतारोही की मौत

गंगटोक। सिक्किम के प्रसिद्ध गोएचाला पर्वतारोहण मार्ग पर उत्तर प्रदेश के 45 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान सूरज तिवारी के रूप में हुई है। वह अपने दो दोस्तों के साथ यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल खांगचेंद्जोंगा राष्ट्रीय उद्यान में आठ दिन की गोएचाला पर्वतारोहण यात्रा पर गया था।

पुलिस ने बताया कि उसने गुरुवार को चढ़ाई शुरू की थी तभी सुबह नौ बजे कोक्चुरोंग शिविर के पास उसकी तबीयत खराब हो गई और उसमें लकवे जैसे लक्षण दिखाई देने लगे। साथी पर्वतारोहियों और गाइड ने उसे प्राथमिक उपचार दिया। स्थानीय लोगों और अन्य पर्वतारोहियों की मदद से उसे युकसोम ले जाए जाने के दौरान गुरुवार शाम आठ बजे 12,100 फुट की ऊंचाई पर स्थित फेदांग के पास उसकी मौत हो गई। उसका शव ग्यालशिंग जिला अस्पताल लाया गया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

तकनीकी मुद्दे से बंगाल में छूटे मतदाताओं की सुनवाई रुकी

- निर्वाचन आयोग ने जिला चुनाव अधिकारियों को फिर जारी किए निर्देश
- 2002 की सूची के पीडीएफ को सीएसवी में परिवर्तित न कर पाने से समस्या हुई उत्पन्न

कोलकाता, एजेंसी

निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल के जिला चुनाव अधिकारियों को फिर निर्देश जारी किया है कि मौजूदा एसआईआर प्रक्रिया के दौरान 2002 की मतदाता सूचियों के डिजिटलीकरण में तकनीकी समस्याओं के कारण बीएलओ एप में जो मतदाता छूट गए हैं उन्हें सुनवाई के लिए नहीं बुलाया जाना चाहिए, भले ही सिस्टम द्वारा ऐसे नोटिस स्वतः उत्पन्न हो गए हों। पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय द्वारा शनिवार को जारी निर्देश में कहा गया है कि यह समस्या 2002 की मतदाता सूची के पीडीएफ संस्करण को सीएसवी प्रारूप में पूरी तरह से परिवर्तित न कर पाने के कारण उत्पन्न हुई है।

परिणामस्वरूप कई मतदाताओं के लिए बीएलओ एप में लिंकिंग में समस्या आ रही है। राज्य में पिछला विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) 2002 में हुआ था। आयोग ने कहा है कि सिस्टम में दर्ज नहीं के रूप में चिह्नित होने के बावजूद, ऐसे कई मतदाताओं का 2002 की मतदाता सूची की हार्ड कॉपी के साथ वैध स्व-पहचान या वंशज संबंध है, जिसे जिला चुनाव अधिकारियों (डीईओ) द्वारा विधिवत प्रमाणित किया गया है और सीईओ की वेबसाइट पर प्रकाशित किया गया है। सीईओ कार्यालय ने कहा कि ऐसे मामलों में स्वचालित रूप से उत्पन्न होने वाले सुनवाई नोटिसों को तामील करने की जरूरत नहीं है और उन्हें चुनावी पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) या सहायक चुनावी पंजीकरण अधिकारी (एईआरओ) के स्तर पर रख लिया जाना चाहिए। निर्देशों के अनुसार, 2002 की सूची के अंश को संबंधित डीईओ को निर्वाचन आयोग के दिशानिर्देशों के अनुसार सत्यापन हेतु भेजे जा सकते हैं, जिसके बाद ईआरओ या एईआरओ उचित निर्णय ले सकते हैं।

केंद्र ने प. बंगाल के सीईओ को दी वाई-प्लस श्रेणी सुरक्षा

नई दिल्ली/कोलकाता। एसआईआर प्रक्रिया के मद्देनजर केंद्र सरकार ने पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) मनोज अग्रवाल को संभावित खतरे को देखते हुए सशस्त्र सुरक्षा प्रदान की है। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा 26 दिसंबर को जारी आदेश के बाद अग्रवाल को कोलकाता में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की वाई-प्लस श्रेणी की सुरक्षा दी गई है। अग्रवाल की निजी और आवास की सुरक्षा के लिए सीआईएसएफ वीआईपी सुरक्षा विंग के 11-12 सशस्त्र कर्मियों की टीम तैनात की गई है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद अधिकारी को संभावित खतरों को लेकर केंद्रीय एजेंसियों से मिली सूचना के चलते सुरक्षा व्यवस्था जरूरी हो गई।

एसआईआर के बीच एक और बीएलओ की मौत

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा जिले में रविवार को बूथ-स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) मृत पाया गया, जिसके बाद इन आरोपों को बल मिलने लगा है कि मतदाता सूची में जारी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से संबंधित काम के दबाव ने इसमें मुख्य भूमिका निभाई हो सकती है। यह घटना रानीबांध ब्लॉक में हुई। पुलिस ने बताया कि मंडल शिक्षक थे और वह रानीबांध ब्लॉक के रजकाटा क्षेत्र के अंतर्गत बूथ संख्या 206 के बीएलओ थे। मौके से मृतक के हस्ताक्षर वाला लिखित नोट मिला है, जिसमें उन्होंने काम के दबाव को झेलने में असमर्थता का जिक्र किया है। राज्य में अब तक एसआईआर के कारण चार बीएलओ सहित 39 आम नागरिकों की मौत हो चुकी है।

कांग्रेस एक विचारधारा और ये नहीं मरती

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस के 140वें स्थापना दिवस पर पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को कहा कि कांग्रेस एक विचारधारा और विचारधाराएं कभी नहीं मरतीं। खरगे ने इंदिरा भवन स्थित पार्टी मुख्यालय में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से कहा कि कांग्रेस के महान नेताओं के कारण ही भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र बन पाया।

उन्होंने कहा कि मैं उन लोगों से कहना चाहता हूं, जो कहते हैं कि कांग्रेस का अंत हो गया है। हमारी शक्ति भले ही कम हो गई हो, लेकिन हमारा हौसला अब भी बुलंद है। हमने किसी से समझौता नहीं किया, न संविधान से, न धर्मनिरपेक्षता से और न ही गरीबों के अधिकारों से। हम भले ही सत्ता में न हों, लेकिन हम समझौता नहीं करेंगे। खरगे ने बताया कि कांग्रेस ने कभी धर्म के नाम पर वोट नहीं मांगे और जोर देकर कहा कि पार्टी ने कभी मंदिर-मस्जिद के नाम पर नफरत नहीं फैलाई। कांग्रेस एकजुट करती है, जबकि भाजपा) बांटती है।

कांग्रेस राजनीतिक दल नहीं, भारत की आत्मा : राहुल

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस सिर्फ राजनीतिक दल नहीं, बल्कि भारत की आत्मा है, जो हर कमजोर, वंचित और मेहनतकश के साथ खड़ी है। उन्होंने पार्टी मुख्यालय इंदिरा भवन में आयोजित स्थापना दिवस में भाग लिया। गांधी ने एक्स पर कहा, संकल्प है कि नफरत, अन्याय और तानाशाही के खिलाफ सत्य, साहस और संविधान की रक्षा की लड़ाई और अधिक मज़बूती से लड़ेंगे। आज भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के स्थापना दिवस पर हर कांग्रेसजन को हार्दिक शुभकामनाएं।

दिग्विजय का शशि थरूर ने किया समर्थन कहा- संगठन को मजबूत करना चाहिए

शशि थरूर ने दिग्विजय सिंह का समर्थन करते हुए कहा कि संगठन को मजबूत करना चाहिए। थरूर इंदिरा भवन मुख्यालय में दिग्विजय सिंह के बगल में बैठे थे। दिग्विजय सिंह ने शनिवार को आरएसएस और भाजपा की संगठनात्मक ताकत की सराहना की। उन्होंने प्रधानमंत्री की तस्वीर साझा करते हुए कहा था कि किस तरह एक कार्यकर्ता मुख्यमंत्री और फिर प्रधानमंत्री बना। उन्होंने कांग्रेस की मजबूती का मुद्दा भी उठाया था।

कश्मीर : आरक्षण नीति के खिलाफ छात्र आंदोलन से पहले कई नेता नजरबंद

श्रीनगर, एजेंसी

- नेताओं के छात्रों को समर्थन देने के बाद प्रशासन ने उठाया कदम

जम्मू कश्मीर में मौजूदा आरक्षण नीति के खिलाफ छात्रों के विरोध प्रदर्शन में शामिल होने से रोकने के लिए रविवार को पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती और नेशनल कांफ्रेंस के सांसद आगा सैयद रुहुल्लाह मेहदी सहित कई नेताओं को नजरबंद कर दिया गया।

अधिकारियों ने बताया कि महबूबा मुफ्ती, उनकी बेटी इल्तिजा मुफ्ती, श्रीनगर से लोकसभा सदस्य रुहुल्लाह मेहदी, पीडीपी नेता वहीद पारा और श्रीनगर के पूर्व महापौर जुनैद मट्टू को उनके घरों में नजरबंद कर दिया गया है। प्रशासन ने कदम इन नेताओं द्वारा उन छात्रों के साथ एकजुटता व्यक्त प्रकट किये जाने के बाद उठाया, जिन्होंने रविवार को गुपकर रोड पर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने की योजना बनाई थी। इन नेताओं ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा इस मुद्दे के समाधान के लिए समिति गठित किये जाने के एक साल पूरे होने के बावजूद नतीजा नहीं निकलने पर छात्रों की ओर से आयोजित मार्च में शामिल होने की मंशा जताई थी। पारा ने कहा कि नेताओं को नजरबंद कर दिया गया है ताकि वे छात्रों के साथ एकजुटता न प्रकट कर सकें।

जरदारी बोले, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान मुझे बंकर में छिपने की मिली थी सलाह

● एक कार्यक्रम में पाकिस्तानी राष्ट्रपति ने किया खुलासा

लाहौर, एजेंसी

पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने खुलासा किया है कि उन्हें इस साल मई में भारत के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बंकर में छिपने की सलाह दी गई थी। जरदारी ने यह खुलासा अपनी पत्नी और पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो की 18वीं पुण्यतिथि के मौके पर सिंध प्रांत के लरकाना में एक कार्यक्रम में किया।

सत्ताईस दिसंबर 2007 को रावलपिंडी में बेनजीर भुट्टो की हत्या कर दी गई थई। उन्होंने कहा कि मेरे एमएस (सैन्य सचिव) मेरे पास आए और कहा कि सर, युद्ध शुरू हो गया है। मैंने उन्हें चार दिन पहले ही बता दिया था कि युद्ध होने वाला है। उन्होंने कहा कि सर, हमें एक बंकर में चले जाना चाहिए ... मैंने कहा कि अगर शहादत आनी है, तो यहीं आएगी। नेता बंकरों में नहीं मरते। वे युद्धभूमि में मरते हैं।

भारत ने सात मई को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया था, जिसका उद्देश्य पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादियों के ठिकानों को निशाना बनाया था। यह कार्रवाई पहलगाम हमले के प्रतिशोध में की गई थी, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे। इस हमले के बाद चार दिन तक दोनों देशों के बीच भीषण झड़पें हुईं, जो 10 मई को सैन्य कार्रवाई रोकने के समझौते के साथ समाप्त हुई।जरदारी ने कहा कि पाकिस्तान शांति चाहता है, लेकिन पूरी तरह से अपनी रक्षा के लिए तैयार है। राष्ट्रपति जरदारी ने सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर की सराहना की और कहा कि यह भारत को दिया गया उचित जवाब था। जरदारी ने यह दावा भी किया कि अब अंतर्राष्ट्रीय समुदाय पाकिस्तान के रुख को स्वीकार कर रहा है ।

मजबूत हुई सीमा की निगरानी और सुरक्षा

आधुनिक युद्ध और सुरक्षा व्यवस्था में ड्रोन और टोही विमानों का महत्व बढ़ गया है। क्योंकि यह विमान सीमाओं की निगरानी, इलाके की रेकी और खुफिया जानकारी जुटाने जैसे कामों में बहुत उपयोगी साबित होते हैं। दुश्मन की पकड़ में आ जाने पर कोई जनहानि नहीं होती क्योंकि इनमें कोई सवार नहीं रहता है। दुनिया के विकसित देशों ने बहुत पहले से इनका प्रयोग दुश्मन के इलाकों की टोह लेने को शुरू कर दिया था। अब भारत भी तेजी से इन विमानों पर निर्भर होता जा रहा है। थलसेना, वायुसेना और नौसेना द्वारा उपयोग किए जा रहे ये विमान सीमा सुरक्षा, समुद्री निगरानी और खुफिया जानकारी जुटाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। ये विमान अत्याधुनिक कैमरों, रडार तथा सेंसरों से लैस होते हैं। ये विमान दुश्मन की गतिविधियों पर नजर रखने, सीमा पर घुसपैठ का पता लगाने और रणनीतिक क्षेत्रों की निगरानी में सक्षम हैं।

मानव रहित विमान

मानव रहित विमानों के कार्य

● मानव रहित विमान कई दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण होते हैं। सीमा क्षेत्रों, समुद्र तटों, जंगलों और संवेदनशील इलाकों की लगातार निगरानी की जा सकती है। इनमें लगे दिन-रात कैमरों और सेंसर से दुश्मन की गतिविधियों पर नजर रखी जा सकती है। दुश्मन की स्थिति, मूवमेंट और ठिकानों की जानकारी जुटाना आसान होता है। वास्तविक समय में कमांड सेंटर को डेटा भेजना आसान होता है। इनके माध्यम से खुफिया जानकारी, तस्वीरें, वीडियो, रडार और थर्मल डेटा इकट्ठा करना बहुत सरल होता जिससे सेना को निर्णय लेने में मदद मिलती है। सीमा और तटीय सुरक्षा में काफी कारगर होते हैं। आधुनिक सुरक्षा और रक्षा व्यवस्था का एक बहुत महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। ये सुरक्षित, किफायती और प्रभावी तरीके से जानकारी देते हैं।

इन विमानों के फायदे

● मानव रहित टोही विमानों के कई फायदे हैं। इनसे मानव जीवन की सुरक्षा होती है। खतरनाक इलाकों में पायलट भेजने की जरूरत नहीं पड़ती है। सुरक्षा का जोखिम कम होता है। ये टोही विमान लंबे समय तक उड़ान भरने में सक्षम होते हैं। इनके माध्यम से दुश्मन के इलाकों की लगातार निगरानी कर पाना संभव होता है। इनकी लागत कम होती है और मानव चालित विमानों की तुलना में संचालन सस्ता होता है। ईंधन और प्रशिक्षण पर भी खर्च कम आता है।

आपदा प्रबंधन में भी होते हैं सहायक

● घुसपैठ, तस्करी और संदिग्ध गतिविधियों का पता लगाने के साथ यह आपदा प्रबंधन में भी ये सहायक होते हैं। बाढ़, भूकंप, आग जैसी आपदाओं में नुकसान का आकलन इनके माध्यम से आसानी से किया जा सकता है। बाढ़ या आग में फंसे लोगों की खोज में मददगार होते हैं।

भारत के पास मौजूद टोही विमान

● भारतीय वायुसेना, नौसेना और थलसेना के पास विभिन्न श्रेणियों के मानव रहित टोही विमान हैं। सर्चर एमके-2 श्रेणी का विमान एक मध्यम ऊंचाई और लंबे समय तक उड़ान भरने वाला है। इसका निर्माण इजराइल में हुआ है। यह लगातार निगरानी, टोही और लक्ष्य जानकारी के लिए इस्तेमाल होता है। हेरोन एमके-2 का इस्तेमाल विशेष रूप से सीमा क्षेत्रों में लंबी अवधि की निगरानी और इंटेलिजेंस के लिए किया जाता है। रूस्तम-2 भारत में विकसित मानव रहित विमान है जिसे टोही और निगरानी के लिए डिज़ाइन किया गया है। डीआरडीओ द्वारा विकसित लक्ष्य का उपयोग वेरिएंट प्रशिक्षण और टोही व्यवहार में किया जाता है। हाल ही में आर्य नामक एक मानव रहित विमान भी वायुसेना में शामिल किया गया है।

वर्ल्ड ब्रीफ

बालेंद्र शाह पीएम प्रत्याशी घोषित

काठमांडू। काठमांडू महानगरपालिका के महापौर बालेंद्र शाह को राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) की ओर से रविवार को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया गया। बालेंद्र शाह को बालेन के नाम से भी जाना जाता है। इससे पहले, बालेन और आरएसपी ने नेपाल आम चुनाव मिलकर लड़ने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। देश में आम चुनाव के लिए मतदान पांच मार्च को होने हैं। रातभर चली लंबी बातचीत के बाद हुए सात सूत्री समझौते के तहत 35 वर्षीय बालेन को संसदीय दल का नेता एवं प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया गया।

भारतीय ने जीता नस्ली भेदभाव का मुकदमा

लंदन। ब्रिटेन के एक न्यायाधिकरण ने दक्षिण-पूर्वी लंदन में एक मशहूर कंपनी के फ्रेंचाइजी आउटलेट में अपने प्रबंधक पर गलत तरीके से बर्खास्तगी और नस्ली भेदभाव का आरोप लगाने वाले एक भारतीय व्यक्ति के पक्ष में फैसला सुनाया और मुआवजे के रूप में लगभग 67,000 पाउंड देने का आदेश दिया। तमिलनाडु से ताल्लुक रखने वाले मधेश रविचंद्रन ने रोजगार न्यायाधिकरण की सुनवाई में बताया कि उनके श्रीलंकाई तमिल प्रबंधक ने उनके साथ भेदभाव किया और उनके लिए गुलाम और भारतीय धोखेबाज हैं जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया।

दिल्ली में पकड़े गए सात नाइजीरियाई

नई दिल्ली। दिल्ली के द्वारका इलाके में पुलिस ने वीजा की अवधि समाप्त होने के बाद भी भारत में रहने के आरोप में सात नाइजीरियाई नागरिकों को हिरासत में लिया है। एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि पुलिस की कई टीम ने प्राप्त सूचना के आधार पर 24 दिसंबर को सत्यापन अभियान चलाकर इन विदेशी नागरिकों को पकड़ा और जांच के दौरान पता चला कि उनके पास वैध दस्तावेज नहीं थे। पकड़े गए सभी व्यक्ति या तो वीजा की अवधि समाप्त होने के बाद भी भारत में रह रहे थे या वैध अनुमति के बिना रह रहे थे।

गिनी में राष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान

कोनाक्री। गिनी में 2021 के सैन्य तख्तापलट के बाद राष्ट्रपति चुनने के लिए रविवार को पहली बार मतदान हो रहा है। विश्लेषकों का मानना है कि जनरल ममादी डौम्बौया की जीत की प्रबल संभावना है। यह चुनाव उस सत्ता हस्तांतरण प्रक्रिया का अंतिम चरण है, जो चार साल पहले डौम्बौया द्वारा तत्कालीन राष्ट्रपति अल्फा कोंडे की सत्ता से बेदखली के बाद शुरू हुई थी।

बांग्लादेश का दावा, उस्मान हादी के दो संदिग्ध हत्यारे भारत भागे

ढाका पुलिस ने कहा, संदिग्ध फैसल करीम और आलमगीर शेख मेघालय में घुसे

● दोनों संदिग्ध कब भागकर भारत में घुसे, दावे में यह स्पष्ट नहीं

ढाका, एजेंसी

इंकलाब मंच के नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या के दो मुख्य संदिग्ध बांग्लादेश से फरार हो गए हैं और उनके इस समय भारत में होने का संदेह है। ढाका महानगर पुलिस (डीएमपी) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। नकाबपोश बंदूकधारियों ने 12 दिसंबर को मध्य ढाका के विजयनगर इलाके में हादी के सिर में उस समय गोली मार दी थी, जब वह चुनाव प्रचार कर रहे थे। बाद में सिंगापुर में इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। डीएमपी ढाका के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध एवं परिचालन) एसएन मोहम्मद नजर-उल इस्लाम ने कहा कि संदिग्ध फैसल करीम मसूद और आलमगीर शेख स्थानीय सहयोगियों की मदद से भारत के मेघालय में घुस गए हैं।

द डेली स्टार ने इस्लाम के हवाले से खबर में कहा कि हमारी जानकारी के अनुसार, दोनों संदिग्ध हलुआघाट सीमा के रास्ते भारत में प्रवेश कर गए। सीमा पार करने के बाद उन्हें पहले पुरती नाम का एक व्यक्ति मिला। इसके बाद सामी नाम के एक टैक्सी चालक ने उन्हें मेघालय के तूरा शहर तक पहुंचाया। उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस को अनौपचारिक जानकारी मिली कि फरार आरोपियों की मदद करने वाले दोनों लोग पुरती और सामी को भारत में अधिकारियों ने हिरासत में ले लिया है।

डीएमपी अधिकारी ने कहा कि बांग्लादेश सरकार संदिग्धों को वापस लाने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि उनकी गिरफ्तारी और प्रत्यर्पण सुनिश्चित करने के लिए हम औपचारिक और अनौपचारिक दोनों माध्यमों से भारतीय अधिकारियों के संपर्क में हैं। हालांकि, डीएमपी अधिकारी ने यह स्पष्ट नहीं किया कि दोनों संदिग्ध कब बांग्लादेश से भागकर भारत में घुसे। इस मामले पर भारतीय अधिकारियों की ओर से अभी तक कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। सरकारी समाचार एजेंसी बांग्लादेश संवाद संस्था (बीएसएस) की खबर के अनुसार इस्लाम ने कहा है कि हादी की हत्या की जांच लगभग पूरी हो चुकी है और आगामी सात से दस दिनों के भीतर आरोपपत्र दाखिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अब तक हत्या के मामले में 12 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिनमें से छह ने अदालत के सामने इकबालिया बयान दिए हैं।

बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा की घटनाओं के विरोध में रविवार को बेंगलुरु में विभिन्न हिंदू संगठनों ने प्रदर्शन किया और अंतरिम सरकार के खिलाफ नारे लगाए।

छात्र-नेतृत्व वाली एनसीपी में चुनाव से पहले फूट

ढाका। बांग्लादेश में फरवरी में प्रस्तावित चुनाव से पहले जमात-ए-इस्लामी के साथ प्रस्तावित गठबंधन के प्रस्ताव को लेकर छात्र नेतृत्व वाली नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) में रातों रात आंतरिक फूट देखी जा रही है। दरअसल, पार्टी के 30 नेताओं ने इस प्रस्ताव का विरोध करते हुए एक संयुक्त पत्र जारी किया है जबकि दो वरिष्ठ सदस्यों ने अपने इस्तीफे की घोषणा कर दी है। एनसीपी, स्टूडेंट्स अगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन (एसएडी) का एक बड़ा राजनीतिक धड़ा है। एसएडी ने पिछले वर्ष हुए हिंसक आंदोलन का नेतृत्व किया था।

बीएसएफ व पुलिस ने दावों को किया खारिज

शिलांग। मेघालय की सुरक्षा एजेंसियों ने बांग्लादेश पुलिस के उन दावों को रविवार को सिरे से खारिज कर दिया कि इंकलाब मंच के नेता शरीफ उस्मान हादी के हत्यारे भारतीय राज्य में दाखिल हो गए हैं। मेघालय में बीएसएफ के आईजी ओ पी उपाध्याय ने कहा कि ये दावे निराधार और भ्रामक हैं। उपाध्याय ने कहा कि इस बात का कोई सबूत नहीं है कि किसी व्यक्ति ने हलुआघाट सेक्टर से मेघालय में अंतर्राष्ट्रीय सीमा पार की हो। मेघालय पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि गारो पर्वतीय क्षेत्र में संदिग्धों की मौजूदगी के दावे की पुष्टि करने के लिए कोई जानकारी या खुफिया प्रमाण नहीं है। अधिकारी ने कहा कि स्थानीय पुलिस इकाइयों को इस तरह की किसी गतिविधि की सूचना नहीं मिली है।

लॉकहीड मार्टिन भारत में बनाएगा सी 130जे विमान का उत्पादन केंद्र

● भारतीय वायुसेना के लिए विमान को बताया उपयोगी

मैरिएटा (अमेरिका), एजेंसी

करीब 80 सैन्य परिवहन विमान खरीदे जाने की भारत की तैयारी के बीच अमेरिकी एयरोस्पेस कंपनी लॉकहीड मार्टिन ने अपने सी-130जे सुपर हरक्यूलिस को सर्वश्रेष्ठ विकल्प के रूप में पेश करते हुए कहा है कि विमानों का एक अतिरिक्त बेड़ा 'क्वाड' (चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद) देशों के बीच सामरिक हवाई परिचालन में भारत को मजबूत ताकत प्रदान करेगा।

लॉकहीड मार्टिन के शीर्ष अधिकारियों ने कहा कि यदि लॉकहीड मार्टिन को मौका मिलता है, तो वह भारत में इस विमान के उत्पादन के लिए एक बड़ा केंद्र स्थापित करेगा और यह अमेरिका के बाहर इस तरह की पहली वैश्विक सुविधा होगी। अब तक लॉकहीड मार्टिन सी-130जे सुपर हरक्यूलिस श्रेणी के 560 से अधिक विमानों की आपूर्ति कर चुकी है, जिन्होंने 30 लाख से अधिक उड़ान घंटे पूरे किए हैं। यह अग्रणी सामरिक परिवहन विमान 23 देशों में 28 संचालकों को सेवा दे रहा है। भारतीय वायु सेना वर्तमान में 12 सी-130जे विमानों का संचालन करती है। भारत के अलावा क्वाड के तीन अन्य सदस्य देश-अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान-भी सी-130जे का संचालन कर रहे हैं। लॉकहीड मार्टिन में हवाई गतिशीलता और समुद्री मिशन की उपाध्यक्ष पेट्रिशिया ट्रिश पेगन ने कहा कि सी-130जे सुपर हरक्यूलिस हर कार्यक्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन और क्षमताएं प्रदान करता है। यह विमान भारत के लिए सबसे बेहतर विकल्प होगा।

भारतीय वायु सेना ने 2022 में सोवियत काल के अपने पुराने एएन-32 और आईएल-76 विमानों के स्थान पर मध्यम परिवहन विमान (एमटीए) खरीदने के लिए सूचना अनुरोध (आरएफआई) जारी किया था। भारतीय वायु सेना करीब 80 सैन्य परिवहन विमान खरीदने की योजना बना रही है और कई अरब डॉलर की इस खरीद को अगले कुछ सप्ताह में रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) से मंजूरी मिलने की संभावना है। अमेरिकी रक्षा कंपनी ने सी-130जे सुपर हरक्यूलिस कार्यक्रम के लिए टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स के साथ साझेदारी की है। लॉकहीड मार्टिन एरोनॉटिक्स में रखरखाव संचालन के उपाध्यक्ष रोडरिक मैक्लीन ने कहा कि एमटीए कार्यक्रम भारत-अमेरिका साझेदारी को नई रणनीतिक मूल्य दे सकता है, क्योंकि इससे दोनों पक्ष रक्षा औद्योगिक आधार को मजबूत कर सकेंगे। मैक्लीन ने यह भी कहा कि इतिहास में सी-130जे जैसा प्रासंगिक और बहु उपयोगी सामरिक परिवहन विमान कोई नहीं है, क्योंकि इसमें 70 वर्षों से अधिक समय से हुए नवोन्मेष शामिल हैं और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी नयी विशेषताएं भी जोड़ी जा रही हैं।

खालिदा जिया की हालत बेहद गंभीर

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री एवं बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की अध्यक्ष खालिदा जिया की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है। उनके निजी चिकित्सक ने यह जानकारी दी। कई स्वास्थ्य जटिलताओं से जूझ रही 80 वर्षीय खालिदा जिया 23 नवंबर से ढाका के एवरकेयर अस्पताल में उपचाराधीन हैं और उन्हें 11 दिसंबर को वेंटिलेटर पर रखा गया था। डॉ. ए.जेड.एम. जाहिद ने बताया कि यह नहीं कहा जा सकता कि उनकी हालत में सुधार हुआ है। फिलहाल उनकी हालत बेहद नाजुक बनी हुई है।

श्रीहरिकोटा में चार साल में तीसरे प्रक्षेपण पैड को तैयार करने का इसरो का लक्ष्य

चेन्नई, एजेंसी।

● प्रक्रिया जारी, उपयुक्त कंपनियों की हो रही तलाश : पद्म कुमार

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) श्रीहरिकोटा अंतरिक्ष केंद्र पर तीसरा प्रक्षेपण पैड विकसित करने की प्रक्रिया में है और वर्तमान में इसके लिए उपयुक्त कंपनियों की तलाश की जा रही है। यह जानकारी एक शीर्ष वैज्ञानिक ने दी है।

तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई से करीब 135 किलोमीटर पूर्व में स्थिति श्रीहरिकोटा परिसर 175 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। यह बेंगलुरु स्थित अंतरिक्ष एजेंसी को विभिन्न प्रक्षेपण यानों के जरिये उपग्रहों को कक्षा में पहुंचाने की सेवा मुहैया कराता रहा है। श्री हरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के निदेशक और प्रख्यात वैज्ञानिक पद्मकुमार ईएस ने कहा कि अंतरिक्ष में विभिन्न कक्षाओं में 12,000-14,000 किलोग्राम से अधिक वजन वाले बड़े उपग्रहों को स्थापित करने की योजना पर आगे बढ़ने के लिए इसरो को बड़े प्रक्षेपण यानों की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए इसरो तीसरे प्रक्षेपण पैड की योजना बना रहा है।

पद्मकुमार ने कहा कि हमारी योजना चार साल में तीसरा लॉन्च पैड स्थापित कर संचालित करने की है। इसके लिए प्रक्रिया चल रही हैं। हम खरीद प्रक्रिया शुरू कर रहे हैं और इस विशाल परियोजना के लिए आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए उपयुक्त कंपनियों की पहचान कर रहे हैं। इस केंद्र का परिचालन अक्टूबर 1971 में रोहिणी-125 रॉकेट के प्रक्षेपण के साथ शुरू हुआ था।

दक्षिण अफ्रीका में इमारत गिरी, तीन लोगों की मौत

जोहान्सबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग के पश्चिम में स्थित सोवेटो उपनगर में रविवार तड़के दो मंजिला इमारत के ढहने से एक साल के बच्चे सहित तीन लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों के अनुसार, इस घटना में तीन अन्य लोग घायल हो गए और उनका उपचार जारी है। उन्होंने बताया कि इमारत ढहने के समय उसके भीतर कुल छह लोग मौजूद थे, आपातकालीन सेवाओं के कर्मियों ने मलबे के नीचे फंसे तीन घायलों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

जोहान्सबर्ग आपातकालीन प्रबंधन सेवाओं के प्रवक्ता जोलिले खुमालो ने कहा कि इस दुखद घटना में तीन लोगों की मौत हो गई जिनमें दो वयस्क महिलाएं और एक बच्चा शामिल था। मामले की जांच अधिकारियों को सौंप दिया गया है।

म्यांमा में सैन्य शासन के बाद पहले चुनाव को मतदान शुरू

यांगून, एजेंसी

● दो दौर पूरे होने पर जनवरी के अंत में आएंगे अंतिम परिणाम

म्यांमा में सैन्य सरकार की देखरेख में पहली बार हो रहे आम चुनाव के पहले चरण के लिए रविवार को मतदान जारी है। जनवरी के अंत में मतदान के दो और दौर पूरे होने के बाद ही अंतिम परिणाम पता चलेंगे। व्यापक रूप से यह संभावना जताई जा रही है कि 2021 में सेना के सत्ता पर काबिज होने के बाद से देश का शासन संभाल रहे जनरल मिन आंग ह्लाइंग राष्ट्रपति पद ग्रहण करेंगे।

सैन्य सरकार ने इस चुनाव को चुनावी लोकतंत्र की वापसी के रूप में प्रस्तुत किया है लेकिन आलोचकों का आरोप है कि यह चुनाव सैन्य शासन को वैध दिखाने के लिए किया जा रहा है। म्यांमा में फरवरी 2021 में सेना द्वारा आंग सान सू की की चुनी हुई सरकार को सत्ता से हटाए जाने के बाद सैन्य शासन शुरू हुआ था। देश के सबसे बड़े शहर यांगून, राजधानी नेपीता और अन्य जगहों पर मतदाता विद्यालयों, सरकारी भवनों और धार्मिक इमारतों में मतदान कर रहे हैं। आलोचकों का तर्क है कि प्रमुख दलों को चुनावी प्रक्रिया से बाहर रखने, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध लगाने और दमनकारी माहौल के कारण चुनाव परिणाम वैध नहीं होंगे। मतदान तीन चरणों में हो रहा है। रविवार को पहला चरण म्यांमा की कुल 330 टाउनशिप में से 102 में कराया जा रहा है। दूसरा चरण 11 जनवरी को और तीसरा चरण 25 जनवरी को होगा। अंतिम नतीजों की घोषणा फरवरी तक होने की उम्मीद है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 29 दिसंबर, सोमवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- पौष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, नवमी 10 .12 तक तत्पश्चात दशमी।

आज का पंचांग

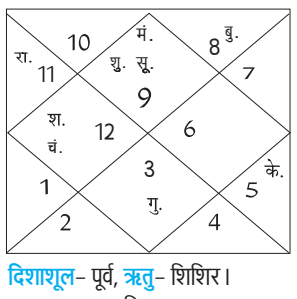

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल-वृषभ, मिथुन, कन्या, तुला, मकर, मीन।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-रेवती 07 .41 तक तत्पश्चात अश्विनी।

मेष — आज परिवार में आंतरिक मतभेद उभर सकते हैं। अव्यवहारिक निर्णय लेने से नुकसान होगा। सरकारी कार्यों में मनोनुकूल परिणाम मिलने से आप काफी प्रसन्न रहेंगे। बहुप्रतीक्षित कार्यों में कुछ विलंब हो सकता है। धन उधार देने से बचें। दर्द की शिकायत हो सकती है।

वृष — आज पड़ोसियों से संबंध खराब हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र में अधिकारियों से मतभिन्नता हो सकती है। दवाइयों का प्रयोग सावधानी पूर्वक करें। व्यवसाय में अपेक्षित परिणाम नहीं मिलेंगे। मेहनत से पीछे न हटें और अपना काम करते रहें।

मिथुन — आज का दिन काफी शुभ रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में परिवर्तन कर सकते हैं। व्यापारियों को योजनाओं में सफलता मिलेगी। बहुप्रतीक्षित कार्यों में सफलता मिलेगी। सेहत को लेकर समस्या दूर होगी। प्रेमी जन को आप आज कुछ उपहार दे सकते हैं।

कर्क — आज जीवनसाथी की बातों को महत्व अवश्य दें। नजदीकी संबंधों में संवादहीनता उत्पन्न हो सकती है। कार्यक्षेत्र में गलतियों को बार-बार न दोहरायें। यात्रा के दौरान असुविधाजनक स्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। गुस्से में आपके काम बिगड़ सकते हैं।

सिंह — आज आपके सभी काम सफल होंगे। जीवनसाथी आपको अच्छा उपहार दे सकते हैं। प्राइवेट नौकरी कर रहे लोगों को पदोन्नति मिल सकती है। यदि आप शॉपिंग कर रहे हैं तो उसमें आपको भारी छूट मिल सकती है। मित्र व संबंधी आपसे काफी प्रसन्न रहने वाले हैं।

कन्या — आज आप काफी व्यस्त रहेंगे। अपने शौक और मनोरंजन पर धन खर्च कर सकते हैं। आर्थिक मामलों को लेकर सावधान रहेंगे। प्रेम संबंधों में परस्पर सम्मान की भावना का ध्यान रखें। नकारात्मक प्रवृत्ति के लोग आपको भ्रमित कर सकते हैं।

तुला — आज कार्यक्षेत्र में आपकी योग्यता की प्रशंसा होगी। आप दूसरों की मदद को लेकर तत्पर रहेंगे। उत्तम भोजन का आनंद उठायेंगे। किसी शुभ कार्य को लेकर मन में शंका उत्पन्न हो सकती है। विपरीत लिंग के लोग आपसे आज काफी आकर्षित रहेंगे।

वृश्चिक — आज विदेश में व्यापार करने के अवसर मिलेंगे। जो लोग पहले से विदेश में काम कर रहे हैं उन्हें बड़े व्यापारिक अनुबंध मिल सकते हैं। परिजनों के साथ किसी गंभीर मुद्दे पर चर्चा कर सकते हैं। जीवनसाथी के साथ किसी देवस्थल की यात्रा कर सकते हैं।

धनु — आज नई नौकरी की शुरुआत कर सकते हैं। प्रेम विवाह को लेकर परिवार में चर्चा हो सकती है। घर में हास्य व मनोरंजन का माहौल रहेगा। किसी शुभ कार्य को लेकर मन में शंका उत्पन्न हो सकती है। जीवनसाथी के साथ पर्यटन पर जाने के लिये दिन उत्तम है।

मकर — आज अपनी पुरानी गलतियों को स्वीकारें व उसे दूर करने का प्रयास करें। सहकर्मियों के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें। मन में अनिष्ट का भाव रहेगा। अपनी योजनाओं को दूसरों से शेयर न करें। किसी तरह की बहसबाजी से आपको बचना चाहिए।

कुंभ — आज परिवार में किसी बात को लेकर मतभेद हो सकते हैं। जहां आवश्यक न हो वहां बोलने से बचें। व्यर्थ के खर्चों के कारण बजट गड़बड़ा सकता है। आज आवश्यक न हो तो दूसरों के मामलों में हस्तक्षेप न करें। बीमार लोगों के स्वास्थ्य में सुधार होगा।

मीन — आज धार्मिक क्रियाओं में आपकी सहभागिता बढ़ेगी। मतभेदों को दूर करने में सफलता मिलेगी। व्यवसाय में किसी तकनीक त्रुटि के दूर होने से राहत मिलेगी। उच्च शिक्षा में उत्तम परिणाम प्राप्त होंगे। मित्रों के साथ आप अच्छा समय बितायेंगे।

सुडोकू -16

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		7	8		6			
	1		4					9
				3				5
9		5		2			8	
	6			1		3		4
2			9	6				7
4		6			3		1	
					5	6		

सुडोकू - 15 का हल

4	6	9	7	3	1	2	8	5
5	3	2	6	8	4	7	9	1
8	7	1	9	2	5	4	6	3
1	4	5	3	7	8	9	2	6
7	2	8	1	9	6	5	3	4
6	9	3	4	5	2	8	1	7
9	1	6	8	4	7	3	5	2
3	5	7	2	6	9	1	4	8
2	8	4	5	1	3	6	7	9

160 किमी प्रति घंटा मेरे लिए किसी भी विकेट से कहीं अधिक मायने रखता है। निश्चित तौर पर टीम सर्वोपरि होती है तथा विश्व कप (2003) जीतना, लगातार 16 टेस्ट जीतना। यह सर्वोच्च उपलब्धि है। इसके लिए ही तो खेल खेला जाता है।
-ब्रेट ली, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व गेंदबाज

स्टेडियम

कानपुर, सोमवार, 29 दिसंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

भारत के लिए खेलने पर पाकिस्तानी खिलाड़ी पर लगा प्रतिबंध

कराची। पाकिस्तान के अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी उबैदुल्लाह राजपूत पर इस महीने की शुरुआत में एक निजी टूर्नामेंट में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करने पर राष्ट्रीय महासंघ ने अनिश्चितकाल प्रतिबंध लगा दिया है। पाकिस्तान कबड्डी महासंघ (पीकेएफ) ने शनिवार को आपातकालीन बैठक के बाद राजपूत पर प्रतिबंध लगाया। उन्हें महासंघ या अन्य संबंधित अधिकारियों से अनिवार्य अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) लिए बिना टूर्नामेंट में खेलने के लिए विदेश यात्रा करने का दोषी पाया गया। पीकेएफ के सचिव राणा सरवर ने कहा कि राजपूत को अनुशासनात्मक समिति के समक्ष अपील करने का अधिकार है। सरवर ने कहा कि महासंघ ने इस तथ्य पर गंभीरता से ध्यान दिया कि राजपूत न केवल बिना एनओसी के विदेश यात्रा पर गए, बल्कि उन्होंने भारत की एक टीम का प्रतिनिधित्व किया था।

युवराज संधू ने टाटा ओपन जीता

जमशेदपुर। युवराज संधू ने रविवार को यहां टाटा ओपन 2025 गोल्फ टूर्नामेंट में एक स्ट्रोक की जीत के साथ पीजीटीआई में एक ही सत्र में सबसे ज्यादा सात खिताब जीतने का नया रिकॉर्ड बनाया। अठाईस साल के संधू (67-64-68-65) बीती रात संयुक्त बढ़त पर थे। उन्होंने आखिरी दौर में छह-अंडर 65 का कार्ड खेला जिसमें आखिरी होल पर जीत दिलाने वाली बर्डी शामिल थी। उन्होंने पीजीटीआई सत्र के अंतिम टूर्नामेंट में कुल 20-अंडर 264 का स्कोर किया। चंडीगढ़ के रहने वाले संधू ने दो हफ्ते पहले सत्र की अपनी छठी जीत के बाद 2025 पीजीटीआई 'ऑर्डर ऑफ मेरिट' का ताज पहले ही हासिल कर लिया था। संधू ने दिल्ली में उस खिताब के साथ 2022 से मनु गंडास के एक सत्र में छह खिताब के पिछले रिकॉर्ड की बराबरी की थी।

भारतीय महिला टीम ने श्रीलंका को चौथे टी-20 मैच में 30 रनों से हराया

स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा ने खेलीं शानदार अर्धशतकीय पारियां

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी

स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा के अर्धशतक और दोनों के बीच पहले विकेट की रिकॉर्ड शतकीय साझेदारी से भारत ने रविवार को यहां चौथे महिला टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में श्रीलंका को 30 रनों से हराकर पांच मैच की सीरीज में 4-0 की बढ़त बना ली।

पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने दो विकेट पर 221 रन का रिकॉर्ड स्कोर बनाया। स्मृति ने शुरुआती तीन मैच में विफल रहने के बाद 48 गेंद की अपनी पारी में 11 चौकों और तीन छक्कों से 80 रन बनाए। शेफाली ने अपने लगातार तीसरे अर्धशतक के दौरान 46 गेंद में 12 चौकों और एक छक्के से 79 रन की पारी खेली। दोनों ने पहले विकेट के लिए 162 रन की साझेदारी की जो इस प्रारूप में भारत की ओर से किसी भी विकेट की सबसे बड़ी साझेदारी का रिकॉर्ड है।

ऋचा घोष (16 गेंद में नाबाद 40) और कप्तान हरमनप्रीत कौर (नाबाद 16) ने तीसरे विकेट के लिए 23 गेंद में 53 रन की अटूट साझेदारी करके भारत को इस प्रारूप में उसके सर्वोच्च स्कोर तक पहुंचाया। टीम ने इससे पहले वेस्टइंडीज के खिलाफ दिसंबर 2024 में चार विकेट पर 217 रन बनाए थे। भारत ने अपनी पारी में 28 चौके और आठ छक्के मारे जो इस प्रारूप में टीम की ओर से सबसे अधिक बाउंड्री का नया रिकॉर्ड है। श्रीलंका की कप्तान चामरी अटापट्टू ने टॉस जीतकर भारत को बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया जिसके बाद स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा ने मेजबान टीम को तूफानी शुरुआत दिलाई। स्मृति ने माल्शा शेहानी (32 रन पर एक विकेट) के पहले ओवर में दो चौकों के साथ शुरुआत की और फिर काव्या कविंदी के अगले ओवर में भी लगातार दो चौके मारे। शेफाली ने भी रश्मिका सेवांडी और चामरी पर दो-दो चौके मारे जिससे भारत ने पावर प्ले में बिना विकेट खोए 61 रन बनाए। स्मृति 27 रन बनाते ही महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 10 हजार रन पूरे करने वाली दूसरी भारतीय और कुल चौथी बल्लेबाज बनीं। भारत की मिताली राज, इंग्लैंड की चार्लोट एडवर्ड्स और न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स इससे पहले यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं। स्मृति ने सबसे कम 281 पारियों में यह उपलब्धि हासिल करके नया रिकॉर्ड बनाया। शेफाली ने 11वें ओवर में निमाशा मीपागे (40 रन पर एक विकेट) पर दो चौके और एक छक्के के साथ सिर्फ 30 गेंद में लगातार तीसरा अर्धशतक पूरा किया। इसी ओवर में टीम के रनों का शतक भी पूरा हुआ। समृति ने भी अगले ओवर में रश्मिका की लगातार गेंदों पर दो चौकों और एक छक्के के साथ 35 गेंद में 50 रन के आंकड़े को पार किया।शेफाली ने 16वें ओवर में निमाशा को उन्हीं की गेंद पर कैच थमाया जिससे भारत को पहला झटका लगा जबकि अगले ओवर में स्मृति भी कैच दे बैठीं। ऋचा ने निमाशा पर चौके से खाता खोलने के बाद उनके अगले ओवर में भी लगातार दो चौके मारे। उन्होंने 19वें ओवर में कविशा की लगातार गेंदों पर तीन छक्के और एक चौका मारकर 23 रन बटोरे और भारत का स्कोर 200 रन के पार पहुंचाया। हरनमप्रीत ने अंतिम ओवर में लगातार गेंदों पर छक्के और चौके के साथ भारत को उसके पिछले सर्वोच्च स्कोर के पार पहुंचा दिया।

बल्लेबाजी के दौरान खुशी जाहिर करतीं स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा। एजेंसी

वर्ष 2026 के प्रमुख खेल

तारीख	आयोजन	जगह
9 जनवरी-5 फरवरी	विमेंस प्रीमियर लीग	नवी मुंबई और वडोदरा
18 जनवरी-1 फरवरी	ऑस्ट्रेलियन ओपन (टेनिस)	मेलबर्न, ऑस्ट्रेलिया
6-22 फरवरी	विंटर ओलंपिक्स	मिलान और कॉर्टिना डी 'एम्पेजो, इटली
7 फरवरी-8 मार्च	आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप	भारत और श्रीलंका
8 मार्च-6 दिसंबर	एफ 1 वर्ल्ड चैंपियनशिप	दुनिया भर में 24 रेस
24 मई-7 जून	फ्रेंच ओपन (टेनिस)	पेरिस, फ्रांस
26 मार्च-31 मई	इंडियन प्रीमियर लीग	घोषणा की जाएगी
30 मई	यूईएफए चैंपियंस लीग फाइनल	पुस्कास एरिना, बुडापेस्ट
11 जून-19 जुलाई	फीफा विश्व कप 2026	USA, कनाडा और मैक्सिको
29 जून-12 जुलाई	विंबलडन	लंदन, इंग्लैंड
6 जुलाई-23 अगस्त	ईस्पोर्ट्स वर्ल्ड कप 2026	रियाद, सऊदी अरब
23 जुलाई-2 अगस्त	कॉमनवेल्थ गेम्स	ग्लासगो, स्कॉटलैंड
14-30 अगस्त	एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप	बेल्जियम और नीदरलैंड्स
अगस्त 30-13 अक्टूबर	यूएस ओपन (टेनिस)	न्यूयॉर्क, USA
11-13 सितंबर	एथलेटिक्स अल्टीमेट चैंपियनशिप	बुडापेस्ट, हंगरी
19 सितंबर -4 अक्टूबर	एशियन गेम्स	आइची और नागोया, जापान

आर्सेनल शीर्ष पर बरकरार

मैनचेस्टर, एजेंसी

आर्सेनल ने ब्राइटन के अंतिम समय में जोरदार पलटवार से बचकर 2-1 से जीत हासिल करके इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल टूर्नामेंट में अपना पहला स्थान बरकरार रखा। लेकिन मैनचेस्टर सिटी और एस्टन विला भी उससे ज्यादा दूर नहीं हैं। शीर्ष स्थान के लिए इन तीन टीमों के बीच कड़ी टक्कर है।

तालिका में पहले और तीसरे स्थान के बीच केवल तीन अंकों का अंतर है। नॉटिंघम फॉरेस्ट पर 2-1 से जीत के बाद मैनचेस्टर सिटी ने कुछ समय के लिए शीर्ष स्थान हासिल कर लिया था लेकिन इसके कुछ देर बाद आर्सेनल ने ब्राइटन को इसी अंतर से हराकर फिर से पहला स्थान हासिल कर दिया। वह मैनचेस्टर सिटी से दो अंक आगे है। एस्टन विला ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए चेल्सी के खिलाफ 2-1 से जीत हासिल की। इस तरह से उसने सभी प्रतियोगिताओं में जीत दर्ज करने का अपना सिलसिला 11 मैच तक पहुंचा दिया है। आर्सेनल के अब 18 मैच में 42 जबकि मैनचेस्टर सिटी के इतने ही मैच में 40 और एस्टन विला की 39 अंक हैं। लिवरपूल चौथे स्थान पर है लेकिन उसके 32 अंक हैं।

लिवरपूल ने आखिरी स्थान पर काबिज वॉल्वरहैम्प्टन के खिलाफ 2-1 से जीत हासिल करके अपनी शानदार वापसी जारी रखी जिससे वह चौथे स्थान पर पहुंच गया। वॉल्वरहैम्प्टन ने किसी एक सत्र की शुरुआत से सबसे लंबे समय तक बिना जीत के रहने का नया प्रीमियर लीग रिकॉर्ड बनाया।

सूर्या और ऋत्विक ने खिताब जीते

राष्ट्रीय बैडमिंटन चैंपियनशिप

विजयवाड़ा : सूर्या करिश्मा तामिरी ने रविवार को यहां सीनियर राष्ट्रीय बैडमिंटन चैंपियनशिप में महिला एकल और ऋत्विक संजीवी ने पुरुष एकल खिताब अपने नाम किया। विजयवाड़ा की 19 वर्षीय सूर्या ने लगभग एक घंटे तक चले महिला एकल फाइनल में तन्वी पत्री को 17-21, 21-12, 21-14 से हराया। वहीं पुरुष एकल फाइनल में ऋत्विक ने भरत को 21-16, 22-20 से शिकस्त दी। तन्वी ने पहले गेम के बीच में नियंत्रण बनाते हुए सूर्या को कई अनफोर्स्ड गलतियां कराईं। दूसरे गेम में 6-5 के स्कोर पर सूर्या का एक सर्विस रिटर्न नेट में गया जिसे सर्विस जज ने 'ऊंचाई की गलती' करार दिया जिससे सूर्या को राहत मिली।

एमसीजी के क्यूरेटर ने कहा, पहले दिन 20 विकेट गिरने से था सदमे में

मेलबर्न, एजेंसी

मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) के मुख्य क्यूरेटर मैथ्यू पेज ने स्वीकार किया कि ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच बॉक्सिंग डे (26 दिसंबर) टेस्ट के पहले दिन 20 विकेट गिरने के बाद वह 'सदमे की स्थिति में' थे और नीरस ड्रॉ से बचने के लिए तेज गेंदबाजों के अनुकूल पिच तैयार की गई। इस मैच में शुरू से लेकर आखिर तक विकेटों की झड़ी लगी रही और मैच दो दिन में समाप्त हो गया।

इंग्लैंड ने इस मैच में ऑस्ट्रेलिया को चार विकेट से हराया। शृंखला के 2017 में खेले गए मैच के नीरस ड्रॉ के रूप में समाप्त होने बाद एमसीजी पिच में नई जान डालने के लिए नियुक्त क्यूरेटर पेज ने रविवार को स्वीकार किया कि पिच पर 10 मिमी घास छोड़ना जरूरत से ज्यादा साबित हुआ।

इसके कारण केवल 142 ओवरों में 36 विकेट गिरे, जिसके चलते इस पिच ने खिलाड़ियों और अधिकारियों दोनों के कान खड़े कर दिए। पेज की रविवार को पत्रकारों से कहा पहले दिन के बाद मैं सदमे में था। हम निश्चित रूप से निराश हैं कि यह मैच केवल दो दिन तक चला। यह रोमांचक टेस्ट मैच था, लेकिन यह लंबी अवधि तक नहीं चला। हम इससे सबक लेंगे और अगले साल बेहतर विकेट तैयार करने की पूरी कोशिश करेंगे।

उन्होंने कहा मैं पहले कभी इस तरह के टेस्ट मैच का हिस्सा नहीं रहा और उम्मीद है कि भविष्य में मैं फिर से कभी इस तरह के टेस्ट मैच का हिस्सा नहीं रहूंगा। इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया की धरती पर 2011 के बाद पहला टेस्ट मैच जीता लेकिन इसके बावजूद उसके कप्तान बेन स्टोक्स ने गेंदबाजों के लिए बेहद अनुकूल पिच की कड़ी आलोचना की थी। पेज ने कहा हम जानते हैं कि यह मैच हमारी योजना के अनुसार नहीं चला। हमें पूरे चार-पांच दिन तक बल्ले और गेंद के बीच संतुलन बने रहने की उम्मीद थी ताकि इस मैच का रोमांचक अंत हो सके।

तीसरे अंपायर से बात करते एमसीजी के मुख्य क्यूरेटर (बाएं)। एजेंसी

160 किमी प्रति घंटे की गति मेरे लिए रखती थी सबसे ज्यादा मायने : ली

मेलबर्न : ऑस्ट्रेलिया के पूर्व गेंदबाज ब्रेट ली तेज गेंदबाजी के प्रति इतने जुनूनी थे कि उन्होंने नौ साल की उम्र में ही 160 किमी प्रति घंटे की रफ्तार हासिल करने का लक्ष्य बना लिया था और जब तक उन्होंने यह जादुई आंकड़ा हासिल नहीं कर लिया तब तक उनके लिए कोई भी व्यक्तिगत उपलब्धि या सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों के विकेट उखाड़ना कोई मायने नहीं रखता था।

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के हॉल ऑफ फेम में शामिल किए गए 49 वर्षीय ली ने कहा कि उन्होंने अपना जीवन अपने इस सपने को साकार करने के लिए समर्पित कर दिया था। इसके लिए उन्होंने अपनी मां हेलेन को श्रेय दिया जो एक फर्राटा धाविका थीं और इस तरह से उनके पास रफ्तार का सौदागर बनने के लिए आवश्यक आनुवंशिक गुण थे। क्रिकेट डॉट कॉम एयू के अनुसार ली ने कहा वह (160 किमी प्रति घंटा) मेरे लिए किसी भी विकेट से कहीं अधिक मायने रखता है।

2025

बैडमिंटन

सेन, सात्विक, चिराग का अच्छा प्रदर्शन

युवा खिलाड़ियों ने भी जगाई उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय बैडमिंटन के लिए वर्ष 2025 उतार-चढ़ाव वाला रहा, जिसमें कई प्रमुख खिलाड़ियों को फॉर्म हासिल करने के लिए जूझना पड़ा, लेकिन लक्ष्य सेन का एक खिताब, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी का विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतना और युवा खिलाड़ियों की शानदार प्रगति ने उम्मीद की किरण भी जगाई। भारतीय खिलाड़ियों को इस वर्ष फिटनेस से जुड़ी समस्याओं से भी जूझना पड़ा, जिसका असर उनके प्रदर्शन पर भी पड़ा। इस सत्र में भारतीय खिलाड़ियों की सबसे महत्वपूर्ण व्यक्तिगत उपलब्धि सेन की ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में खिताबी जीत रही।

सेन ने 2023 में कनाडा ओपन के बाद पहली बार सुपर 500 खिताब जीता और पिछले साल दिसंबर में सैयद मोदी इंटरनेशनल सुपर 300 जीतने के बाद यह उनका पहला खिताब था। हांगकांग ओपन में वह उपविजेता रहे थे। सात्विक और चिराग ने सत्र की शुरुआत में चोट और बीमारी से जूझने के बावजूद भारत की प्रमुख युगल जोड़ी के रूप में अपनी स्थिति को फिर से स्थापित किया। इस जोड़ी ने पेरिस में विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता, हांगकांग ओपन और चीन मास्टर्स के फाइनल में जगह बनाई और बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स के नॉकआउट चरण में पहुंचने वाली पहली भारतीय पुरुष युगल जोड़ी बनकर साल का सकारात्मक अंत किया। किदाम्बी श्रीकांत ने इस सत्र में वापसी की झलक दिखाई लेकिन वह कोई ट्रॉफी नहीं जीत पाए। मलेशिया मास्टर्स और सैयद मोदी इंटरनेशनल में उपविजेता रहकर उन्होंने पुराने दिनों की याद दिलाई लेकिन लंबे समय से चले आ रहे खिताब के सूखे को खत्म नहीं कर सके। सैयद मोदी इंटरनेशनल टूर्नामेंट में गायत्री गोपीचंद और त्रीसा जॉली ने महिला युगल खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया।

चिराग शेट्टी, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी व लक्ष्य सेन। एजेंसी

तन्वी शर्मा।

भारतीय बैडमिंटन में वर्ष 2025 में सबसे उत्साहजनक संकेत युवा पीढ़ी से मिले। 20 वर्षीय आयुष शेट्टी ने अमेरकी ओपन सुपर 300 जीता और बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर प्रतियोगिताओं में लगातार अपनी जीवंत उपस्थिति दर्ज कराई। उन्होंने जापान के कोदाई नाराओका, पूर्व विश्व चैंपियन लोह कीन यू, चीनी ताइपे के चाउ टिएन चेन और कनाडा के ब्रायन यांग पर भी उल्लेखनीय जीत दर्ज की, जिससे उनकी शानदार प्रगति का पता चलता है।

विश्व जूनियर चैंपियनशिप में तन्वी ने रजत जीतकर सबका ध्यान खींचा

सोलह वर्षीय तन्वी शर्मा ने विश्व जूनियर चैंपियनशिप में लड़कियों के एकल वर्ग में रजत पदक जीतकर सबका ध्यान अपनी तरफ खींचा। उन्होंने अमेरिकी ओपन के फाइनल में भी जगह बनाई थी तथा सैयद मोदी इंटरनेशनल में पूर्व विश्व नंबर एक खिलाड़ी नोजोमी ओकुहारा को हराकर इस सत्र की सबसे शानदार जीत में से एक हासिल की। तन्वी ने गुवाहाटी मास्टर्स में उपविजेता रहकर वर्ष का समापन किया। उन्नति हुडा ने विश्व जूनियर टीम चैंपियनशिप में भारत को कांस्य पदक दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वह ओडिशा मास्टर्स सुपर 100 का खिताब जीतकर विश्व रैंकिंग में 23वें स्थान पर पहुंच गईं। चीन मास्टर्स में पीवी सिंधू पर उनकी जीत ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। गुवाहाटी मास्टर्स में संस्कार सारस्वत ने अपना पहला सुपर 100 खिताब जीता।

सीनियर खिलाड़ियों ने किया निराश

भारत के सीनियर खिलाड़ियों के लिए हालांकि वर्ष 2025 काफी हद तक निराशाजनक साबित हुआ। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु तीन बार क्वार्टर फाइनल तक पहुंचीं, लेकिन उन्हें छह बार पहले दौर में और चार बार दूसरे दौर में ही हार का सामना करना पड़ा। साल की शुरुआत में हैमस्ट्रिंग की समस्या ने उनके अभियान को बाधित किया, जिसके बाद पैर में चोट लगने के कारण उन्हें अक्टूबर के बाद सभी बीडब्ल्यूएफ प्रतियोगिताओं से नाम वापस लेना पड़ा। वर्ष 2023 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता एचएस प्रणय के लिए यह सत्र और भी कठिन रहा। चोटों ने उनके प्रदर्शन को बुरी तरह प्रभावित किया। जनवरी में इंडिया ओपन में टखने की चोट और सितंबर में कोरिया ओपन में पसली की मांसपेशियों में लगी चोट के कारण वे नियमित रूप से अभ्यास नहीं कर पाए, जिससे उन्हें नौ बार दूसरे दौर से और आठ बार पहले दौर से बाहर होना पड़ा। भारत ने टीम प्रतियोगिताओं में भी निराशाजनक प्रदर्शन किया। एशिया मिश्रित टीम चैंपियनशिप और सुदीरमन कप में भारत का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा।

साक्षात्कार | ड्रैग फ्लिकर दीपिका सेहरावत ने कहा अगले साल करेगी अच्छा प्रदर्शन

नया साल महिला हॉकी के लिए नई उम्मीद लाएगा

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय महिला हॉकी टीम के लिए यह साल मैदान के भीतर और बाहर भले ही अच्छा नहीं रहा हो, लेकिन हॉकी इंडिया लीग के जरिये पांच महीने बाद मैदान पर वापसी को तैयार ड्रैग फ्लिकर दीपिका सेहरावत का मानना है कि नए साल में चीजें अच्छे के लिए बदलेंगी। अगस्त में एशिया कप के लिए रवानगी से एक दिन पहले आखिरी अभ्यास सत्र में पैर फिसलने के कारण टीम से बाहर हुई दीपिका ने स्वीकार किया कि बीते साल टीम अपेक्षा के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाई, लेकिन यह भी कहा कि नया साल नई उम्मीदें लेकर आएगा।

हॉकी इंडिया लीग के जरिये वापसी कर रही 22 वर्ष की इस फॉरवर्ड ने कहा नए साल में नई चीजें शुरू होंगी तो काफी कुछ बदलेगा। अगला साल काफी अहम है जिसमें विश्व कप के लिए क्वालीफाई करना सबसे पहली चुनौती है और 2026 में एशियाई खेल भी हैं। प्रो लीग में आखिरी स्थान पर रहने के अलावा एशिया कप के फाइनल में चीन से 1-4 से हारकर भारतीय महिला टीम ने बेल्जियम और नीदरलैंड में अगले साल अगस्त में होने वाले विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफाई करने का मौका गंवा दिया। अब उसे मार्च में हैदराबाद में क्वालीफायर खेलना है जिसमें इंग्लैंड, स्कॉटलैंड, कोरिया, इटली, उरूग्वे, वेल्स और आस्ट्रिया भी भाग लेंगे और शीर्ष तीन टीमें विश्व कप का टिकट कटायेंगी।

वर्ष 2025 में हॉकी इंडिया के सर्वश्रेष्ठ उदीयमान खिलाड़ी का पुरस्कार जीतने वाली दीपिका ने कहा हॉकी से दूर ये पांच महीने मेरे लिए बहुत कठिन थे। मुझे गुस्सा आता था और मैं रोती थी कि टीम से बाहर क्यो हूं क्योंकि एशिया कप के लिये मेरी तैयारी अच्छी थी। अब पूरी तरह फिट होकर वापसी कर रही हूं और अपनी ओर से कोई कसर नहीं छोड़नी है। उन्होंने कहा हमें दिखाना है कि भारत की महिला हॉकी टीम भी किसी से कम नहीं है।टोक्यो ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहने के बाद महिला हॉकी का ग्राफ जो ऊपर गया था, उसे फिर लौटाना है। पिछला साल अच्छा नहीं रहा लेकिन अगला साल नई सुबह लेकर आएगा।

खिलाड़ी के लिए फिटनेस बहुत जरूरी

दीपिका ने कहा कि एक खिलाड़ी के लिये शारीरिक के साथ मानसिक फिटनेस भी बहुत जरूरी है और एचआईएल में उनकी टीम एसजी पाइपर्स ने इसमें उनकी काफी मदद की। उन्होंने कहा खिलाड़ी अगर मानसिक तौर पर रिलैक्स हो तो शारीरिक फिटनेस आ ही जाती है। हम खुश रहते हैं तो प्रदर्शन भी अच्छा होता है। मैं हॉकी इंडिया लीग के जरिये वापसी करना चाहती थी तो राष्ट्रीय टीम का शिविर खत्म होने के बाद एसजी पाइपर्स ने मेरे लिये जयपुर में 15 दिन के विशेष शिविर का इंतजाम किया और मुझ पर भरोसा जताया। इसी की वजह से मैं फिट होकर वापसी कर सकी हूं। अब चोट से पहले वाले फॉर्म में लौटकर उन्होंने ड्रैग फ्लिक भी शुरू कर दी है।